दैनिक

लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार ,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित

RNI-UPHIN/2014/58471

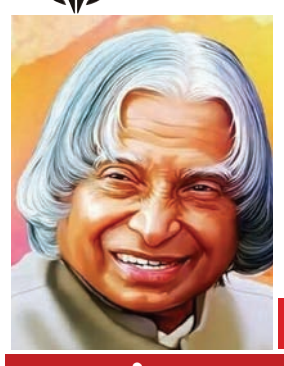

अमन लेखनी

डॉ कलाम का जीवन दर्शन भारत के युवाओं के लिए है....

नेह का बन्धन...

वर्ष : 09 | अंक : 266 | लखनऊ, 30 अगस्त, बुधवार 2023 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

मौसम

अधिकतम तापमान 33.c

न्यूनतम तापमान 27.c

बाजार

सोना 5510/ g

चांदी 73.50/ g

सेंसेक्स 64,948.66

19,310.15

संक्षिप्त समाचार

'राहुल गांधी ने सच कहा था', संजय राउत बोले- हिम्मत है तो चीन पर सर्जिकल स्ट्राइक करके दिखाइए

नई दिल्ली, चीन ने आधिकारिक तौर पर मानक मानचित्र का नवीनतम संस्करण जारी किया है, जिसमें अरुणाचल प्रदेश राज्य और अक्साई चिन क्षेत्र को अपने क्षेत्र के हिस्से के रूप में दिखाया गया है। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने मंगलवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के दावे सच था और अगर केंद्र सरकार में हिम्मत है तो वह दक्षिण-पूर्व एशियाई देश पर सर्जिकल स्ट्राइक करे। प्रेस वार्ता में पत्रकारों से बात करते हुए, राउत ने कहा कि राहुल गांधी के दावे सही हैं कि चीन ने लद्दाख में पैंगोंग घाटी में प्रवेश किया है। चीन द्वारा 28 अगस्त को जारी मानचित्र में अरुणाचल प्रदेश को दिखाया गया है जिस पर चीन दक्षिण तिब्बत होने का दावा करता है और अक्साई चिन पर 1962 के युद्ध में उसने कब्जा कर लिया था।

चीन पर सर्जिकल स्ट्राइक करके दिखाइए

संजय राउत ने कहा कि यह प्रधानमंत्री को देखना चाहिए, अभी वे इफकउर में गए, उन्होंने चीन के राष्ट्रपति को गले लगाया। उसके बाद चीन का मैप आता है तो यह उनसे पूछना चाहिए। इसे देखने के बाद हमारा तो दिल टूट गया है। राहुल गांधी ने जो कहा है वह सच है कि हमारी जमीन चीन ने ले ली है। आपमें हिम्मत है तो चीन पर सर्जिकल स्ट्राइक करके दिखाइए। चाइना डेली अखबार के अनुसार, यह मानचित्र चीन के प्राकृतिक संसाधन मंत्रालय द्वारा सोमवार को झेजियांग प्रांत के डेकिंग काउंटी में सर्वेक्षण और मानचित्रण प्रचार दिवस और राष्ट्रीय मानचित्रण जागरूकता प्रचार सप्ताह के उत्सव के दौरान जारी किया गया था।

एम्स और आईएलबीएस के डॉक्टरों ने विमान में दो साल की बच्ची की जान बचाई

बेंगलुरु से दिल्ली आ रहे विस्तारा के एक विमान के उड़ान भरने के कुछ देर बाद ही उसमें सवार दो साल की बच्ची ने सांस लेना बंद कर दिया, लेकिन इसमें सफर कर रहे पांच चिकित्सकों ने उसकी जान बचा ली। इनमें अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के चार रेजिडेंट डॉक्टर और आईएलबीएस के एक चिकित्सक शामिल थे। बच्ची की सेहत बिगड़ने के बाद जब विमान कर्मियों ने आपात घोषणा की तो इन चिकित्सकों ने उड़ान के दौरान ही सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) किया।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने बच्ची की जान बचाने के लिए चिकित्सकों की प्रशंसा की। उन्होंने एक्स पर लिखा, एम्स नई दिल्ली के चिकित्सकों की टीम को विमान में एक बहुमूल्य जीवन बचाने और उत्कृष्ट कार्य के लिए बधाई।आपके प्रेरणादायी कार्य ने साबित कर दिया है कि धरती पर चिकित्सकों को भगवान की संज्ञा क्यों दी जाती है। अधिकारियों के अनुसार, विमान ने रविवार रात नौ बजे उड़ान भरी और करीब 30 मिनट बाद उसमें सवार किसी डॉक्टर की आपात मदद के लिए घोषणा की गई।

यूपी में सुस्त उद्योग जगत को दिया बढ़ावा, आत्मविश्वास से किया लबरेज : सीएम योगी

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। वर्ष 2017 में सरकार बनते ही सबसे पहले फिक्की के एक कार्यक्रम में जाने का मौका मिला। उस समय समझ में नहीं आ रहा था कि कार्यक्रम में क्या बोलूं, क्योंकि उस समय सरकार और उद्योग जगत में विश्वास का अभाव था। पूर्व की सरकारों ने राजनीतिक इच्छा शक्ति की कमी के कारण प्रदेश को लगातार पीछे धकेलने का काम किया। नौकरशाही का बैरियर प्रदेश के विकास को बाधित कर रहा था। आज 6 वर्षों के कार्यकाल में जो माहौल बना है ये उसी का नतीजा है कि फिक्की 38 वर्षों के बाद प्रदेश की राजधानी में अपने नेशनल एग्जिक्यूटिव्स के साथ बैठक करने जा रहा है। यह दशार्ता है कि उत्तर प्रदेश वाकई में सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को गोमतीनगर के ताज होटल

में आयोजित फिक्की की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में कही।

सरकार बैंक का सीडी रेशियो 60 फीसदी ले जाने की दिशा में कर रही काम

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और नेतृत्व में अंधकार के युग और बीमारू राज्य से उबर कर एक विकसित राज्य की ओर अग्रसर हो चुका है। अब वह दिन दूर नहीं जब उत्तर प्रदेश देश की अग्रणी अर्थव्यवस्था बनेगा। आप सभी का सकारात्मक योगदान हम सभी के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होगा। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश ने इज ऑफ डूइंग बिजनेस में चौथे स्थान से दूसरा स्थान हासिल किया है, जो सरकार की पिछले 6 वर्षों में कार्य प्रगति की इच्छा दृष्टि को दशार्ता है। किसी भी प्रदेश में निवेश की सबसे पहली आवश्यकता होती है सुरक्षा की, जिसे हमारी सरकार ने भली भांति समझा।

उसके नतीजे आज सभी के सामने हैं। प्रदेश में आज अपराध नहीं होते हैं, कोई भी फिरौती के लिए अपहरण जैसे कृत्य नहीं कर सकता है। कोई गुंडा किसी इंडस्ट्री में जा करके गुंडा टैक्स की वसूली और धमकी नहीं दे सकता है। इन सभी से मुक्त हो करके प्रदेश ने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में जो नई रैंकिंग हासिल की है, वह आप सबके सामने है। प्रदेश में एंटी भू माफिया टास्क फोर्स गठित करके 64000 हेक्टेयर लैंड को भू माफिया के कब्जों से मुक्त करवा करके इंडस्ट्री के लिए लैंड बैंक तैयार किया गया है। 6 वर्ष पहले बैंक का सीडी (क्रेडिट-डेबिट) रेशियो 42 फीसदी था जबकि आज यह 56 फीसदी तक पहुंच चुका है और बहुत जल्द हम इसे 60 फीसदी तक ले जाने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। वर्तमान में रिजर्व बैंक के आंकड़े आए हैं, वह समझने के लिए प्राप्त होंगे कि उत्तर प्रदेश आज किस दिशा में आगे बढ़ चुका है।

हर घर में नल से पहुंच रहा पानी

सीएम योगी ने कहा कि इंडस्ट्री के लिए प्रदेश में अनुकूल अवसर हैं क्योंकि उत्तर प्रदेश रेवेन्यू सरप्लस स्टेट है। प्रदेश अपने बड़े से बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर के कार्यक्रम को तेजी के साथ आगे बढ़ा रहा है। प्रदेश में पश्चिमी क्षेत्र के पास अपना इंफ्रास्ट्रक्चर था, लेकिन पूर्वी उत्तर प्रदेश और बुंदेलखंड इन सभी से वंचित था। आज यहां का नजारा कुछ और है। वर्ष 2016 में बुंदेलखंड में भारत सरकार को टैंकर से पानी भेजना पड़ता था। वहीं आज हर घर में नल से पानी पहुंच रहा है। पूर्ववर्ती सरकार ने नोएडा को लूट का अड्डा बना दिया था।

जी-20 में बड़े-बड़े काफिलों में आएंगे मेहमान

अमेरिका का 80 कारों तो चीन का लगभग आधा का होगा काफिला

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, दिल्ली में सितंबर के महीने में जी20 शिखर सम्मेलन का आयोजन होने जा रहा है। जी20 शिखर सम्मेलन की तैयारियां जोर शोर से की जा रही है। होटल, सुरक्षा व्यवस्था, खानपान, ट्रैफिक आदि को लेकर शिखर सम्मेलन के लिए कई तैयारियां की गई है। दिल्ली पुलिस, अन्य सुरक्षा एजेंसियां इसे लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने में जुटी हुई है।

दिल्ली में आठ से 10 सितंबर तक आयोजित होने वाले शिखर सम्मेलन को लेकर हर स्तर पर तैयारियां पुख्ता है। सात सितंबर को जी20 देशों, यूरोपीय संघ के अलावा कई देशों के राष्ट्राध्यक्ष नई दिल्ली पहुंचेंगे। दिल्ली आ रहे वीवीआईपी मेहमानों के लिए ट्रैफिक के भी खास इंतजाम किए गए है। वहीं दिल्ली आने के बाद विदेश से आ रहे वीवीआईपी मेहमान भी अपनी गाड़ियों और काफिलों में दिल्ली में ट्रैवल करेंगे। सभी वीवीआईपी मेहमान अपनी गाड़ियों को लेकर आएंगे। हालांकि दिल्ली पुलिस ने मेहमानों से अनुरोध किया है कि काफीलों में शामिल गाड़ी की संख्या में कटौती की जाए। इस संबंध में इंडियन एक्सप्रेस ने बताया है कि अमेरिका ने 76-80 गाड़ियों को लागने का प्रस्ताव रखा है। चीन ने 46 गाड़ियों को लाने का प्रस्ताव रखा है। अन्य देश भी ऐसे ही बड़ी संख्या में काफीले लाने की बात कर रहे है। जी20 सम्मेलन में शामिल होने के लिए तुर्किये, संयुक्त अरब अमीरात, फ्रांस और यूरोपीय संघ से भी मेहमान आएंगे। ऐसे में सभी ने अपने साथ गाड़ियों का काफीला लाने के लिए गाड़ियों की संख्या का प्रस्ताव भेजा है। ऐसे में सुरक्षा एजेंसियों और दिल्ली पुलिस के सामने ये बड़ी समस्या रहेगी कि इन वीवीआईपी काफिलों को फूलप्रूफ सुरक्षा प्रदान की जाए।

दिल्ली पुलिस ने गाड़ियों के बड़े काफीलों की मागं को लेकर अपनी तरफ से भी मेहमान देशों को प्रस्ताव दिया है। इसमें दिल्ली पुलिस ने अमेरिका, चीन के वाहनों में कटौती करने का प्रस्ताव रखा है।

मणिपुर के मंत्री ने विधानसभा में विपक्ष के बर्ताव की आलोचना की, कांग्रेस ने किया पलटवार

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

मणिपुर के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री गोविंददास कोंथौजम ने मंगलवार को कहा कि विधानसभा के एक दिवसीय सत्र के दौरान विपक्षी दल कांग्रेस का असंवैधानिक और अशोभनीय व्यवहार बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि जब विधानसभा अध्यक्ष ने सदन में प्रवेश किया तो विपक्ष ने हंगामा किया और विपक्षी सदस्यों ने शोक संदेश पढ़े जाने के दौरान लगातार व्यवधान डाला। सत्र शुरू होने के एक घंटे के अंदर ही, कांग्रेस विधायकों द्वारा इसकी अवधि बढ़ा कर पांच दिन किये जाने की मांग करते हुए हंगामा करने के बाद विधानसभा की बैठक को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया। मंत्री ने कहा,राज्य के लोगों को जानना चाहिए कि कांग्रेस ने सदन में काफी व्यवधान डाला। शिक्षा एवं कानून मंत्री टी बसंत ने कहा, यहां तक कि जब अध्यक्ष थौकचोम सत्यव्रत सिंह ने कुछ कहना चाहा, तब कांग्रेस सदस्यों ने शोरगुल करना शुरू कर दिया और सदन की कार्यवाही बाधित की।

उन्होंने कहा, विधानसभा अध्यक्ष के पास सदन को करीब आधे घंटे के लिए स्थगित करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। सत्र दोबारा शुरू होने पर विपक्षी नेताओं ने अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखा और सदन की कार्यवाही नहीं होने दी। इस बीच, मणिपुर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सत्र भारत के संसदीय लोकतंत्र के इतिहास में एक काला दिन है। कांग्रेस नेता ओ इबोबी सिंह ने कहा, विधानसभा का सत्र सिर्फ संवैधानिक संकट को टालने के लिए बुलाया गया था, ना कि जनता के हित के लिए।

सदस्यों को सवाल पूछने से वंचित किया जा रहा है। सिंह ने कहा, हम सदन में चिल्लाना नहीं चाहते, लेकिन सरकार के तानाशाह रवैये के खिलाफ हमारे पास कोई विकल्प नहीं बचा है।

अगर 2024 में भाजपा सरकार बनी तो हो सकता है भविष्य में हम और आप वोट न डाल पाएं : अखिलेश यादव

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

मऊ (उप्र)। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मंगलवार को यहां एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए आशंका प्रकट की कि अगर 2024 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की वापसी होती है तो हो सकता है कि हम और आप भविष्य में कभी वोट न डाल पाएं। यादव ने मंगलवार को घोसी विधानसभा के उपचुनाव के लिए सपा उम्मीदवार सुधाकर सिंह के समर्थन में आयोजित सभा को संबोधित किया।

अपने संबोधन में उन्होंने सपा को समर्थन देने वाले कांग्रेस, वामदलों के नेताओं के अलावा सुहेलदेव स्वाभिमान पार्टी के महेंद्र राजभर के प्रति आभार प्रकट किया। उन्होंने सत्ता पक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि इनका दल (महेन्द्र राजभर) चुनाव लडना चाहता था, लेकिन इनके दल के प्रत्याशी को चुनाव लड़ने नहीं दिया। उनका पर्चा भी नहीं भरने दिया। यादव ने आरोप लगाया कि यह भाजपा का नया तरीका है। लोकतंत्र में भाजपा ने नया तरीका अपनाया है कि लोगों को चुनाव मत लड़ने दो। यादव ने आशंका प्रकट करते हुए कहा कि याद रखना, अभी तो ये इन्हें रोक रहे हैं, अगर ये (भाजपा) 2024 में सरकार बना ले गये तो हो सकता है कि हम और आप भी भविष्य में कभी वोट न डाल पाएं। गौरतलब है कि घोसी विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के लिए 18 अगस्त को नामांकन पत्रों की जांच में कमियां पाये जाने के बाद छह उम्मीदवारों के नामांकन पत्रों को निरस्त कर दिया गया था। घोसी विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचन अधिकारी सुरेश कुमार ने बताया था कि घोसी में होने वाले उप चुनाव के लिए कुल दाखिल 17 नामांकन पत्रों की जांच की गई। जांच के दौरान छह नामांकन पत्रों में विभिन्न कमियां पाए जाने के कारण उन्हें निरस्त किया गया। जिन नामांकन पत्रों को निरस्त किया गया, उनमें सुहेलदेव स्वाभिमान पार्टी के उम्मीदवार अरविंद कुमार राजभर का भी नामांकन पत्र शामिल था।

रसोई गैस सिलेंडर 200 रुपये हुआ सस्ता

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, सरकार ने मंगलवार को लोगों को महंगाई से राहत देने के मकसद से घरों में इस्तेमाल वाले रसोई गैस सिलेंडर (एलपीजी) के दाम 200 रुपये घटा दिये हैं। इसके अलावा उज्ज्वला योजना के तहत मुफ्त में 75 लाख नये एलपीजी कनेक्शन देने का भी निर्णय किया है। सरकार के इस फैसले को मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में आगामी विधानसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी के सस्ता एलपीजी सिलेंडर देने के वादे की काट और चुनाव तैयारियों के रूप में भी देखा जा रहा है। सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने यहां संवाददाताओं से कहा कि प्रधानमंत्री

नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक में सभी लोगों के लिये एलपीजी सिलेंडर के दाम 200 रुपये कम करने का निर्णय किया गया।

इस फैसले के बाद राजधानी दिल्ली में 14.2 किलो का एलपीजी सिलेंडर की लागत बुधवार से 903 रुपये होगी, जो अभी 1,103 रुपये है। मई, 2020 के मुकाबले अभी रसोई गैस सिलेंडर का दाम दोगुना से अधिक है। इसके साथ ही अब उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को कुल 400 रुपये का लाभ मिलेगा। उन्हें पहले से 200 रुपये की सब्सिडी मिल रही है। इससे उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को एलपीजी सिलेंडर अब 703 रुपये में मिलेगा। ठाकुर ने कहा कि इस पहल का मकसद परिवारों को राहत उपलब्ध कराना है। इसके साथ सरकार उज्ज्वला योजना के तहत 75 लाख परिवारों को नये एलपीजी कनेक्शन देगी। इससे प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों की संख्या 10.35 करोड़ हो जाएगी। इस बारे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि रसोई गैस की कीमतों में कटौती से महिलाओं की सहूलियत बढ़ेगी तथा उनका जीवन और भी आसान होगा। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा, रक्षाबंधन का पर्व अपने परिवार में खुशियां बढ़ाने का दिन होता है। गैस की कीमतों में कटौती होने से मेरे परिवार की बहनों की सहूलियत बढ़ेगी और उनका जीवन और आसान होगा। मेरी हर बहन खुश रहे, स्वस्थ रहे, सुखी रहे, ईश्वर से यही कामना है। पिछले एक-दो साल में रसोई गैस की कीमतें बढ़ी हैं और यह एक प्रमुख चुनावी मुद्दा बन गया है। कांग्रेस पार्टी ने एलपीजी की ऊंची कीमतों के कारण लोगों की जेब पर पड़ रहे असर को भांपते हुए इस मुद्दे को जोर-शोर से उठाया है।

नवोदित लेखिका नाजिश अंसारी को मिला राजेन्द्र यादव हंस कथा सम्मान

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, प्रसिद्ध साहित्यकार दिवंगत राजेन्द्र यादव की स्मृति में हर वर्ष प्रदान किया जाने वाला राजेन्द्र यादव हंस कथा सम्मान इस बार नवोदित लेखिका नाजिश अंसारी को उनकी कहानी हराम के लिए दिया गया। इसके साथ ही कुल 10 श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए गए। राजेन्द्र यादव के जन्मदिवस पर सोमवार को यहां आयोजित एक समारोह में, हंस पत्रिका में प्रकाशित और राजेन्द्र यादव द्वारा लिखित संपादकीय तेरी मेरी उसकी बात का संकलन भी छह खंडों में जारी किया गया। हिंदी साहित्य के वरिष्ठ आलोचक, कवि और गद्यकार विश्वनाथ त्रिपाठी ने इन खंडों को जारी करते हुए राजेन्द्र यादव को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि राजेन्द्र यादव ने नयी कहानी को न केवल दिशा दी बल्कि हिदी साहित्य की अस्मिता को उस दौर में संरक्षित किया जब हिंदी साहित्य का अस्तित्व खतरे में महसूस किया जा रहा था। उन्होंने राजेन्द्र यादव को याद करते हुए कहा कि उनकी लेखनी व्यवस्था पर कड़े प्रहार करने, सवाल उठाने और व्यवस्था के सीने में कांटे की तरह चुभने वाली थी जिसने न केवल सामाजिक मूल्यों की नए सिरे से व्याख्या पर बल दिया बल्कि क्रांतिकारी लेखकों की एक नयी जमात पैदा की।

सत्र अदालत केजरीवाल, संजय सिंह की अर्जी पर 10 दिन में फैसला करे : गुजरात उच्च न्यायालय

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

गुजरात उच्च न्यायालय ने मंगलवार को यहां एक सत्र अदालत को निर्देश दिया कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डिग्री पर आप नेता अरविंद केजरीवाल और संजय सिंह की टिप्पणियों को लेकर दायर आपराधिक मानहानि मामले में उन्हें तलब करने के निचली अदालत के आदेश को चुनौती देने वाली आप नेताओं की याचिकाओं को किसी अन्य न्यायाधीश के पास स्थानांतरित कर दे। न्यायमूर्ति समीर दवे की पीठ ने अहमदाबाद के प्रधान सत्र न्यायाधीश को निर्देश दिया कि मेट्रोपोलिटन अदालत द्वारा जारी सम्मन के खिलाफ दोनों नेताओं की पुनरीक्षण याचिका को किसी अन्य न्यायाधीश को भेजा जाए, जो मामला सौंपे जाने से 10 दिन के अंदर उस पर फैसला करेंगे। उन्हें बताया गया कि मामले की सुनवाई कर रहे प्रभारी न्यायाधीश छुट्टी पर हैं और उन्होंने

इसके लिये 16 सितंबर की तारीख तय की है, जबकि मेट्रोपोलिटन अदालत में 31 अगस्त को मामले की सुनवाई होनी थी। उच्च न्यायालय ने इसके बाद आप के दोनों नेताओं की याचिका का निस्तारण कर दिया। शिकायतकर्ता गुजरात विश्वविद्यालय की ओर से वकील निरुपम नानावटी ने कहा कि वे सत्र अदालत में अंतिम सुनवाई । उनकी पुनरीक्षण याचिकाओं के निपटारे तक उचित अवधि के लिए मेट्रोपॉलिटन अदालत के समक्ष आपराधिक मामले की सुनवाई को स्थगित करने की आप नेताओं की याचिका का विरोध नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, ह्यह्यकोई उन्हें अर्जी (सुनवाई स्थगित करने के लिये) दायर करने से नहीं रोक सकता और विद्वान मजिस्ट्रेट आवेदन पर विचार कर सकते हैं। इस बीच पुनरीक्षण याचिका पर अंतिम सुनवाई की तारीख तय की जा सकती है। हमें कोई आपत्ति नहीं हो सकती।

महिला का अपमान करना, उसके साथ अभद्र व्यवहार करना शील भंग करना नहीं होगा: अदालत

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक महिला को गंदी औरत कहने को लेकर एक पुरुष के खिलाफ मुकदमा चलाने का आदेश रद्द करते हुए कहा है कि किसी महिला का अपमान करना या उसके साथ असभ्य व्यवहार करना और मयार्दापूर्ण तरीके से व्यवहार न करना उस महिला का शील भंग करना नहीं कहा जाएगा। उच्च न्यायालय ने यह भी कहा कि लिंग-विशेष पर आधारित कानून विपरीत लिंग वाले लोगों के विरुद्ध नहीं होता है, बल्कि किसी विशेष लिंग वाले व्यक्ति के सामने आने वाले अनोखे मुद्दों से निपटने के उद्देश्य से होता है। अदालत ने कहा कि तथ्य यह है कि किसी कानून का एक अंश खास लिंग के लिए होने का मतलब यह नहीं निकाला जाना चाहिए कि न्यायाधीश की तटस्थ रहने की भूमिका भी बदल जाती है और उस (न्यायाधीश) का

झुकाव खास लिंग के प्रति हो जाता है।

इसने आगे कहा कि किसी कानून की लिंग-विशिष्ट प्रकृति के बावजूद, न्यायिक कर्तव्य के लिए मूल रूप से अटूट तटस्थता और निष्पक्षता की आवश्यकता होती है। उच्च न्यायालय ने कहा, लिंग-विशिष्ट कानून समाज के भीतर विशेष लिंगों की अनूठी चिंताओं और चुनौतियों के समाधान के लिए होता है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि न्याय करते समय न्यायाधीश को लिंग-संबंधी कारकों से प्रभावित होना या उसकी ओर उसका झुकाव होना चाहिए, जब तक कि कानून में किसी विशेष लिंग के पक्ष में विशिष्ट धारणाएं नहीं बनाई जाती हैं। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने कहा, संक्षेप में, न्यायिक तटस्थता विधिक प्रणाली का एक अनिवार्य आधारस्तंभ है, जो (तटस्थता) सुनिश्चित करती है कि लिंग की परवाह किए बिना सभी पक्षों के साथ निष्पक्ष और न्यायसंगत व्यवहार किया जाये। उच्च न्यायालय ने आईपीसी की धारा 509 (किसी महिला का शील भंग करने के इरादे से शब्द, इशारा या कृत्य) के तहत आरोप तय करने के निचली अदालत के आदेश को रद्द करते हुए यह टिप्पणी की कि उस व्यक्ति के खिलाफ प्रथम दृष्टया मामला बनाया गया था।

अभियोजन पक्ष का मामला यह था कि शिकायतकर्ता महिला और आरोपी एक ही संगठन में काम करते थे तथा आरोपी व्यक्ति शिकायतकर्ता का वरिष्ठ था। यह आरोप लगाया गया था कि जब महिला ने उसे 1,000 रुपये देने से इनकार कर दिया तो उसने उसके खिलाफ अभद्र का इस्तेमाल किया और उसे गंदी औरत कहा। अदालत ने कहा कि उस व्यक्ति के किसी भी व्यवहार का कोई सबूत नहीं है, जो यह दशार्ता हो कि आरोपी किसी अवांछित सामाजिक आचरण से जुड़ा था, लेकिन यह अधिक से अधिक परेशान करने वाली टिप्पणियों का मामला है, जिसे शिकायतकर्ता द्वारा उचित रूप से अवांछित माना जा सकता है।

घर के अंदर चोरी कर रहे है युवक को रंगे हाथों पकड़ा

अमन लेखनी समाचार/रेहान खान

लखनऊ। सरोजनीनगर में सोमवार रात मकान में चोरी करने घुसे एक युवक को घर के लोगों ने रंगे हाथों धर दबोचा। बाद में उसकी धुनाई कर पुलिस के हवाले कर दिया। सरोजनीनगर के बदाली खेड़ा निवासी धर्मेंद्र राय के मुताबिक सोमवार रात करीब 10:30 बजे अचानक एक युवक उनके घर में चोरी करने घुस गया। आहट पाकर देखा तो वह गैस सिलेंडर उठाकर ले जा रहा था। तभी उसे दौड़ाकर पकड़ लिया। इस बीच उससे हाथापाई भी हुई। बाद में कई लोग इकट्ठा हो गए और उसकी धुनाई कर दी। पूछताछ में युवक ने अपना नाम यहीं के अवध विहार कॉलोनी स्थित मदीना मस्जिद के पास किराए के मकान में रहने वाला शादाब बताया। बाद में लोगों ने उसे पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

टप्पेबाजों ने ज्वेलर्स की दुकान पर 46500 का समान किया पार, रिपोर्ट दर्ज

अमन लेखनी समाचार/रेहान खान

लखनऊ। सरोजनीनगर में सोमवार को एक ज्वेलर्स दुकान पर पहुंचे टप्पेबाज ने करीब 46500 रुपये का सामान खरीदा और फर्जी ऑनलाइन पेमेंट का मैसेज दिखाकर वहां से भाग निकला। बाद में टप्पेबाजी की भनक लगने पर ज्वेलर्स व्यवसाई ने सरोजनीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। सरोजनीनगर के गौरी बाजार स्थित खूबचंद ज्वेलर्स के मालिक संजय गुप्ता के मुताबिक सोमवार को अपराह्न करीब 2 बजे रोहित नाम का एक लड़का (मोबाइल 8873669757) दुकान पर पहुंचा। दुकान पर पहुंचने के बाद उसने कुल 46 हजार 500 रुपये कीमत के एक जोड़ी झाला और एक लॉकेट खरीदा। इसके बाद उसने ऑनलाइन पेमेंट करने को कहा। आरोप है कि लेकिन उसने ऑनलाइन पेमेंट करने के बजाय नकली मैसेज अपने मोबाइल से दिखा दिया और सामान लेकर चला गया। बाद में जब दुकान के मोबाइल पर कोई मैसेज नहीं आया तो ज्वेलर्स व्यवसाई को अपने साथ धोखाधड़ी होने की भनक लगी। इस पर संजय गुप्ता ने आनन फानन इसकी सूचना सरोजनीनगर पुलिस को दी। फिलहाल पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर मोबाइल नंबर के आधार पर आरोपी का पता लग रही है।

डॉ राजेश्वर सिंह ने सरोजनीनगर की बेटियों को पहले दिलाया कौशल विकास प्रशिक्षण और अब रोजगार

बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने का डॉ. राजेश्वर सिंह का प्रयास लाया रंग, बेटियों को मिला फ्लिपकार्ट में रोजगार

फ्लिपकार्ट में नौकरी पाने वाली 16 बेटियों को डॉ. राजेश्वर सिंह को टैबलेट और वस्त्र देकर किया सम्मानित

बेटियों को डॉ. राजेश्वर सिंह ने किया सम्मानित, करियर गाइडेंस, उच्च शिक्षा और कार्य के अवसर दिलाने का किया वादा

अमन लेखनी समाचार/रेहान खान

लखनऊ। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह बेटियों की उत्तम शिक्षा के साथ-साथ उनके कौशल विकास कर, उन्हें कार्य के अवसर भी प्रदान करने हेतु निरंतर प्रयासरत हैं। परिणामस्वरूप सरोजनीनगर की बेटियां रोजगार प्राप्त कर आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बन रही हैं। क्षेत्र की ऐसी ही 16 बेटियों को सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने अपने आशियाना आवास पर सम्मानित किया। उन्होंने बेटियों को टैबलेट व साड़ियां बांटी। इन बेटियां को डॉ. राजेश्वर सिंह के प्रयासों से सरोजनीनगर में निःशुल्क व उचित प्रशिक्षण प्रदान किया गया था जिसके परिणामस्वरूप उन्हें स्वदेशी ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट में रोजगार मिला। इस दौरान सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने बेटियों को भविष्य में उच्च शिक्षा, कॉलेज में एडमिशन, स्टडी मैटिरियल, करियर गाइडेंस और रोजगार उपलब्ध कराने के साथ-साथ हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने बेटियों को प्रोत्साहित किया एवं उनका मार्गदर्शन भी किया। बेटियों से बातचीत के दौरान डॉ. राजेश्वर सिंह ने उन्हें उच्च शिक्षा की महत्वता बताते हुए प्रतियोगिता परीक्षाओं में हिस्सा लेने और उज्जवल भविष्य बनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

डॉ. राजेश्वर सिंह महिला स्वावलंबन के पक्षधर रहे हैं। खासकर बेटियों के कौशल उन्नयन और सशक्तिकरण की दिशा में डॉ. राजेश्वर सिंह ने कई अहम कदम उठाएं है। इसी क्रम में सरोजनीनगर की बेटियों को शुरूआत में शिक्षा, कौशल और आजीविका उन्नयन के बारे में परामर्श दिया गया था। इसके पश्चात इच्छुक उम्मीदवारों को ग्रामीण विकास मंत्रालय की दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना के तहत सोशल एक्शन फॉर वेलफेयर एंड कल्चरल एडवांसमेंट (रहअउअ) द्वारा प्रशिक्षित किया गया था। प्रशिक्षण पूरा होने के उपरांत इन लड़कियों को अब फ्लिपकार्ट जैसी विभिन्न बहुराष्ट्रीय कंपनियों में प्लेसमेंट मिला है। उनका वेतन पैकेज 13,500 रुपये निर्धारित किया गया है और साथ ही कार्यस्थल पर नाश्ता और दोपहर का भोजन भी उपलब्ध कराया जायेगा।

बता दें कि डॉ. राजेश्वर सिंह बेटियों की डिजिटल साक्षरता पर भी खास जोर देते हैं। उन्होंने अब तक क्षेत्र के 17 कॉलेजों में 175 कंप्यूटर प्रदान कर डिजिटल लैब स्थापित करवाया है। डॉ. राजेश्वर सिंह का मानना है कि भविष्य डिजिटल साक्षरता का है, इसलिए बेटियां डिजिटल जगत में अपनी विशिष्ट पहचान बनाएं, नई तकनीकी के साथ जुड़ें।

छात्र की साइकिल चोरी का बीस दिन बाद दर्ज किया मुकदमा

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज।मोहनलालगंज कस्बे के नवजीवन इंटर कालेज में 11वीं में पढने वाले छात्र रोहित निवासी बिन्दौवा की साइकिल 8अगस्त को तहसील के पीछे से चोरी हो गयी।पीड़ित छात्र रोहित ने बताया घर से साइकिल से कालेज जाने के लिये निकला था ओर रोज की तरह तहसील के पीछेलांक कर खड़ी कर दी,कालेज से छुट्टी के बाद लौटा तो उसकी साइकिल गायब थी,घटना वाले दिन ही पुलिस से शिकायत की तो वो मुकदमा दर्ज करने की बजाय पिता को बुलाकर लाने के बाद मुकदमा दर्ज करने की बात कहकर चलता कर दिया।जब उसकी साइकिल पुलिस ने बरामद कर ली तब जाकर सोमवार को पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया।क्षेत्रीय लोगो ने बताया बीते एक महीने में मोहनलालगंज कस्बे के कालेजो में पढने आने वाले छात्रो की दर्जन भर के करीब साइकिले चोरी हो चुकी हैं।

सीएचसी पर नेत्रदान पखवाड़ा का हुआ आयोजन

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मंगलवार को मलिहाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर सीएचसी अधीक्षक डा. चन्दन यादव के नेतृत्व मे नेत्रदान पखवाड़ा का आयोजन किया गया।इस मौके पर नेत्र परीक्षण अधिकारी राकेश कुमार दिवाकर ने लोगो को नेत्रदान के प्रति जागरुक किया। सीएचसी अधीक्षक डॉ.चंदन यादव ने बताया कि मृत्यु के बाद कोई भी व्यक्ति नेत्रदान कर सकता है। इसके लिए पहले ही संकल्प पत्र दाखिल करना होगा। मृत्यु के बाद किसी भी व्यक्ति की छह से आठ घंटे तक आंखें दान की जा सकती हैं।एक व्यक्ति का आंखें दो लोगों की जिंदगी रोशन कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि हमें नेत्रदान का संकल्प लेना चाहिए तथा अपने सगे संबंधियों को भी ज्यादा से ज्यादा इस बारे में प्रेरित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि नेत्रदान एक पवित्र कार्य है और हमें जीवित रहते नेत्रदान का दृढ़ संकल्प लेना चाहिए। किसी भी दृष्टिहीन व्यक्ति को यह आंखें लगाई जा सकती हैं। वह व्यक्ति इस दुनिया को देख सकता है। मृत्यु के बाद भी व्यक्ति की आंखें जीवित रहती हैं और वह मौत के बाद भी इस सुंदर संसार को देख सकता है। उन्होंने कहा मृत्युपरांत देहदान, रक्तदान, नेत्रदान, अंगदान सबसे बड़ा दान है। इस मौके पर स्वास्थ्य विभाग अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

पत्रकारों के लिए दुनिया में हर स्थान है जोखिम भरा

पत्रकारों ने कहा.....साहब! मानसिक प्रताड़ित व छवि को किया गया है, धूमिल

लखनऊ। माल थाना क्षेत्र में पत्रकारों को सच दिखाना पड़ गया भारी,रंगदारी का लगा आरोप।मिली जानकारी अनुसार रविवार को पत्रकार नरेंद्र कुमार व उनके साथी निखिल मिश्रा ने जमीनी विवाद को लेकर सोशल मीडिया पर पीड़ित की बाइट के साथ एक खबर चलाई थी,जिससे बौखलाए विपक्षी ने कुछ लोगों द्वारा एक लिखित प्रार्थना पत्र व कुछ लाइन लिख कर प्रार्थी व उसके मित्र पर झूठी रंगदारी का आरोप लगाकर छवि धूमिल करते हुए मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का प्रयास किया गया। लेकिन पत्रकारों ने न झुकते हुए,इस शायरी को चरितार्थ किया है,गिरा ले मुझे अपनी नजरो से कितना ही, झुकने पर तो मजबूर में तुझे भी कर दूंगा एक बार बदनाम करके तो देख मूझे महफिल में कसम से शहर में मशहूर मैं तुझे भी कर दूंगा अर्थात पीड़ित पत्रकार नरेंद्र ने अपने पत्रकार साथी निखिल मिश्रा व लगभग दो दर्जन से पत्रकारों के साथ माल थाने पहुंच तहरीर देकर रंगदारी का आरोप लगाकर सामाजिक छवि धूमिल करने व मानसिक रूप से प्रताड़ित करने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग की है। साथ ही मुख्यमंत्री पोर्टल पर ऑनलाइन आईजीआरएस के माध्यम से शिकायत दर्ज कर कार्यवाही की मांग की है। पत्रकारों के लिए स्थानीय राजनीति, भ्रष्टाचार और अपराध जैसे मामलों की रिपोर्टिंग करना किसी युद्ध की स्थिति को कवर करने से भी ज्यादा खतरनाक बन गया है। जिसको लेकर सूबे की सरकार द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

चार शातिर चोर गिरफ्तार, नगदी व माल बरामद

मोहनलालगंज पुलिस ने चार शातिर चोरो को गिरफ्तार कर पांच चोरी की घटनाओ का खुलासा, नगदी व जेवरात समेत छः मोबाइल फोन, दो अवैध तंमचे व चार जिंदा कारतूस बरामद

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज।मोहनलालगंज के खुजौली, भुवनखेड़ा, भागूखेड़ा समेत सरोजनीनगर, नगराम में हुयी चोरी की घटनाओ का मगंलवार को पुलिस ने खुलासा करते हुये चार शातिर चोरो को गिरफ्तार किया।चोरो के पास से 19600रुपए व सोने चांदी के जेवरात, छः मोबाइल फोन समेत दो अवैध तमंचे व चार जिंदा कारतूस बरामद किये।पुलिस ने शातिर चोरो को बरामद माल के साथ न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हे जेल भेज दिया गया।

इंस्पेक्टर संतोष कुमार आर्य ने बताया क्षेत्र के खुजौली में राफिया बानो, भुवनखेड़ा में सत्येन्द्र सिहं यादव, भागूखेड़ा मे पूर्व प्रधान सजंय कुमार के घर हुयी चोरी की घटनाओ में मुकदमा दर्ज कर चोरी की घटनाओ के खुलासे के लिये पुलिस समेत सर्विलासं टीम को लगाया गया था, मगंलवार की सुबह मुखबिर की सूचना पर उपनिरीक्षक विजय शंकर सिहं, पटेल सिंह राठी व सर्विलांस सेल के हेड कास्टेबंल ब्रदी विशाल तिवारी, मंजीत सिंह ने पुलिस टीम के साथ सैय्यद बाबा मोड़ के पास घेराबंदी कर चार शातिर चोरो को दबोचकर थाने लाकर कड़ाई से पुछताछ शुरू की गयी तो चोरो ने अपना नाम हरिशंकर उर्फ फुक्कन व बब्लू उर्फ आरटीओ निवासीगण बजेहरा थाना असोहा जनपद उन्नाव, लालू उर्फ हरिशंकर निवासी ललऊखेड़ा थाना उन्नाव, राहुल उर्फ रामकुमार निवासी दंऊ थाना असोहा जनपद उन्नाव बताते हुये मोहनलालगंज के खुजौली, भुवनखेड़ा, भागूखेड़ा समेत सरोजनीनगर व नगराम मे चोरी की घटनाओ को अजांम देने की बात कबूल की।दबोचे गये चोरो की निशानदेही पर 19600रुपए व सोने चांदी के जेवरात समेत छः मोबाइल फोन, दो अवैध तंमचे व चार जिंदा कारतूस बरामद किये गयें।गिरफ्तार शातिर चोरो पर माल बरामदी, आर्म्स एक्ट की धाराओ में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हे जेल भेज दिया गया।

रैकी कर चोरी की घटनाओ को देते थे अजांम

गैंग के सरगना हरिशंकर उर्फ फुक्कन ने पुलिस पुछताछ में बताया चोरी की वारदात को अजांम देने से दो तीन पहले दो से तीन साथियों को बाइको से भेजकर अच्छे से रैकी कराने के बाद चड्डी, बनियान पहनकर व चेहरे पर नकाब लगाकर देर रात चोरी की घटनाओ को अजांम देते थे, वारदात के दौरान गैंग का कोई सदस्य मोबाइल का इस्तेमाल नही करता था, जिसके चलते चोरी की वारदात को अजांम देने के बाद आसानी से भाग निकलते थे ओर मोबाइल ना इस्तेमाल करने से लोकेशन नहीं ट्रेंस हो पाती थी, जिसके चलते पकड़े नही जाते थें।

चोर असली तो माल बरामदगी अधूरी क्यो

क्षेत्रीय लोगो की माने तो पुलिस हर बार असली चोरो को गिरफ्तार कर जेल भेजने के दांवे करती है तो घटनाओ में चोरी हुये माल की आधी अधूरी बरामदगी क्यो होती है, जैतीखेड़ा में हुयी तीन चोरी की घटनाओ में आधी अधूरी बरामदी दिखाकर चोरो की गिरफ्तार कर पुलिस ने जेल भेज दिया तो वही मगंलवार को भी पुलिस ने खुजौली, भागूखेड़ा, भुवनखेड़ा गांवो में हुयी तीन चोरी की घटनाओ के खुलासे में पीड़ितो के लाखो के गये माल में कुछ सोने चांदी के जेवरात व पैसे बरामद दिखा कर चोरो को जेल भेज दिया, ?से में बड़ा सवाल ये है घटनाओ को अजांम देने के बाद चुराये जेवरातो को चोर किसी ना किसी को बेचते होगे, जिनसे पूरे माल की बरामदगी कर खरीददारो को भी जेल भेजना चाहिए लेकिन पुलिस एसा नही करती, जल्दबाजी व गुडवर्क के चक्कर में आधा अधूरा खुलासा व कुछ माल बरामद कर चोरो को जेल भेज देती है।जिसके चलते चोरी हुआ माल पूरा बरामद नही कर पाती हैं।

बेहता नाले मे डूबा पांचवी का छात्र, देर शाम तक नहीं लगा सुराग

बेटे की एक झलक पाने के लिए एकटुक बेहता नाले पर बैठी रही : मां विमला

अमन लेखनी समाचार

लापता करन - फाइल फोटो

घटनास्थल का निरीक्षण करते एसडीएम व अन्य

लखनऊ। किसी काम से दोस्तों के साथ किशोर पड़ोसी गांव जा रहा था ,वहीं से गुजरे बेहता नाले पर तेज बहाव के चलते किशोर बेहता नाले मे चला गया। दोस्तों की चिल्लाने की आवाज सुनकर बेहता नाले पर ग्रामीणों की भीड़ लग गयी। ग्रामीणों ने बेहता नाले मे कूदकर इधर-उधर काफी खोजबीन की। लेकिन देर शाम तक उसका कहीं पता नहीं चल सका है।

रहीमाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत रुसेना मजरा शाही खेड़ा निवासी रामखेलावन के पुत्र करन 12 वर्षीय जो मंगलवार अपरान्ह करीब साढे 3 बजे कुछ दोस्तो के साथ किसी काम से वहीं पास के गावँ झाउबेरिया बेहता नाले की ओर जा रहा था। तभी पुलिया पार करते समय अचानक तेज बहाव के कारण छात्र बेहता नाले मे बह गया। जिससे किशोर उसी मे डूब गया। दोस्तों की चिल्लाने की आवाज सुनकर वंहा पहुंचे ग्रामीणों ने उसकी बेहता नाले मे काफी तलाश की लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से देर शाम तक करन की तलाश करती रही लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला सका है। सूचना पाकर मौके पर पहुँचे एसीपी वीरेन्द्र विक्रम सिंह, एसडीएम मीनाक्षी पाण्डेय, तहसीलदार विजय कुमार सिंह ने परिजनों को सांत्वना देते हुए। देर शाम सर्च अभियान शुरू कराया। लापता किशोर प्राथमिक विद्यालय में कक्षा पांचवी का छात्र था। करन के परिवार मे उसका एक भाई लवकुश बहन करिश्मा, रोशनी, माता विमला व उसका पिता राम खेलावन है। माता विमला बेटे की एक झलक देखने के लिए एकटुक बेहता नाले पर बैठी रही। पुलिया न बनने से आक्रोशित ग्रामीणों ने कहा की पिछले कई सालों से अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों से पुलिया निर्माण की मांग की जा रही है लेकिन अभी तक समस्या का समाधान नही हो सका। अगर पुलिया का निर्माण हो जाता तो शायद या घटना नहीं घटती।

एसओ रहीमाबाद अजीत कुमार ने बताया कि गोताखोरों की मदद से करन को तलाशने का कार्य जारी था। देर रात होने के कारण तलाश रोक दी गई। साथ ही बेहता नाले मे जगह-जगह पर जाल बिछा दिये गये हैं। जिससे वह आगे न जा सके।

सघन कुष्ठ रोगी खोज अभियान एक सितंबर से

कुल 1350 टीम जुटेंगी अभियान में

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ, राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के तहत जनपद में एक से 30 सितम्बर तक सघन कुष्ठ रोगी खोज अभियान चलाया जाएगा, जिसमें घर-घर जाकर संभावित कुष्ठ मरीजों की पहचान की जाएगी यह जानकारी जिला कुष्ठ रोग अधिकारी डॉ ए.के.सिंघल ने दी। उन्होंने बताया कि इस अभियान को सफल बनाने के लिए शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए 1350 टीम बनाई गई हैं हर टीम में एक आशा कार्यकर्ता और एक पुरुष स्वास्थ्य कार्यकर्ता है जिला कुष्ठ रोग अधिकारी ने बताया कि वर्तमान में जनपद में कुष्ठ के करीब 150 रोगी हैं, जिनमें शहरी क्षेत्र में 65 और ग्रामीण क्षेत्र में 85 हैं राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के तहत ट्रेस, टेस्टिंग और ट्रीटमेंट की प्रक्रिया अपनाते हुए रोगी की शीघ्र पहचान, जांच और इलाज किया जाता है। इस रोग से पीड़ित व्यक्ति की करेक्टिव सर्जरी निशुल्क की जाती है और मरीज को श्रम ह्रास के बदले में 12,000 रुपए दिए जाते हैं। पहले 8000 रुपए दिये जाते थे, अब इस राशि को बढ़ा दिया गया है ।

उप जिला कुष्ठ रोग अधिकारी डा. के.डी. मिश्रा ने बताया कि कुष्ठ एक संक्रमण रोग है। यह माइकोबैक्टीरियम लेप्रे नामक जीवाणु के कारण होता है, जो एक एसिड-फास्ट रॉड के आकार का बेसिलस है। यह त्वचा के अल्सर, तंत्रिका क्षति और मांसपेशियों को कमजोर करता है। कुष्ठ रोग में त्वचा पर हल्के रंग के धब्बे दिखाई देते हैं। धब्बे संवेदना रहित होते हैं और रोग की शुरूआत बहुत धीमी गति व शांति से होती हैं यह तंत्रिकाओं, त्वचा और आंखों को प्रभावित करता है। कुष्ठ अत्यधिक घातक रोग है, क्योंकि इस रोग में स्थाई शारीरिक दिव्यांगता हो सकती है, विशेष रूप से रोग में दिखने वाली दिव्यांगता ही मरीज के साथ होने वाले सामाजिक भेदभाव के लिए जिम्मेदार है। उन्होंने बताया कि यदि समय पर इसका इलाज नहीं किया जाए तो यह गंभीर विकृति और दिव्यांगता का कारण बन सकती है। कुष्ठ रोगियों के पैरों के तलवों में छाले, मांसपेशियों की कमजोरी और वजन में कमी सामान्य सी बात है।

जिला कुष्ठ रोग सलाहकार डा. शोमित सिंह ने बताया कि यदि कुष्ठ रोग का शीघ्र पता चल जाए तो इसका उपचार मल्टी ड्रग थेरेपी (एम.डी.टी.) द्वारा संभव है एमडीटी के उपचार के बाद इस रोग की पुनरावृत्ति दुर्लभ होती है कुष्ठ रोग के लक्षण नजर आने पर अपने क्षेत्र की आशा या एएनएम से संपर्क करें या निकटतम स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर परामर्श लें सभी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर एमडीटी का प्रावधान है कुष्ठ रोग के लक्षण वाले व्यक्ति को नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जाने के लिए प्रेरित करना चाहिए, ताकि उनका पूर्ण इलाज हो सके। लोगों को समाज में कोई भी ऐसा व्यक्ति जो कुष्ठ रोग से प्रभावित था और उनका इलाज मल्टी ड्रग थेरेपी (एमडीटी) के माध्यम से हो चुका है तो उनके साथ घूमने, बैठने, खाने इत्यादि पर किसी प्रकार का भेदभाव नहीं करना चाहिए।

गौरा में बेशकीमती सरकारी जमीन पर कब्जा कर हो रहा अवैध निर्माण, जिम्मेदार बने लापरवाह

मोहनलालगंज तहसील में आयोजित विशेष भूमि विवाद निस्तारण दिवस में एसडीएम ने सुनी फरियादियों की शिकायतें

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज।मोहनलालगंज तहसील में मगंलवार को विशेष भूमि विवाद निस्तारण दिवस में उपजिलाधिकारी हनुमान प्रसाद मौर्य ने पुलिस व राजस्वकर्मियों की मौजूदगी में फरियादियों की शिकायतें सुनकर निस्तारण के निर्देश दियें।पहली शिकायत हरिशंकर निवासी गौरा ने करते हुये बताया उनके गांव में नगर पंचायत की गांटा स०-1977ख, 1977ग, 1980ख, 1981 जो सरकारी अभिलेखो में ग्राम समाज दर्ज है, जिसकी कीमत करोड़ो रुपए है, उक्त भूमि पर अवैध रूप से कुछ लोग अवैध निर्माण कर रहे है, पूर्व में शिकायतो के बाद भी नगर पंचायत के जिम्मेदारो ने कोई कार्यवाही नही की।शिकायतकर्ता ने सरकारी जमीन से अवैध कब्जे हटाये जाने की मांग की हैं।एसडीएम ने ईओ को राजस्व व पुलिस टीम के साथ मौके पर जाकर जांच के बाद अवैध कब्जे हटाये जाने के निर्देश दियें।दूसरी शिकायत कमालपुर बिचलिका गांव के परीदीन समेत दर्जनो ग्रामीणो ने करते हुये बताया उनके गांव में स्थित गांटा स०-01 सरकारी अभिलेखो में सुरक्षित पशुचर भूमि दर्ज है जिस पर आधा दर्जन के करीब लोग जबरन बीते 15वर्षो से कब्जा कर अवैध रूप से खेती कर रहे है, पूर्व में कई शिकायतो के बाद भी कोई कार्यवाही नही हो सकी।एसडीएम ने शिकायत को गम्भीरता से लेते हुये नायाब तहसीलदार को राजस्वटीम के साथ मौके पर जाकर जांच कर अवैध कब्जा हटाये जाने के निर्देश दियें।तीसरी शिकायत कोराना गांव के ग्रामीणो ने करते हुये बताया उनके गांव में स्थित बंजर भूमि पर बीते ई दिनो से अवैध कब्जा कर मोतीलाल अवैध निर्माण करा रहा है, शिकायत को गम्भीरता से लेते हुये एसडीएम ने तत्काल मौके पर राजस्व व पुलिस टीम भेजकर सरकारी जमीन पर कब्जा कर निर्माण करा रहे मोतीलाल को पकड़कर पुलिस के हवाले किया, जिसके बाद अवैध कब्जेदार द्वारा कराये गये निर्माण को स्वंय से ध्वस्त कर लेने के लिखित आश्वसन के बाद छोड़ा।एसडीएम ने बताया विशेष भूमि विवाद निस्तारण दिवस में कुल 24शिकायतें दर्ज हुयी।इस मौके पर तहसीलदार आनन्द तिवारी, नायाब तहसीलदार अनुपम वर्मा, प्रियवंदा मिश्रा समेत सभी थानो के उपनिरीक्षक व राजस्वकर्मी मौजूद रहें।

नौकरी दिलाने का झांसा देकर हड़पे तीन लाख 50 हजार रूपए, रिपोर्ट दर्ज

अमन लेखनी समाचार/रेहान खान

लखनऊ। लखीमपुर खीरी जिले के फरधान थानान्तर्गत चपरतला निवासी अहरारुलहक ने बिजनौर के पुष्पा मैरिज लॉन से सटे कानपुर हैंडलूम निवासी नसीम अहमद के खिलाफ नौकरी दिलाने के नाम पर कई लोगों के मिलाकर 3 लाख 50 हजार रूपए हड़पने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। आरोप है कि पैसे वापस करने के लिए दबाव बनाने पर आरोपी उसे फर्जी मुकदमे में जेल भिजवाने की धमकी दे रहा है। अहरारुलहक का कहना है कि नसीम अहमद ने 25 मई 2018 को उससे 50 हजार और सुनील कुमार से 20 हजार रुपए अपने खाते में लिए थे। इसके अलावा रूपेश कुमार, सर्वेश कुमार, सनी शर्मा, धीरेंद्र शर्मा और मयंक पांडेय सहित सभी लोगों से कुल 3 लाख 50 हजार रुपए नगद लिए थे। लेकिन बाद में ना तो किसी को नौकरी दिलाई और ना ही उनके पैसे वापस किये। आरोप है कि पैसे मांगने पर नसीम आए दिन उन्हें कोई ना कोई बहाना बनाकर टालता रहा। जब पीड़ितों ने उस पर दबाव बनाया तो आरोपी ने उनको मारने के साथ ही फर्जी एफआईआर दर्ज करा कर जेल भेजवाने की धमकी दी। फिलहाल पुलिस अहरारुलहक की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

कृषि विभाग द्वारा न्याय पंचायत स्तरीय गोष्ठी का हुआ आयोजन

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ मंगलवार को इन सी टू योजना अंतर्गत न्याय पंचायत स्तरीय कृषक जागरूकता गोष्ठी का सफल संचालन किया गया। यह जागरूकता अभियान कृषि विभाग द्वारा मलिहाबाद के पांच न्याय पंचायत में कराया गया जिसमें सैकड़ो की संख्या में कृषकों ने प्रतिभाग किया। कृषि विभाग कर्मचारियों द्वारा पराली प्रबंधन पर किसानों को जागरूक किया गया कृषकों को बताया गया कि वह अपनी पराली ना जलाकर उसे खाद के रूप में परिवर्तित करें इसके साथ-साथ कृषि विभाग द्वारा संचालित अन्य योजनाओं की जानकारी दी। किसको को बताया गया कि पराली जलाने से वातावरण

प्रदूषण के साथ-साथ उनके खेतों में उपस्थित सूक्ष्मजीवों का भी नुकसान होता है से उनकी भूमि की उर्वरा शक्ति कम होती है अगर इस पराली को वह इस खेत में सढ़ाकर उसे खाद के रूप में प्रयोग करते हैं तो उनकी भूमि की उर्वरा शक्ति अच्छी होगी।

बीटीएम माधवेंद्र सिंह किसानों को विभाग की विभिन्न स्कीमों से अवगत कराया। साथ ही बताया कि समन्वित खेती से कम भूमि में अधिक आय की जा सकती है। अब किसान को खेती की नई तकनीक अपनानी पड़ेगी। इसके लिए क्षेत्र के हिसाब से फसलें उगाएं, फसल उत्पादक तथा उत्पाद को सीधे बाजार में बचें, जिससे किसानों को अधिक मुनाफा होगा। इस मौके पर कृषि विभाग अधिकारी व किसान मौजूद रहे।

संक्षेप

जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर हुई मारपीट, आधा दर्जन घायल

सफीपुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के बोड़े पुरवा गांव में जमीन विवाद को लेकर चली आ रही पुरानी रंजिश के चलते दो पक्षों ने जम कर बरसाए एक दूसरे पर लाठी डंडे जिससे दोनों पक्षों से छह लोग घायल हो गए एक पक्ष से अशोक उमाशंकर, विनोद पुत्र गण छेदी लाल जबकि दूसरे पक्ष से शान्ति पत्नी हीरालाल व उसके पुत्र प्रकाश व राजेश घायल हो गए सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को अलग अलग एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सफीपुर में भर्ती कराया। जहां पर मौजूद डॉ दोनों पक्षों का उपचार किया प्रभारी निरीक्षक श्याम नारायण सिंह ने कहा की दोनो पक्षों से तहरीर मिली है जांच पड़ताल कर कार्यवाही की जाएगी।

तेज रफ्तार डीसीएम खाली ट्रक से टकराई दो घायल

बांगरमऊ, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे किलोमीटर संख्या 225 के सामने तेज रफ्तार बेकाबू डीसीएम ने खड़े ट्रक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक बीचो-बीच मार्ग पर पहुंच गया। घटना की सूचना पर पहुंचे यूपीडा कर्मियों ने घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से बांगरमऊ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया गया जहां पर चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। प्रांत राजस्थान जनपद अलवर के सिलोड़ी थाना क्षेत्र निवासी चालक दिलीप पुत्र मेहताब, परिचालक संजय पुत्र आश्फ बताएं जा रहे हैं। जिन्हें प्राथमिक उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। घटना की जानकारी पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल में जुटी हुई है।

घूरा डालने को लेकर दबंगो ने मां बेटी को पीटा

बीघापुर, उन्नाव। युवती जानवरों का गोबर डालने घूरे पर जा रही थी तभी रास्ते में तीन लोगों ने मारपीट किया दिए गए तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी बिहार थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सराय मंगली निवासिनी शालिनी पुत्री छेदीलाल जानवरों का गोबर सुबह खाद के गड्ढों में डालने जा रही थी तभी पहले से ही घात लगाए बैठे गोलू ' संदीप पुत्रगण संत कुमार' सुमन पत्नी नंदपाल निवासी ग्राम सराय मंगली ने मारपीट करने लगी आवाज सुनकर शालिनी की मां सुमन भी दौड़ी चली गई जहां उसे भी मारा पीटा जिससे दोनों के गंभीर चोटे आई दिए गए तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी दो दिन से लापता युवक का शव बाढ़ के पानी मे उतराता मिला

पौधों को राखी बांधी, रक्षा का लिया संकल्प

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। पेड़ - पौधों के प्रति प्रेम भाव को जागृत कर उनकी सुरक्षा हेतु जनसामान्य में जागरूकता लाने के उद्देश्य से उन्नाव पुलिस कंट्रोल रूम में तैनात उपनिरीक्षक अनूप मिश्रा अपूर्व द्वारा एक अनूठी पहल की जा रही हैं। ट्री मैन के नाम से मशहूर पर्यावरण प्रेमी दरोगा अनूप मिश्रा अपूर्व ने रक्षाबंधन पर्व पर ₹ बांधों आंदोलन ₹ की शुरुआत की है जिसके तहत पेड़ पौधों को राखी बांध कर ₹ वृक्ष रक्षा - जन सुरक्षा ₹ का संदेश दिया जा रहा है। इसी क्रम में सब इंस्पेक्टर अनूप मिश्रा अपूर्व की मुहिम को आज प्राथमिक विद्यालय पुलिस लाइन नगर क्षेत्र और प्राथमिक विद्यालय सुलतान खेड़ा नगर क्षेत्र उन्नाव में रक्षा उत्सव के रूप में अयोजित किया गया। प्राथमिक विद्यालय पुलिस लाइन नगर क्षेत्र में सहायक अध्यापक नुपुर श्रीवास्तव और प्रधान अध्यापक सुलतान खेड़ा श्रद्धा सिंह के कुशल संयोजन में बच्चों ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पुलिस अंकल अनूप मिश्रा अपूर्व के साथ पेड़ - पौधों को अपने हाथ से बनाई ₹ पर्यावरण राखी ₹ बांध कर तन मन से उनकी रक्षा करने का संकल्प लिया। सब इंस्पेक्टर अनूप मिश्रा अपूर्व ने बच्चों संबोधित करते हुए कहा कि पेड़ों का जो उपकार इंसानों के ऊपर है उसे मौखिक रूप में कहा नहीं जा सकता। पेड़ - पौधों से मिलने वाली प्राण वायु सांसों के रूप में हमारे जीवन का आधार है। पेड़ पौधों की रक्षा के लिये हमें एक जुट होकर हरित क्रांति लानी होगी लेकिन यह तभी संभव होगा जब हम पेड़ पौधों से आत्मीय संबंध बनाकर भावनात्मक रिश्ता जोड़ेंगे।

रक्षाबंधन पर्व पर बहनें अपने भाइयों की कलाई पर पर जिस तरह राखी बांध कर उनकी आयु की भगवान से प्रार्थना करती हैं उसी प्रकार बांधों आंदोलन के तहत पेड़ - पौधों को राखी बांध कर उनकी लंबी आयु के लिए हमें ईश्वर से प्रार्थना करते हुए वृक्षों की सुरक्षा का संकल्प लेना चाहिए।

उन्होंने बच्चों से रक्षा बंधन पर्व को ₹ पर्यावरण रक्षा उत्सव ₹ के रूप में मनाने की अपील की और सभी बच्चों और शिक्षकों को बताया कि पेड़ पौधों की रक्षा का एक उपाय है हम सभी लोग क्यों न अपने आस पास किसी वृक्ष को रक्षाबंधन पर्व पर रक्षा - सूत्र बांधकर उसकी देखभाल का जिम्मा लें और ऐसा करने के लिए दूसरों को भी प्रेरित करें। रक्षा उत्सव में सीनियर सब इंस्पेक्टर अनूप मिश्रा अपूर्व , श्रद्धा सिंह प्रधान शिक्षक कीर्ति विश्वकर्मा शिक्षा मित्र संजय कुमार चौधरी प्रधान अध्यापक के साथ रेखा प्रजापति , शालिनी वर्मा , सारिका सिंह , कीर्ति त्रिवेदी , अंजली शुक्ला , अंजली सचान , उत्पल सचान सभी सहायक अध्यापक उपस्थित रहे।

खेल दिवस पर समाजसेवी संस्था ने आयोजित कराई खेल प्रतियोगिता

अमन लेखनी समाचार

शुक्लागंज, उन्नाव। समाजसेवी संस्था आर के एस सेवा फाउंडेशन द्वारा 29 अगस्त खेल दिवस के अवसर पर बच्चों को खेलों के प्रति जागरूक करने के लिए कराई गई चेस, बैडमिंटन व ताइक्वांडो प्रतियोगिता तथा जीतने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कार का सम्मानित किया गया जिसमें विभिन्न आयु वर्ग के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया महर्षि दयानंद पब्लिक स्कूल द्वारा स्पॉन्सर्ड इस प्रतियोगिता में 8 वर्ष की वर्ग आयु से लेकर सीनियर वर्ग की आयु तक के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया तथा संस्था अध्यक्ष सौरभ सिंह तथा प्रशिक्षक दिव्या मौर्य द्वारा हॉकी के जादूगर कहे जाने वाले ध्यान चंद्र के संघर्ष में जीवन के बारे में बताया गया उनकी उपलब्धियां बताई गई जिससे कि प्रत्येक खिलाड़ी उसे महान जादूगर से प्रेरणा लेकर खेल जगत में भारत का नाम ऊंचा करें इस उपलक्ष में महर्षि दयानंद पब्लिक स्कूल के प्रबंधक मयंक शुक्ला ने बच्चों को सहर्ष आशीर्वाद प्रदान किया। संस्था अध्यक्ष सौरभ सिंह ने खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य को बेहतर बनाने के लिए जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं के माध्यम से विभिन्न खेलों के आयोजन का आश्वासन दिया। इस कार्यक्रम के दौरान बैडमिंटन खिलाड़ी नरेंद्र प्रताप सिंह, ताइक्वांडो खिलाड़ी अवंतिका सिंह, कबड्डी खिलाड़ी सृष्टि अवस्थी, संस्था उपाध्यक्ष दीपक कुमार आनंद, सचिव अमनदीप सिंह, आकाश शर्मा, विमल किशोर सिंह, सनी वरुण सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

इंटर लाकिंग मार्ग का विधायक ने किया लोकार्पण

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। मुख्यमंत्री त्वरित विकास योजना से निर्मित कस्बे की इंटरलॉकिंग रोड का मंगलवार को विधायक बम्बालाल दिवाकर ने लोकार्पण किया। कस्बे के मुख्यमार्ग से होकर मोटेश्वर मंदिर तक जाने वाला 5 सौ मीटर का मार्ग अति जर्जर हालत में हो गया था।स्थानीय विधायक बम्बालाल दिवाकर ने सज्ञान में लेते हुए इंटरलॉकिंग मार्ग के निर्माण के लिए मुख्यमंत्री त्वरित आर्थिक योजना से स्वीकृति प्रदान कराई। 39 लाख 11 हजार की लागत से एक माह में कार्य पूरा कराया गया।मंगलवार को विधायक बम्बालाल दिवाकर ने मार्ग का लोकार्पण कर जनता को समर्पित किया।विधायक ने कहा कि प्रदेश के मुखिया गांव, नगर के विकास के लिए प्रतिबद्ध है।इस मौके पर जिला पंचायत सदस्य गुड्डू मिश्रा, सत्य प्रकाश द्विवेदी, अरविंद पांडेय, सभासद अभिनव शर्मा, नीरज कुशवाहा, अभिज्ञान आदि लोग मौजूद रहे।

मोटेश्वर मंदिर में क्षेत्रीय विधायक ने कराया रुद्राभिषेक

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। क्षेत्रीय विधायक बम्बालाल दिवाकर ने मंगलवार को अपनी पत्नी व पुत्र के साथ नगर के प्राचीन मोटेश्वर मंदिर में भगवान भोलेनाथ का रुद्राभिषेक कर लोक कल्याण के लिए मंगल कामना की।विधायक ने आचार्यो को द्रव्य एवं अंगवस्त्र भेंटकर उनका आशीर्वाद लिया।अभिषेक के बीच बाबा के सुंदर भजनों की प्रस्तुती से भक्त झूम उठे।वही बृहद स्तर पर अयोजित भंडारे में हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। भाजपा विधायक बम्बालाल दिवाकर ने मंगलवार को कस्बा स्थित प्राचीन शिवमंदिर मोटेश्वर महादेव में सपत्नी व परिजनों के साथ देश व प्रदेश में सुखशांति एवं सर्वकल्याण की कामना के लिए भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना कर रूद्राभिषेक किया।बिठूर कानपुर से पधारे आचार्य अवधेश शुक्ल शास्त्री की अगुवाई में आचार्य धर्मेन्द्र पांडेय व चंदन द्विवेदी ने विधि विधान से पूजन अर्चन कराया। वैदिक मंत्रों के बीच बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त ॐ नमः शिवाय मंत्र का जाप कर विधायक के साथ इस धार्मिक अनुष्ठान में सहभागी बने।वही उन्नाव से आई जीएस जागरण पार्टी के ज्ञानेंद्र शुक्ल, अमन ब्रजवासी ने बाबा के सुंदर -सुंदर भजनों से लोगो को झूमने पर विवश कर दिया।

आचार्य अवधेश शुक्ल ने बताया कि श्रावण मास में रुद्राभिषेक का विशेष महत्व है।कार्यक्रम समापन के बाद आयोजित भंडारे में हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके जिला पंचायत सदस्य दिलीप कुमार गुड्डू मिश्रा, पूर्व जिला पंचायत सदस्य रत्नेश गौड़, पूर्व ब्लाक प्रमुख सुखवीर सिंह, मुन्नू सिंह, राम विमल, मीडिया प्रभारी राजू चौहान, जितेंद सिंह, विधायक पुत्र अश्वनी दिवाकर, सतीश चंद्र गुप्ता, संजय चौरसिया, आशीष कनौजिया, नेहरू गौड़, लाले गौड़, लल्ला तिवारी, योगेंद्र गौड़, अमन त्रिवेदी आदि लोग मौजूद रहे।

बकरी व भेड पालन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। कृषि विज्ञान केंद्र धौरा उन्नाव में बकरी, भेड एवं शुकर पालन विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। जिसमे कुल 61 कृषक एवं कृषक महिलाओं ने प्रतिभाग किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 25/08/2023 से संचालित किया जा रहा था। इस विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम कराने का मुख्य उद्देश्य कृषक एवं कृषक महिलाये भारत सरकार के द्वारा वित्त पोषित योजन भारतीय पशुधन मिशन के तहत बकरी, भेड एवं शुकर पालन हेतु 50 प्रतिशत सबसिडी सहित ऋण प्राप्त कर अपना उद्म शुरू कर सकें और सहजतापूर्वक आय का संवर्धन कर सके। इस कार्यक्रम के दौरान सुनील सिंह, वैज्ञानिक पशुपालन ने बकरी और भेंड पालन की उन्नत नस्लों, आहार प्रबंधन, आवास प्रबंधन, रोग एव ब्याधि प्रबंधन तथा भारतीय पशुधन मिशन में प्राप्त होने वाले ऋण योजना के लिए प्रोजेक्ट बनाना व ऋण प्राप्त होने वाले विभिन्न चरणों के बारें में विस्तृत चर्चा किया गया। साथ ही इंजी रमेश चन्द्र मौर्या वैज्ञानिक कृषि अभियांत्रिकी ने सूक्ष्म सिचाई के बारें में वर्णन किया। कार्यक्रम के अंत में वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं हेड डॉ ए के सिंह जी के द्वारा प्रशिक्षार्थियों का उत्साह वर्धन कर अपने अपने स्वरोजगार स्थापित करने हेतु आवश्यक निर्देशित दिए। साथ ही अन्य वैज्ञानिक डा अर्चना सिंह, रत्ना सहाय, डा धीरज कुमार तिवारी, डा जय कुमार यादव आदि ने कृषि सम्बन्धी अपने-अपने सन्क्षिप्त तथ्यो को प्रशिक्षाथीयों के समक्ष रखा। कार्यक्रम के समाप्ति के उपरांत सभी प्रशिक्षार्थियों को प्रसस्ति प्रमाण पत्र का वितरण केंद्र के रिष्ठ वैज्ञानिक एवं हेड डॉ ए के सिंह जी व सभी वैज्ञानिकगण के द्वारा प्रदान किया गया।

बाढ़ पीड़ित ग्रामीणों को समाज सेवी ने बांटी राहत सामग्री

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जनपद के कई ब्लाकों में हाल के दिनों में बाढ़ जैसी भयानक घटना देखने को मिली। जिसकी वजह से सैकड़ों परिवारों का जीवन अस्त व्यस्त हो गया। गंगा नदी के जलस्तर में भारी वृद्धि की वजह से ब्लाक फतेहपुर84 के कटरी क्षेत्र के कई दर्जन गांव बाढ़ के पानी से प्रभावित हो गये।हालांकि अब गंगा नदी के जलस्तर में धीरे धीरे गिरावट आ रही है।जिसके बाद अब संक्रामक रोगों नें अपने पैर पसारने शुरू कर दिए हैं।गंगानदी में आई भीषण बाढ़ से प्रभावित हुए लोगों के लिए जनप्रतिनिधियों समेत समाजसेवी आगे आकर बाढ़ पीड़ितों की मदद कर रहे हैं।

इसी कड़ी में फतेहपुर 84 ब्लाक अन्तर्गत उन्नाव हरदोई मार्ग पर कालीमिट्टी के समीप स्थित एक विद्यालय के प्रबंधक व पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी विश्राम कुरील एवं उनके विद्यालय के स्टाफ एवम् अभिभावकों द्वारा बाढ़ प्रभावित कटरी क्षेत्र के विभिन्न गांवों में तोरना, दबौली, हिंदूपुर, गड़ाई आदि का भ्रमण कर उनका हाल जान बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री वितरित की।

बाढ़ पीड़ितो को नही मिल पा रही राहत सामग्री कीट महिलाओ ने ब्लाक परिसर में लगाई गुहार

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। तहसील क्षेत्र के रूपपुर चंदेला गांव के ग्रामीण बाढ़ से पीड़ित है ,गांव में पानी भर जाने के कारण ग्रामीण सड़क पर तिरपाल डालकर रह रहे है ।शासन से भेजी जा रही राशन किट पाने के लिए पीड़ित ग्रामीण दर दर भटक रहे है ।मंगलवार को रूपपुर चंदेला गांव की मधुबाला ,खातून जहां, मुन्नी देवी , सबाना, फुलाना , गुड़िया , सावित्री , चंपावती , शारूख , कल्लो, नन्ही , पूनम सविता , सुमन , गुलाब शर्मा , शिवरानी , सुमन सहित कई महिलाएं अपनी शिकायत लेकर विकास खंड कार्यालय पहुंची ।बीडीओ गुलाब चंद्र की अनुपस्थिति में महिलाओ ने ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि रमेश रावत से अपनी शिकायत दर्ज कराई ।महिलाओ ने लेखपाल और ग्राम प्रधान पर आरोप लगाते हुए बताया कि राशन किट अपने चहेतों को बांटी जा रही है ,जो वास्तविक बाढ़ से पीड़ित है इन तक राशन किट नही पहुंच पा रही है ।एसडीएम रामदेव निषाद ने बताया कि जानकारी मिली है जांच कराकर कार्यवाही की जाएगी।।बाढ़ प्रभावित लोगो तक राशन किट पहुंचाना प्राथमिकता में है लापरवाही करने वाले कर्मचारियों को बक्शा नही जायेगा।

शिक्षा चौपाल में अभिभावकों से मुखातिर हुए खंड शिक्षा अधिकारी

अमन लेखनी समाचार

बकेवर, फतेहपुर उत्तर प्रदेश के जनपद फतेहपुर के देवमई विकास खण्ड के प्राथमिक विद्यालय गंगचौली खुर्द में शिक्षा चौपाल का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता खंड शिक्षा अधिकारी देवमई प्रवीण शुक्ला के द्वारा की गई। विद्यालय के प्रधानाध्यापक आशीष पांडेय द्वारा अभिभावकों से संवाद स्थापित करते हुए बच्चों को प्रतिदिन प्रतिदिन विद्यालय समय से भेजना एवं पूर्ण रूप से ड्रेस पहनकर भेजें, समय-समय पर विद्यालय आकर अपने बच्चों की शैक्षिक प्रगति जानने का प्रयास करें एवं अमूल्य सुझाव भी दे, साझा करें, खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा डीबीटी, आधार कार्ड, आत्मीय संबंधों, पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही आलोक द्विवेदी ऐआरपी द्वारा निपुण भारत के तहत उपलब्ध सामग्री का बिंदवार प्रस्तुतीकरण किया गया। इस चौपाल में रागिनी वर्मा, अलका वर्मा, अदिता पांडेय, रासु शुक्ला, विनोद कुमार एवं सुरेखा सिंह के द्वारा भी अभिभावकों के साथ शिक्षा से संबंधित विषय वस्तुओं को साझा किया गया। बैठक का संचालन योगेन्द्र पाल द्वारा बहुत ही बेहतरीन ढंग से किया गया। इस मौके पर इंद्रपाल, रवि शुक्ला, छोटेलाल सहित अभिभावकगण उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर स्वर्ण पदक विजेता को दी गई शुभकामनाएं

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। उच्च प्राथमिक विद्यालय सोहरामऊ नवाबगंज ,उन्नाव के छात्रों ने राष्ट्रीय खेल दिवस पर अपने हाथों से चित्रकारी की तथा नीरज चोपड़ा को भारत के लिए विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने की खुशी में शुभकामनाएं भी दी. नीरज चोपड़ा का चित्र बनाकर उनके बारे में सदवाक्य लिखकर बच्चों ने अपनी हृदय के उद्गार व्यक्त किया. शिक्षिका स्नेहिल पांडे ने बताया कि बच्चे चंद्रयान के बाद भारत को मिली इस दूसरी सफलता को लेकर काफी हर्षित थे और उन्होंने राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर विभिन्न प्रकार की खेल से संबंधित जानकारी इकट्ठा कर चार्ट, चित्र, कहानी ,गीत के माध्यम से आज के दिन को प्रसन्नता पूर्वक मनाया. गतिविधियों का असर बच्चों के पर्सनालिटी एवं व्यक्तित्व विकास पर पड़ता है. जिसके तहत स्नेहिल पांडे द्वारा इस प्रकार की मनोरंजक गतिविधियों समय पर करवाई जाती हैं. उक्त अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य ओम शुक्ला तथा विद्यालय के समस्त शिक्षकों का सहयोग रहा.

शांति भंग में तीन लोगों को पुलिस ने भेजा जेल

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। लड़ाई झगड़े को लेकर दो महिलाओं समेत एक युवक को पुलिस ने शांति भंग में न्यायालय में पेश कियो थाना बारा सगवर के अंतर्गत ग्राम अकबरपुर निवासिनी विमला देवी पत्नी संतोष 'रेनू देवी पत्नी पप्पू' ग्राम अहिरौरा निवासी आकाश पुत्र गौरी शंकर को लड़ाई झगड़े को लेकर हुए विवाद में पुलिस ने शांति भंग की धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर न्यायालय भेज दिया।

सेवा सम्मान समारोह में सम्मानित हुए वयोवृद्ध सेवा निवृत शिक्षक

- बेसिक शिक्षा अधिकारी ने शताब्दी छू रहे शिक्षा जगत की जड़ों को किया नमन

अमन लेखनी समाचार

अमौली, फतेहपुर। जनपद के अमौली विकासखंड ब्लॉक मुख्यालय कस्बे में स्थापित वृंदावन गेस्ट हाउस प्रांगण में सेवानिवृत शिक्षकों के सराहनीय प्रयास से वरिष्ठ सेवानिवृत शिक्षकों को सम्मानित करने के लिए अद्भुत समारोह का आयोजन किया गया कार्यक्रम में पहुंचे जनपद के ओजस्वी युवा बेसिक शिक्षा अधिकारी पंकज यादव ने मां सरस्वती की प्रतिमा में माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम को गति प्रदान की कार्यक्रम के शुभारंभ में अमौली विकासखंड के शिक्षा जगत की बागडोर संभालने वाले खंड शिक्षा अधिकारी कुंवर सिंह कमल सेवानिवृत्ति शिक्षक अमौली प्राथमिक शिक्षक संघ के पूर्व अध्यक्ष मूलचंद सैनी श्रीकांत आदि ने मुख्य अतिथि का बैच अलंकरण करते हुए अंग वस्त्र तथा भगवान गजानन की प्रतिमा प्रतीक चिन्ह रूप में भेंट की कार्यक्रम की अध्यक्षता पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व शिक्षक काली शंकर श्रीवास्तव एवं मंच में ओजस्वी संचालन करते हुए शिक्षक उमेश त्रिवेदी ने वयोवृद्ध शिक्षकों में ओज जागृत कर दिया कार्यक्रम में पहुंचे मुख्य अतिथि बेसिक शिक्षा अधिकारी पंकज यादव एवं खंड शिक्षा अधिकारी कुंवर सिंह कमल ने उन सभी वयोवृद्ध शिक्षकों जिन्होंने अपने जीवन काल के 8 दशक समाप्त कर लिया हैं उन्हें बैच अलंकरण माल्यार्पण कर अंग वस्त्र तथा बेत आदि देकर सम्मानित किया अपने जीवन काल की शताब्दी को स्पर्श कर रहे सेवानिवृत शिक्षक यशोदा नंदन दिवाकर प्रसाद दीक्षित राजाराम मिश्रा आदि की आंखों में खुशी की झलक दिखाई पड़ी बुजुर्ग शिक्षकों में अन्य शिक्षक जैसे प्रताप नारायण मिश्रा कुडहादीन सचान आचार्य पं. करुणाशंकर त्रिवेदी जगदीश नारायण अवस्थी ब्रह्म दत्त त्रिपाठी राम रतन वर्मा समेत लगभग 32 वरिष्ठ सेवानिवृत्त शिक्षक सम्मानित हुए वरिष्ठ शिक्षकों के सम्मान में शिक्षा क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय चटिहा के सहायक अध्यापक रामनाथ की अगुवाई में विद्यालय के बच्चों ने बैंड बाजे के साथ तिरंगा लहराते हुए शिक्षा जगत की जड़ों एवं मुख्य अतिथि का भव्य स्वागत किया वहीं मंच पर विराजमान चांदपुर निवासी गायक धर्मेंद्र सिंह ने अपनी ओजस्वी वाणी से गीत संगीत की प्रस्तुतियां देकर समूचे शिक्षा जगत के गुरुजनों को भाव विभोर कर दिया मुख्य अतिथि बेसिक शिक्षा अधिकारी पंकज यादव ने सभी वरिष्ठ गुरुजनों को नमन करते हुए अपने संबोधन में कहा कि हमें सदैव शिक्षा के प्रति जागरूक रहना है जिससे हमारे बच्चे केवल विकासखंड ही नहीं अपितु जनपद तथा प्रदेश में अपना कीर्तिमान स्थापित करें जिसके लिए किसी भी विद्यालय में किसी भी प्रकार की समस्या होगी तो वह तत्काल अवगत कराऐ उसका अविलंब निराकरण किया जाएगा

चिंतन

चीन को दो टूक संदेश यूनान से प्रगाढ़ संबंध

ब्रिक्स बैठक में भाग लेने के लिए दक्षिण अफ्रीका गए पीएम नरेंद्र मोदी ने वहां चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ अनौपचारिक संक्षिप्त मुलाकात में चीन को साफ संदेश दिया कि बिना एलएसी के सम्मान के दोनों पड़ोसी मुल्कों के रिश्ते नहीं सुधर सकते हैं। चीन के साथ 19 दौर की कमांडर स्तर की वार्ता के बाद भी सीमा विवाद सुलझाने में प्रगति नहीं होने के बाद भारत की ओर से चीन को दो टूक संदेश देना जरूरी था। सीमा पर शांति के लिए चीन को भरोसा जगाना ही होगा। द. अफ्रीका से यूनान की यात्रा पर गए पीएम नरेंद्र मोदी ने भारतीय कूटनीति को एक कदम और आगे बढ़ाया है। दरअसल, विश्व में छोटे-छोटे अनेक देश हैं, जिनके पास अलग अलग स्तर की क्षमताएं हैं, भारत ने हाल में ऐसे छोटे देशों के साथ अपनी कूटनीति व ट्रेड को मजबूत किया है। यूरोप के लिए प्रवेश द्वार की तलाश कर रहे भारत के लिए अभी तक ईरान के चाबहार पोर्ट से विकल्प था, पर अब यूनान भी नया विकल्प बन सकता है। 40 साल बाद किसी भारतीय पीएम ने यूनान की यात्रा की है। इससे पहले इंदिरा गांधी बतौर भारतीय प्रधानमंत्री 1983 में यूनान दौरे पर पहुंची थीं। पीएम मोदी की इस यात्रा के दौरान भारत और यूनान शुक्रवार को द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक स्तर पर ले जाने और 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने पर सहमत हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व यूनान के प्रधानमंत्री किरियाकोस मित्सोताकिस ने यूनान-भारत द्विपक्षीय संबंधों को 'रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक ले जाने का फैसला किया। इस दौरान राजनीतिक, सुरक्षा और आर्थिक क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाने के लिए काम करने पर सहमति बनी है। भारत सरकार के आंकड़ों के अनुसार दोनों देशों के बीच 2022-23 में द्विपक्षीय व्यापार लगभग दो अरब अमेरिकी डॉलर थाभारत व यूनान रक्षा, पोत-परिवहन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, साइबर स्पेस, शिक्षा, संस्कृति, पर्यटन और कृषि के क्षेत्र में आपसी संबंधों को और व्यापक बनाएंगे। भारत और यूनान की सभ्यताओं के बीच प्राचीन काल से संबंध रहे हैं, जो हाल के वर्षों में समुद्री परिवहन, रक्षा, व्यापार एवं निवेश जैसे क्षेत्रों में सहयोग और लोगों के बीच आपसी संबंधों के माध्यम से मजबूत हुए हैं। भारत यूनान (ग्रीस) के साथ पीरियस बंदरगाह समझौता करना चाहता है। माना जा रहा है कि यूनान का पीरियस बंदरगाह यूरोप में भारत का प्रवेश द्वार बन सकता है। अभी भारत ईरान के चाबहार को यूरोप के साथ व्यापार के लिए विकसित कर रहा है। जब पीरियस पोर्ट करार मुकम्मल हो जाएगा, तब भारत के पास यूरोप के बाजारों तक सीधे पहुंचने का एक और विकल्प होगा। अभी भारत और यूनान रक्षा सहयोग पर भी तेजी से काम कर रहे हैं। संभावना जताई जा रही है कि सितंबर में भारत में होने वाले एक बड़े युद्धाभ्यास में शामिल होने के लिए यूनान के एफ-16 लड़ाकू विमान भारत का दौरा करेंगे। इससे पहले भारत के सुखोई एसयू-30 एमकेआई विमानों ने यूनान में आयोजित एक युद्धाभ्यास में हिस्सा लिया था। ग्लोबल मंदी से गुजर रही दुनिया में यूनान को भी अपने देश में निवेश चाहिए, भारत वहां इन्फ्रास्ट्रक्चर, पीरियस पोर्ट में निवेश कर सकता है। समुद्र के रास्ते यूनान के साथ अतीत मं ट्रेड होता रहा है। भारत का अपनी अर्थव्यवस्था को ग्लोबल स्वरूप देने के लिए वैश्विक बाजार बनाने की आवश्यकता है, यूनान इसमें मददगार हो सकता है।

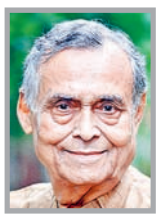

जिरहनामा

कनक तिवारी

कांग्रेस में सॉफ्ट हिन्दुत्व तो नहीं था!

संविधान में धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी का ढांचा कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी और डॉ. अम्बेडकर ने रचा। अम्बेडकर ने धर्म प्रचार और धर्म परिवर्तन की आज़ादी दिए जाने का अधिकार शामिल किया। यह भी कि राज्य का कोई धर्म नहीं होगा। डॉ. अम्बेडकर ने अनोखा प्रस्ताव भी पेश किया। उसके अनुसार बहुसंख्यक मतदाताओं के निर्वाचन क्षेत्र से उसी उम्मीदवार को विजयी घोषित किया जाए जो अपने चुनाव क्षेत्र के अल्पसंख्यक मतदाताओं के मतों का एक निर्धारित प्रतिशत हासिल करे। इस प्रस्ताव को किसी ने समर्थन नहीं दिया। कैसे माना जाए सभी संविधान निर्माताओं में समान दूरदृष्टि रही होगी।

राजनीति की दो सबसे बड़ी पार्टियां भाजपा और कांग्रेस तमाम जनसमस्याओं से जूझने के बावजूद देश पर मजहबी मुलम्मा चढ़ते देखने में मशगूल है। हिन्दू महासभा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और फिर जन्मी राजनीतिक पार्टी जनसंघ और फिर नामकरण में भारतीय जनता पार्टी के संस्थापकों और विचारकों का सौ वर्षों से तयशुदा खुल्लमखुल्ला हिन्दू मजहबी आग्रह आज तक कायम है। वे उसे ज़्यादा संकीर्ण, पैना और पुरअसर भी बनाते हैं। 1885 में जन्मी देश की बुनियादी, प्रतिनिधि और आज़ादी के लिए संघर्षशील पार्टी कांग्रेस शुरुआती वर्षों की ऊहापोह के बाद धीरे धीरे सेक्युलर पार्टी के रूप में मैदाने सियासत में रही आई। उसके कई नेता हिन्दू धार्मिकता के पक्षधर रहे हैं। कांग्रेस का व्यापक राष्ट्रीय दृष्टिकोण रहा। अंतरराष्ट्रीय समझ को स्वीकार करने में कोई गुरेज नहीं रहा। कांग्रेस में परस्पर विरोधी विचार के नेताओं को एक साथ पनाह देने की रवायत रही है। इतिहास का साक्ष्य है गुलामी की जंजीरें तोड़ने हिन्दुस्तान में सामासिक और मजहबी एकता इरादतन लहराई थी। भाषायी विविधता के दुनिया के सबसे बड़े और पुराने मुल्क में राष्ट्रीय आंदोलन विशाल नदी के बरसाती बहाव की तरह आया, जिसमें सब कुछ बहता बहता स्वतंत्रता के समुद्र में समाहित हो गया। कांग्रेस में जवाहर लाल और सुभाष बोस सबसे दिग्गज सेक्युलर जाति और मजहब से उठकर देश के प्राथमिक नेता होते गए। मौलाना आज़ाद, रफी अहमद किदवई, अली बन्धु और खान अब्दुल गफ्फार खान जैसे तमाम नेता मुसलमानियत के नहीं, राष्ट्रीयता के प्रवक्ता थे। मदन मोहन मालवीय तो कांग्रेस और हिन्दू महासभा दोनों पार्टियों के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने। लोकमान्य तिलक, पुरुषोत्तम दास टंडन, सेठ गोविन्द दास, आरवी धुलेकर, गोविन्द वल्लभ पंत जैसे नेता पूरी तौर पर प्रगतिशील सेक्युलर नहीं थे। हालांकि उनकी राष्ट्रीयता की समझ आला दर्जे की रही और उनमें सर्वधर्म समभाव भी रहा। मजहबी जद्दोजहद में फंसता देश कभी धार्मिक पचड़े में पड़ेगा की संभावना सबसे पहले और ज़्यादा गांधी को दिखाई पड़ी। भारत में संसार के सबसे ज़्यादा धर्मों को मानने वाले हैं। हिन्दू बहुल भारत में अल्पसंख्यक समुदाय, अतिथि, शरणार्थी या बाहरी नहीं, भारतीय अस्तित्व का अंश होकर जज़्ब हो गए। इस सामाजिक परिघटना को कट्टर हिन्दूवादी मजहबी प्रतिबद्धता के कारण हजम नहीं कर पाए। नेहरू और साथी यूरोपीय नस्ल के सेक्युलरवाद को भारत में रोप चुके थे। गांधी भारतीयों को धर्म प्रधान समझते उन्हें सर्वधर्म भाव में शिक्षित करते जहां हिन्दू के इतर धर्मों की बराबरी की हैसियत है।

गांधी ने प्रार्थना सभाओं और कांग्रेस ने अपनी बैठकों में सभी धर्मों के भजनों को शामिल किया था। प्रभात फेरी और अन्य आयोजनों में कांग्रेस की हिन्दू मन की बात संस्कृति से सराबोर रही। अदूरदर्शिता के कारण गांधी से विमुख कांग्रेस खांचों में बंटती गई। बुनियादी तौर पर 1857 के अंग्रेज विरोधी जनयुद्ध से ही भारत सर्वधर्म गुलदस्ता सिद्ध हुआ है। हिन्दुओं ने तब मुसलमान से नफरत नहीं की। अब उनसे वैसी गलबहियां करते कांग्रेसी भी नज़र नहीं आते। प्रधानमंत्री नेहरू सुरक्षाकर्मियों को चकमा देकर निजामुद्दीन औलिया की दरगाह के उर्स में बैठकर कव्वालियां सुनते भी ढूंढे गए थे। गांधी का ईश्वर अल्लाह के बिना अधूरा था। विवेकानन्द ने कहा था हम हिन्दू हर धर्म की प्रार्थना में हमराह होकर उनका सब कुछ स्वीकार करते हैं। कांग्रेस अपनी गलतियों के इतिहास को देखने के बदले भाजपा संघ परिवार के कथित हार्ड हिन्दुत्व के मुकाबले सॉफ्ट हिन्दुत्व की अजीबोगरीब तिलिस्मी उलझन ईजाद कर लाई है। हिन्दुत्व शब्द अपनी भाषाई बनावट में ही धार्मिक अलगाव की जिद है। इसके उलट हिन्दू, हिन्दुइज़्म, हिन्दुस्तान जैसे शब्दों में भारत की समावेशी संस्कृति इतिहास की परतों में दर्ज होती है। सॉफ्ट हिन्दुत्व समुद्र के बैक वाटर्स की तरह समुद्र का उतरता हुआ जल तो होता है लेकिन लहरों वाला समुद्र कहां है? सभी राजनीतिक दल कट्टर हिन्दुत्व को ही देश के राजनीतिक शऊर का आधार बनाएंगे तो एकल धर्म ढोता देश लोकतंत्र कैसे कारगर रख पाएगा? भयानक मजहबी दुष्प्रचार के दौर में सॉफ्ट हिन्दुत्व के झमेले के बदले हिन्दू मन की सांस्कृतिक एकता के व्यवहार को दुबारा जीवन्त किया जाए। तो इक्कीसवीं सदी की राजनीति में पुराना रास्ता नया बनकर खुल सकता है।

संविधान में धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी का ढांचा कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी और डॉ. अम्बेडकर ने रचा। अम्बेडकर ने धर्म प्रचार और धर्म परिवर्तन की आज़ादी दिए जाने का अधिकार शामिल किया। यह भी कि राज्य का कोई धर्म नहीं होगा। डॉ. अम्बेडकर ने अनोखा प्रस्ताव भी पेश किया। उसके अनुसार बहुसंख्यक मतदाताओं के निर्वाचन क्षेत्र से उसी उम्मीदवार को विजयी घोषित किया जाए जो अपने चुनाव क्षेत्र के अल्पसंख्यक मतदाताओं के मतों का एक निर्धारित प्रतिशत हासिल करे। इस प्रस्ताव को किसी ने समर्थन नहीं दिया। कैसे माना जाए सभी संविधान निर्माताओं में समान दूरदृष्टि रही होगी। 26 मई 1949 को अल्पसंख्यकों पर रिपोर्ट पर बहस करते एंग्लो इंडियन सदस्य फ्रैंक एंथोनी ने कटाक्ष किया था संविधान सभा के बहुत से सदस्य नियम से तो कांग्रेस के सदस्य हैं लेकिन अपनी भावना से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और हिन्दू महासभा के हैं।

नेहरू सिद्धांततः अल्पसंख्यकों को अनावश्क रियायतें देने के भी पक्ष में नहीं थे। उनका सोचना था कि इस तरह सुरक्षा देने से अल्पसंख्यक मुख्यधारा से अलग हो जाएंगे। ऐसे में उन्हें अपनी स्वायत्तता बचाकर रखने की ज़्यादा फिक्र होगी बनिस्बत अपना सर्वांगीण विकास करने के। राष्ट्रीयतावादी लोग आज भी नेहरू को बख्श नहीं रहे हैं। इंदिरा गांधी ने धर्मनिरपेक्षता को संविधान का घोषित उद्देश्य बनवा दिया। सच तो यह है कि संविधान सभा में उसके तीस साल पहले ही जागरूक सदस्य केटी शाह ने सेक्युलर शब्द को लिखवाने की तीन बार कोशिशें की थीं। डॉ. अम्बेडकर के विरोध के कारण शाह का प्रस्ताव हर बार निरस्त कर दिया जाता। महात्मा गांधी ने साफ साफ कहा था बहुसंख्यक जनसंख्या का पैतृक धर्म दावा नहीं करता कि मनुष्य की मुक्ति के लिए हिन्दू धर्म का रास्ता अकेला है।

भारत को नया लोकतंत्र बनाने सबसे बुनियादी मेहनत नेहरू और अम्बेडकर ने की। उसके कोई 15 साल पहले क्रांतिकारी भगतसिंह ने कहा था देश को गांधी, लाला लाजपत राय और सुभाष बोस के मुकाबले वैज्ञानिक आधारों पर आगे बढ़ना है। तो नौजवानों को नेहरू का साथ देना चाहिए। बेचारे कांग्रेसियों को आज क्या यह सब मालूम होगा? तटस्थ होकर मानना होगा सबसे बड़ी झंडाबरदार पार्टी कांग्रेस में अंतर्विरोध भी रहे हैं। धर्मनिरपेक्षता को लेकर उसकी एक प्रतिनिधि, स्थायी और टिकाऊ व्याख्या आज तक जनमानस को सहजउपलब्ध नहीं हुई। मदन मोहन मालवीय, पुरुषोत्तम दास टंडन, सेठ गोविन्ददास, आरवी धुलेकर जैसे हिन्दी के कट्टर समर्थकों के लिए सेक्युलरिज्म धर्म की कोख से ही पैदा हो सकता था। सावरकर, डॉ. हेडगेवार, गोलवलकर और श्यामाप्रसाद मुखर्जी जैसे हिन्दू महासभाई और आरएसएस के नेताओं को पश्चिमी मूल के सेक्युलरिज्म शब्द से ही चिढ़ रही है। उन्होंने अपने तईं हिन्दू, हिन्दुत्व, हिन्दू धर्म, सनातन धर्म, भारतीयता आदि शब्दों को गड्डमगड् किया। नेहरू की अगुवाई में यूरोपीय नस्ल के सेक्युलरिज्म का खूब प्रचार हुआ।

महिला समानता दिवस

डॉ. रमेश ठाकुर

असमानता की बेड़ियों को तोड़ती आधी आबादी

महिलाओं के लिए समय अब गुजरे मुकाबले बहुत सुगम है। पुरुषों के भांति महिलाओं ने बराबरी, एक जैसे अधिकार व हक-हकूक के लिए लंबा संघर्ष किया, जिसका नतीजा सामने है। महिलाएं अब किसी से कम नहीं, बहुतेरे कार्य क्षेत्र तो ऐसे हैं जहां ज्यादातर महिलाओं की ही बहुतायत दिखती है। आज 'महिला समानता दिवस' है जो अगस्त माह की प्रत्येक 26 तारीख को मनाया जाता है। आज के दिन महिलाओं के अधिकार, बराबरी और समानता जैसे विषयों पर सरकारी और सामाजिक आयोजनों में चर्चा होती हैं। अगर नजर उठाकर देखें, तो कठिनाइयों और चुनौतियों से भरे प्रत्येक विधाओं में महिलाएं अब अपनी अद्भुत कार्यशैली से चमत्कृत बुलंदियां छू रही हैं। चाहे, आर्मी की तीनों सेनाएं हो, या पहलवानी के अखाड़े, हर जगह समूची दुनियां खड़े होकर उनका तालियों की गडगडाहट से स्वागत करती है। भारतीय परिवेश में देखें, तो पहलवानी का अखाड़ा जिस पर सदियों से सिर्फ और सिर्फ पुरुष पहलवानों का कब्जा रहा। वहां, साक्षी मलिक, विनेश फोगाट जैसी महिला पहलवानों ने पुरुष पहलवानों को धूल चटाकर जगत में हाहाकार मचाया हुआ है। भारतीय महिला पहलवान बीते कुछ सालों से नामी गिरामी विदेशी पहलवानों को पटक-पटक कर पानी पिला रही हैं।

सेना की अग्निवीर योजना में भी महिलाएं बराबर भाग ले रही हैं। 'महिला समानता दिवस' के मनाए जाने का जहां तक सवाल है, तो साल-1853 में अमेरिका के भीतर 'वूमेन राइटस' को लेकर लड़ाई का बिगुल बजा जिसमें आधी आबादी को विवाहोपरांत संपत्ति में अधिकार देने की मांग उठी। तब, अमेरिका ही नहीं, बल्कि कई पश्चिमी देशों में महिलाओं को मात्र कुछ ही गिने-चुने अधिकार दिए गए थे और पुरुषों की तुलना में उनके साथ बर्ताव बुरा होता था। उसके बाद साल-1890 में अमेरिकी हुकूमत ने 'नेशनल अमेरिकन वुमेन सफरेज एसोसिएशन' का गठन किया जिसमें महिलाओं को मताधिकार की आबाज बुलंद हुई, जिसका निर्णय साल-1920 में हुआ। तभी से महिलाओं को अमेरिका में वोट देने का अधिकार प्राप्त हुआ। यहीं से इस लड़ाई ने विस्तार लिया और चिंगारी दूसरे मुल्कों में भी देखते-देखते भड़क गई? अन्य मुल्कों में भी वैसा ही असर हुआ, जैसा अमेरिका में हुआ था।

हम अपने हिसाब से अगर बात करें, तो 1947 में भारत आजाद होते ही महिलाओं को बराबर के अधिकार दिए गए, लेकिन सिर्फ कागजों में, धरातल में सब शून्य? 1980 के बाद हिंदुस्तान में महिला अधिकारों को लेकर लंबी लड़ाई छिड़ी, जो कुछ वर्षों में ही परवान चढ़ गई। अब बदलाव इतना है कि 'राष्ट्रीय इंडियन मीलिट्री कॉलेज' यानी आरआईएससी में भी बच्चियों के दाखिले होने लगे हैं। जहां सिर्फ लड़कों के ही दाखिले होते थे। इसके लिए दिसंबर साल-2021 से सुप्रीम कोर्ट ने हरी झंडी दे दी। कुल मिलाकर अब कोई भी ऐसा क्षेत्र नहीं बचा, जहां महिलाओं की चहलकदमी न हो? हालांकि, भारत में कुछ रूढ़िवादी राज्य व पुराने रिवाजों में जकड़े हुए घर-परिवार अब भी ऐसे हैं, जहां महिलाओं के स्थिति चिंताजनक होने के बावजूद भी महिलाएं वहां से निकलकर पुरुषों के मुकाबले कदम ताल कर रही हैं। इस कतार में राज्यस्थान, पश्चिम बंगाल, झारखंड व छत्तीगढ़ जैसे राज्य शामिल हैं। मून पर 'चंद्रयान-3' नाम का जो मिशन फतह हुआ है उसमें भी महिला वैज्ञानिकों की सहभागिता सराहनीय है। एक वक्त था, जब संसार महिलाओं के हुनर और उनकी मेहनत को कमतर आंकता था। उनके कार्यों को हिकारत की नजरों और हीन भावना से देखता था। उसी चक्रव्यूह को तोड़ने को महिलाओं ने समान अधिकारों को हासिल करने को अपने लिए लंबी लड़ाई लड़ी। आधी आबादी असमानता की बेड़ियों को तेजी से तोड़ रही है। बीते दस-पंद्रह वर्षों से यूपीएससी के रिजल्ट में बच्चियों ने ही बाजी मारी। काफी वक्त से आईएएस-पीसीएस परीक्षाओं में वह नंबर-वन पायदान पर काबिज हैं।

क्रियायोगः अधिक विकसित होगी नई पीढ़ी

संकलित

दर्शन

स्वामी चिदानन्द गिरि। सभी मनुष्य वस्तुतः आत्माएं ही हैं। आपके लिए मात्र जन्म के आधार पर ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं है। जिन्हें हम 'नौजवान व्यक्ति' कहते हैं, वे पुरानी आत्माएं हैं और वे प्रत्येक मनुष्य में अंतर्जात कामनाओं-सुख, सुरक्षा, प्रेम इत्यादि कामनाओं को पूर्ण करने के लिए हर प्रकार के प्रयासों और आकांक्षाओं से गुजर चुकी हैं। उन्होंने उस (पूर्ति) को प्राप्त करने के प्रयास में अनेक जन्म व्यतीत किए हैं और अंततः वे यहां आए हैं तथा जिन लोगों ने जन्म लिया है, उनमें से लाखों लोग अपने पूर्वजन्मों से विकास के उस चरण में हैं। श्रीमद्भगवद्गीता में श्रीकृष्ण इस विषय पर प्रकाश डालते हैं। वे अर्जुन से कहते हैं, 'यदि अंतिम लक्ष्य को प्राप्त किए बिना तुम्हारे इस जीवन का अंत हो जाता है तो चिंता मत करो, क्योंकि योग-ध्यान का कोई भी प्रयास व्यर्थ नहीं होता है।' तत्पश्चात उस भक्त का एक ऐसे वातावरण में पुनर्जन्म होता है, जहां वह पुनः अपनी आगे की यात्रा प्रारंभ करता है। इसलिए जिन्हें आप 'नौजवान व्यक्ति' कह रहे हैं, वे ज्ञानीजन हैं। वे संभवतः ऐसे युद्धरत आत्माएं हैं, जो हर प्रकार के अनुभव से गुजर चुके हैं और जिनकी चेतना इस प्रकार की है कि उन्होंने विभिन्न परिस्थितियों में हर तरह के कार्य किए हैं। वे पुनः लौटकर आते हैं और कहते हैं, 'अब मैं अपना और अधिक समय व्यर्थ नहीं गवाऊंगा। मैं अपने और अधिक जन्मों को व्यर्थ नहीं गवाऊंगा।

ऐसे काम न करें, जिनसे समाज में गलत संदेश जाता है

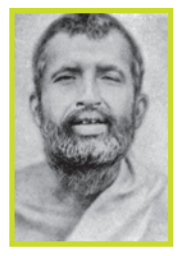

संकलित

प्रेरणा

परमहंस जी अपने शिष्यों को नियमित रूप से उपदेश दिया करते थे। एक दिन जब वे उपदेश दे रहे थे, उस समय एक शिष्य ने उनसे पूछा कि आम लोग तो सभी सुख-सुविधाओं का लाभ उठाते हैं, लेकिन साधु-संतों के लिए इतने कठोर नियम क्यों हैं? परमहंस जी ने शिष्य से कहा कि हमें ऐसे काम करना चाहिए, जिनसे समाज को अच्छा संदेश मिलता है। ये बात साधु-संतों को खासतौर पर ध्यान रखनी चाहिए। आम लोग तो समाज में रहकर अनुशासन के साथ सभी काम कर सकते हैं, लेकिन साधु-संत को हर हाल में गलत कामों से दूर ही रहना चाहिए। साधु-संतों को धन का संग्रह नहीं करना चाहिए, सुख-सुविधा पाने की इच्छा नहीं रखनी चाहिए, संत को क्रोध से भी बचना चाहिए। तभी वे समाज को अच्छा संदेश दे सकते हैं। शिष्य ने फिर पूछा कि साधु-संतों के लिए ही इतने कठिन नियम क्यों हैं? जबकि वे भी इसी समाज का हिस्सा हैं। परमहंस जी ने शिष्य को समझाया कि त्याग का संदेश साधु-संत नहीं देंगे तो और कौन दे सकता है। साधु-संत अपने ज्ञान और कर्म से समाज को श्रेष्ठ जीवन जीने की सीख देते हैं। साधु-संत हमें बताते हैं कि हमें किसी भी चीज का मोह नहीं रखना चाहिए, त्याग की भावना रखेंगे तो कभी दुखी नहीं होना पड़ेगा। परमहंस जी ने साधु-संतों के माध्यम से संदेश दिया है कि अगर हम घर-परिवार और समाज को बेहतर बनाना चाहते हैं तो हमें इसकी शुरुआत खुद से करनी चाहिए।

अंतर्मन

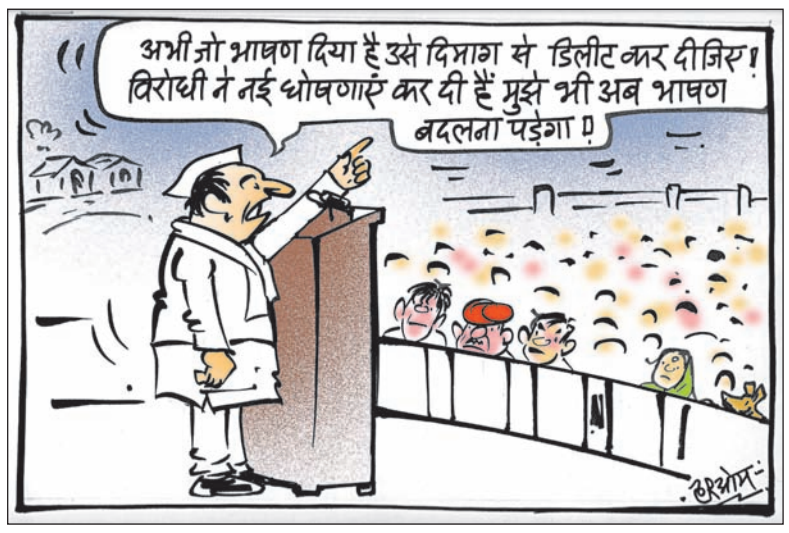

आज की पाती

भारत की इज्जत को चार चांद

चंद्रयान-3 की दक्षिण ध्रुव पर जो लैंडिंग इसरो ने करवाई है, उसे देख सारी दुनिया हैरान है। इसरो के वैज्ञानिकों ने चंद्रयान-3 को चांद में स्थापित कर हमें यह भी समझाया कि हमें असफलता पर कभी भी निराश नहीं होना चाहिए, बल्कि मेहनत और लगन से असफलता को सफलता में बदला जा सकता है। हमारे देश के मिसाइल मैन पूर्व राष्ट्रपति डा. एपीजे अब्दुल कलाम ने एक नाकामयाब अंतरिक्ष मिशन का उदाहरण देते हुए कहा था कि कैसे उनका रॉकेट पागल होकर ऑर्बिटर में जाने की जगह कहीं और पहुंच गया था।

- विवेक देशपांडे, दुर्ग

ट्रेंड

चांद से मिलेंगी जानकारियां

ब्रिक्स चंद्रयान-3 से चांद की जमीन से अनेक नई जानकारियाँ हासिल होंगी जिनका लाभ समस्त विश्व को मिलेगा। भारत, चांद के दुर्गम दक्षिणी ध्रुव पर कदम रखने वाला पहला देश बन गया है।।

-द्रौपदी मुर्मू, राष्ट्रपति

स्थिति निराशाजनक

न्यायपालिका और कार्यपालिका बेहतरी के लिए काम कर रही है, लेकिन विधायिका में स्थिति 'निराशाजनक' है। राजनीतिक क्षेत्र में लोगों को राजनीति करने के सभी अधिकार हैं, लेकिन देश के विकास की बात आती है, तो नेताओं को पार्टी के बंधनों से ऊपर उठना चाहिए।

-जगदीप धनखड़,उपराष्ट्रपति

दिलचस्प बातचीत

दक्षिण अफ्रीका के प्रमुख आनुवंशिकीविद् डॉ. हिमला सूदयाल के साथ बहुत दिलचस्प बातचीत हुई। उन्होंने अपने काम और विज्ञान एवं नवाचार के प्रति अपने जुनून के बारे में बात की। रॉकेट वैज्ञानिक सियाबुलेला शुजा के साथ भी बातचीत हुई।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

अफ्रीका में कृषि

कृषि के लिए अफ्रीका का रुख करन से दुनिया और खाद्य पारिस्थितिकी तंत्र में बदलाव आ सकता है। अफ्रीकी आर्थिक एकीकरण गति पकड़ रहा है और उम्मीद जतायी कि अफ्रीका संघ जल्द ही जी20 का स्थायी सदस्य बन जाएगा।

-सुनील भारती मित्तल, उद्योगपति

करंट अफेयर

अमेरिका में रामास्वामी की लोकप्रियता बढ़ी

अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवारों की पहली प्राथमिक बहस में प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद अरबपति भारतीय-अमेरिकी बायोटेक उद्यमी विवेक रामास्वामी की लोकप्रियता रेटिंग में बढ़ोतरी हुई है। इसके साथ ऑनलाइन तरीके से धन जुटाने की कवायद में इजाफा दिख रहा है। रामास्वामी की चुनाव संबंधी अभियान टीम के अनुसार, 38 वर्षीय राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार ने बुधवार को बहस के बाद 450,000 अमेरिकी डॉलर से अधिक ज़ुटाए हैं जिसमें औसत दान 38 डालर था।

ऑफ बीट

आंत रोग की कुछ स्थितियां पार्किंसंन के लिए जिम्मेदार

कुछ गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्याएं, जैसे निगलने में कठिनाई, कब्ज और आंत विकार (आईबीएस) पार्किंसंन रोग के जोखिम से जुड़ी हो सकती हैं। एक अध्ययन से यह जानकारी सामने आई है। पार्किंसंन एक मस्तिष्क विकार है, जिसके कारण शरीर में कंपकंपी, ऐंठन और संतुलन एवं समन्वय बैठाने में कठिनाई होती है। शोधकर्ताओं ने कहा कि पूर्व में आंत की कुछ समस्याओं को पक्षाघात या मस्तिष्क धमनी विकार या अल्जाइमर रोग जैसी बीमारियों का कारण बनने से जोड़ा गया है। पत्रिका 'गट' में प्रकाशित नवीनतम अध्ययन में अमेरिकी राष्ट्रव्यापी मेडिकल रिकॉर्ड नेटवर्क (ट्राइनेटएक्स) के 24,624 लोगों के आंकड़ों का उपयोग किया गया,

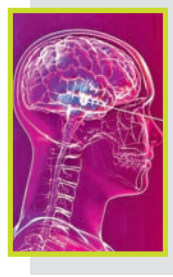

संक्षेप

सूखे भूसे के सहारे गौवंश, जिम्मेदार नहीं दे रहे ध्यान

पयागपुर, बहराइच। किसानों को छुट्टा मवेशियों से छुटकारा दिलाने के लिए सरकार की ओर से लाखो रुपये खर्च कर गौशाला निर्माण कराया गया है। उनके चारे की व्यवस्था पर लाखों रुपये खर्च कर रही है। लेकिन जिनके कंधों पर गौशाला के संचालन की जिम्मेदारी है वे सरकार के मंसूबो पर पानी फेरने में कोई कोर कसर नही छोड़ते। सिर्फ सूखे भूसे के सहारे गौवंशों को उनके हाल पर छोड़ देते है। जनपद बहराइच के विकासखंड विशेश्वरगंज अंतर्गत वन घुसरा में लाखों की लागत से गौशाला का निर्माण कराया गया है। गौशाला में मवेशियों के बैठने के लिए टीनशेड व चारा खाने के लिए चन्नी की व्यवस्था की गई है। लेकिन यहां सिर्फ सूखे भूसे और पानी की व्यवस्था है। चारे के नाम पर सूखे भूसे के सिवा कुछ नही है। वहां पर सेवादार ने बताया कि डॉक्टर काफी दिन हो गया नही आये है। इस संबंध में जब ग्राम विकास अधिकारी सुशील कुमार से बात की गई तो उन्होंने बताया कि हरे चारे की व्यवस्था किया जाएगा और डॉक्टर को फोन किया गया है। उपजिलाधिकारी दिनेश कुमार ने बताया कि जांच कराकर जो दोषी पाया जाएगा उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी।

सुल्तानपुर में सीमेंट की चादर तोड़ते हुए छप्पर में घुसी-ट्रक

सुलतानपुर, सुल्तानपुर में लखनऊ-बलिया नेशनल हाइवे पर दर्दनाक हादसा हुआ। यहां मोतिगरपुर में मिनी ट्रक अनियंत्रित होकर गुमटी, छप्पर व सीमेंट की चादर को तोड़ते हुए छप्पर में घुस गई। दुर्घटना में चालक की मौत हो गई है। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर चालक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मोतिगरपुर चौराहे की घटनालखनऊ-बलिया हाईवे स्थित मोतिगरपुर चौराहे पर शुक्रवार की आधी रात कादीपुर से सुलतानपुर की तरफ जा रही मिनी ट्रक अनियंत्रित होकर निकलाल माली, अनिल यादव की गुमटी व संतोष मोदनवाल की सीमेंट चादर तोड़ते हुए शीतल गुप्ता के छप्पर में घुस गई। जिससे व्यापारियों का बड़ा नुकसान हुआ। हांलाकि रात होने से बड़ी जनहानि बच गई।

सुल्तानपुर में एक रात में तीन घरों में चोरी

सुलतानपुर, सुल्तानपुर में देहात कोतवाली क्षेत्र के दो गांवो के तीन घरों को चोरों ने एक ही रात में निशाना बनाया है। चोर दो घरों में चोरी करने में सफल हुए जबकि तीसरे घर के लोग जाग गये। ऐसे में चोर मौके से भाग निकले। बताया जा रहा है कि करीब बीस लाख रुपए चोरी की घटना अंजाम पाई है।कोतवाली देहात थानाक्षेत्र की घटनजानकारी के अनुसार अभियाकला के कृष्ण कुमार पांडेय, भूपेश मिश्रा और सिप्तापुर के त्रिभुवन सरोज के घर चोरी हुई है। चोर दो घरों में घुसे और हाथ साफ करने में सफल रहे। लेकिन तीसरे घर में चोरी करने से जैसे ही चोर घुसे और ग्रील तोड़ कर घर के अंदर चोरों ने प्रवेश किया तो लोग जाग गये।

प्रधानाध्यापकों की मासिक समीक्षा बैठक संपन्न

समयबद्ध निपुण लक्ष्य हासिल करें शिक्षक: डायट प्राचार्य

अमन लेखनी समाचार

बाबागंज, बहराइच। विकासखंड नवाबगंज अंतर्गत परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत प्रधानाध्यापकों एवं प्रभारी प्रधानाध्यापकों की मासिक समीक्षा बैठक लॉर्ड बुद्धा डिग्री कॉलेज रुपईडीहा के सभागार में आयोजित की गई। खंड शिक्षा अधिकारी राधेश्याम वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित मासिक समीक्षा बैठक के मुख्य अतिथि डायट प्राचार्य उदयराज रहे। बैठक में निपुण भारत मिशन के अंतर्गत निपुण लक्ष्य हासिल करने की कार्य योजना तथा विद्यालयों की शैक्षिक गुणवत्ता एवं सतत विकास हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। डायट प्राचार्य ने कहा कि सभी संकुल शिक्षक तथा एआरपी अपने गोद लिए विद्यालयों को दिसंबर 2023 तक निपुण बनाने के लिए सुनियोजित कार्ययोजना के अनुसार कार्य करें। सभी शिक्षक विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों का निपुण लक्ष्य ऐप के माध्यम से नियमित आकलन कर प्रगति संबंधी अभिलेख विद्यालय में सुरक्षित रखें। निपुण तालिका नियमित भरें। संकुल शिक्षक की मासिक बैठक का एजेंडा एक सप्ताह पूर्व तैयार कर शिक्षक समूह में अनिवार्य रूप से प्रेषित करें। उन्होंने कहा कि सभी संकुल शिक्षक अपने सेवित विद्यालयों में कक्षा 1 से 3 में आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका निर्देशिका आधारित शिक्षण कार्य सुनिश्चित कराएं। शिक्षकों से निपुण लक्ष्य ऐप पर बच्चों का आकलन अनिवार्य रूप से कराएं।कक्षा कक्ष में संदर्शिकाओं, उपलब्ध प्रिंट रिच सामग्रियों, टीएलएम, गणित-विज्ञान किट के उपयोग तथा विद्यालय में सक्रिय पुस्तकालय संचालन हेतु निर्देशित किया।

दीक्षा ऐप पर उपलब्ध प्रशिक्षण वीडियो समयबद्ध देखने हेतु निर्देश दिया। संकुल शिक्षकों को अपने सेवित क्षेत्र के प्रत्येक विद्यालय से कम से कम 10 बच्चों को नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा फॉर्म तथा राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा फॉर्म भराने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि आज के बच्चे कल का भविष्य हैं और इनका भविष्य संवारना हमारा नैतिक दायित्व है। खंड शिक्षा अधिकारी राधेश्याम वर्मा ने बच्चों के जाति, निवास, आधार बनने की प्रगति, विद्यालयों में विद्युतीकरण, जर्जर भवन, शौचालय व हैंडपंप की क्रियाशीलता आदि की समीक्षा की। इस दौरान एआरपी विपिन सिंह, राकेश मौर्या, सुनील कुमार संकुल शिक्षक आनंद भूषण मिश्रा, विनोद गिरि, अविराज सैनी, अरविंद वर्मा, करूणा कृष्ण श्रीवास्तव, जंगली प्रसाद, तीर्थराज, तिरलोकी वर्मा, अजय कुमार, शिक्षक शैलेंद्र कुमार वर्मा, जीतेन्द्र शर्मा, अरविन्द वर्मा, कैलाशनाथ वर्मा आदि मौजूद रहे।

सामाजिक समरसता का महत्वपूर्ण पर्व है रक्षाबंधन: भूपेंद्र

गजाधरपुर मे मनाया गया रक्षाबंधन उत्सव

अमन लेखनी समाचार

फखरपुर, बहराइच। स्वयंसेवक संघ फखरपुर खंड के शक्ति केंद्र गजाधरपुर में रक्षाबंधन उत्सव कुमारी विजय लक्ष्मी इंटर कॉलेज गजाधरपुर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ बहराइच के जिला कार्यवाह भूपेंद्र जी रहे।कार्यक्रम शुभारंभ मुख्य वक्ता द्वारा भारत माता के पूजन एवं परम पवित्र भगवा ध्वज पर रक्षा सूत्र बांधकर हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भूपेंद्र जी ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ वर्ष में छह उत्सव प्रमुख रूप से मनाता है, इसमें रक्षाबंधन महत्वपूर्ण उत्सव है। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन का पर्व भाई बहन के अटूट प्रेम के रूप में मनाया जाता है यह पर्व सामाजिक समरसता का महत्वपूर्ण पर्व है। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन के इस पर्व पर सामाजिक कुरीतियों का समाप्त करने का भी संकल्प लेने का दिन है, रक्षाबंधन का पर्व राष्ट्र रक्षा के संकल्प का भी महत्वपूर्ण दिन है। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन के इस पावन अवसर पर हम सबको प्रकृति रक्षा, राष्ट्र रक्षा एवं समाज में व्याप्त असमानता को समाप्त करने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज भारत के ज्ञान और विज्ञान की जय जयकार पूरे विश्व में हो रही है।

किंतु कुछ राष्ट्र विरोधी गतिविधियां देश तोड़ने का कुचक्र रच रही है, ऐसी घटनाओं से देश को बचाने का संकल्प लेने का भी पर्व है। उन्होंने कहा कि पहले पुरोहित लोगों को रक्षा सूत्र बांधकर देश व समाज की रक्षा का संकल्प दिलवाते थे। कार्यक्रम मे विभाग कार्यवाह अंबिका प्रसाद, जिला प्रचार प्रमुख अतुल गौड़, सह खंड कार्यवाह सौरभ अवस्थी, सुरेश पाल, विजय बहादुर सिंह, देवेन्द्र सिंह, शिवम गौड़, आदर्श गौड़, मन्शाराम पाठक, अखिलेश वर्मा, आरजू शर्मा, कमलेश वर्मा, राहुल गौड़, आदि उपस्थित रहे।

ककरहा गांव में ट्रांसफार्मर जलने से एक हजार की आबादी अंधेरे में

तहसील मिहीपुरवा के ककरहा गाँव का मामला

अमन लेखनी समाचार

मोतीपुर, बहराइच। तहसील मिहीपुरवा मोतीपुर क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत ककरहा गांव में लगा बिजली का ट्रांसफार्मर 4 दिन पूर्व जल गया था। जिसकी सूचना ग्रामीणों ने बिजली विभाग को दी थी। लेकिन लापरवाह बिजली विभाग ने अभी तक ट्रांसफार्मर नहीं बदला है। जिससे एक हजार की आबादी अंधेरे में रहने को मजबूर है। ग्रामीण रवि कुमार जायसवाल, शिवकुमार मिश्र, मुरली राजपूत, बाल गोविंद, नंदकिशोर, संतोष पासवान, शंभू निषाद, सुरेश पाल, छत्रपाल गुप्ता आदि लोगों ने ट्रांसफार्मर बदलने की मांग की है। ग्रामीण रवि कुमार जायसवाल ने बताया कि चार दिन पूर्व ट्रांसफार्मर जल गया था जिसकी शिकायत क्षेत्रीय लाइनमैन

। के साथ ऑनलाइन भी की गई थी। लेकिन बिजली विभाग ने अभी ट्रांसफार्मर नहीं बदला है गर्मी के मौसम में बिजली न आने से लोग परेशान हैं। इस संबंध में एसडीओ मिहींपुरवा शेषमणि त्रिपाठी से बात की गई तो उन्होंने बताया कि इसकी हमको जानकारी नहीं है जानकारी करके बिजली व्यवस्था ठीक करवाते हैं।

पर्वतारोही ने यूरोप की सबसे ऊंची पर्वत माउंट एलब्रुस को फतह करके जिले में आगमन पर कछौना कस्बे में हुआ जोरदार स्वागत

अमन लेखनी समाचार

कछौना, हरदोई। जिला हरदोई के ग्राम सांतानिवासी पर्वतारोही अभिनीत मौर्य छोटी उम्र में यूरोप की सबसे ऊंची पर्वत माउंट एलब्रुस को फतहकर सफलता हासिल कर भारत का राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया। गांव सहित जिले का नाम रोशन किया। इस गौरव के क्षण में जिले में आगमन पर कछौना में जोरदार स्वागत किया गया, इस दौरान फूल माला पहनकर सम्मानित किया, सभी का प्यार स्नेह पाकर पर्वतारोही अभिभूत हुए। इस सफलता का श्रेय परिजनों मित्रों शुभचिंतकों को दिया, सभी के प्यार व स्नेह से मुकाम हासिल किया बताते चले यूरोप महाद्वीप की सबसे बड़ी चोटी एलब्रुस पर्वत पर अभिनीत मौर्य को बेहद मुश्किल से सफलता मिली, एलब्रुस पर्वत एक सुप्त ज्वालामुखी है, जो कांकेसस क्षेत्र की कांकेसस पर्वत श्रृंखला में स्थित है। अभिनीत मौर्य एक गरीब परिवार से हैं, इनके पिता के नाम मुश्किल कच्चे एक बीघा जमीन है बचपन में मां का निधन हो गया था, पिता कृषि कार्य कर परिवार का भरण पोषण करते हैं, बड़ा भाई नागेश्वर मौर्य जन सेवा केंद्र गांव में संचालित करते हैं पिताजी चंद्रपाल किसान है अभिनीत मौर्य की प्राथमिक शिक्षा प्राथमिक विद्यालय शिक्षा प्राथमिक विद्यालय आंटा सांट में हुई, जूनियर की शिक्षा गिरधरपुर में, हाई स्कूल गांधी इंटर कॉलेज बेनीगंज, इंटरमीडिएट राजकीय आश्रम पद्धति कछौना, स्नातक विज्ञान वर्ग से एसएमडी पटेल महाविद्यालय, वर्तमान समय में आईटीआई डॉक्टर भीमराव अंबेडकर संस्थान लखनऊ में चल रही है। अभिनीत मौर्य की माता का नाम राजरानी मौर्य, जिनका 2004 में निधन हो गया था पर्वतारोही अभिनेत्री मौर्य ने अभी तक टेबल टॉप जम्मू कश्मीर जून 2022, दूसरी यात्रा माउंट माचोई कारगिल की सबसे ऊंची चोटी जम्मू कश्मीर सितंबर 2022, तीसरी चढ़ाई केदारकंठा ट्रैक पीक उत्तराखंड नवंबर 2022, चौथी तपोवन ट्रैक उत्तराखंड मई 2023 व पांचवीं चढ़ाई 22 अगस्त 2023 को यूरोप की सबसे ऊंची चोटी माउंट एलब्रुस ऊंचाई 18510 फीट पर देश की आन बान शान तिरंगा फहराया, यात्रा काफी मुश्किल थी रास्ते में तेज बर्फीली हवाएं और हड्डियों को जमा देने वाली ठंड थी विपरीत परिस्थितियों के बावजूद दृढ़ संकल्प से सफलता अर्जित की, चढ़ाई के दौरान तापमान -25 डिग्री तक पहुंच गया था 50 किलो मीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बर्फीली हवाएं चल रही थी, कई बार रास्ता रोका चोटी पर तिरंगा लहराते ही अभिनीत मौर्य का उत्साह दो गुना हो गया नई ऊर्जा का संचार हो गया पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया पर्वत व जीवन के मध्य गहरा रिश्ता है बिना पर्वत के जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है कछौना में किसान एक्सप्रेस से रविवार की सुबह पहुंचे अभिनीत मौर्य को परिवारजनों शुभचिंतकों राजनीतिक व्यापार संगठन शिक्षा मीडिया के साथियों ने जोरदार स्वागत कर अभिनंदन किया उनके इस अभियान के लिए शुभकामनाएं दी ढोल नगाड़े के बीच स्टेशन से कस्बे के मुख्य मार्ग पर भव्य स्वागत किया गया शहर वासियों ने स्वागत किया

नकब लगाकर एक ही रात 2 घरों में हुई चोरी

दो घरों में नकब लगाकर चोरों ने घर मे घुसने का किया प्रयास

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज/फखरपुर, बहराइच। थाना फखरपुर क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत भकला खाले व कुंडासर के मजरा मलामतपुर में एक ही रात में 2 घरों में चोरों ने किया हाथ साफ व 2 घरों में नकब लगाकर घुसने का किया प्रयास। राजेश्वर प्रसाद निवासी मलामतपुर कुंडासर ने बताया कि मेरे घर पर बीती रात को चोरों ने दीवार काटकर घर मे घुसकर छोटा बॉक्स गन्ने के खेत में ले गए जिसमें चांदी का पायल, चांदी का पाजेब, सोने का मंगलसूत्र और 5000 नगद आदि सामान मौजूद था, जिसको चुरा ले गए वही अशोक कुमार राव पुत्र बाबादीन निवासी भकला खाले ने बताया कि छज्जे से चढ़कर छत के द्वारा चोर घर में घुसे और कान का बाला सोने का 2 व नकद 4500 रुपये, 1 एंड्रॉयड मोबाइल फोन चुरा ले गए। वहीं भकला खाले निवासी लालजी वर्मा ने बताया कि मेरे घर पर व बगल में बने भांजे देशराज के घर के पीछे की दीवार में नकब लगाकर चोर घर मे घुसने का प्रयास कर रहे थे, तब तक परिवार के लोग जाग गए। आहट पाकर चोर भाग गए। कुल मिलाकर चोरी की इन वारदातों से क्षेत्र के लोगों मे दहशत है।

बागवानी के लिए लेआउट बनाने के बारे में वैज्ञानिकों ने दी जानकारी

21 दिवसीय माली प्रशिक्षण में सिखाया गया ले आउट बनाना

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कुमारगंज, अयोध्या के अंतर्गत संचालित कृषि विज्ञान केंद्र, बहराइच प्रथम पर चल रहे 21 दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण विषय 'माली प्रशिक्षण' के अवसर पर केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डा. के. एम. सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण के बाद प्रशिक्षुओं की अधिगम क्षमता का मूल्यांकन के आधार पर इन्हें प्रमाणपत्र दिया जाएगा। यह प्रमाण पत्र संबंधित विषय के अंतर्गत रोजगार स्रजन में वित्तीय सहायोग में मददगार होगा। डा. सिंह ने प्रशिक्षुओं को बागवानी लगाने के लिए लेआउट बनाने के बारे में विस्तार से बताया। प्रशिक्षण समन्वयक उद्यान वैज्ञानिक डॉ. पी. के. सिंह ने नेट हाउस व पॉली हाउस के उपयोग, साधनियाँ, उसमे उगाये जाने वाली फसलों की विस्तृत जानकारी दी। पॉली हाउस के अंदर बीज अंकुरण हेतु के बारे मे बताया, खासतौर पर सर्दियों में अंकुरण हेतु प्रयोग में लाते हैं। सुनील कुमार ने बताया कि बागवानी के लिए हमेशा उपयोग होने वाले औजार और मशीने उत्तम क्वालिटी के होने चाहिए। कुमार ने नर्सरी प्रयुक्त होने वाले यंत्रों के बारे मे विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षुओं में ओमप्रकाश, संजीव, महेश, बलवंत, सचिन, मनोज, गुड्डू, राहुल कुमार निधि और जियाउल्हक शामिल रहे।

पुलिस की निगरानी में स्कूल पहुंची मनचलों से डरी छात्राएं

लापरवाही पर अंतू थानाध्यक्ष लाइन हाजिर, चंद्रयान-3 की लैंडिंग देखकर वापस घर जा रही छात्राओं से हुई थी छेड़खानी

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़, प्रतापगढ़ में चंद्रयान-3 की लैंडिंग का सजीव प्रसारण देखकर विद्यालय से बुधवार शाम को छात्राएं घर जा रही थी। उस समय अंतू के पूरे भरत तारडीह गांव के कुछ युवकों व किशोरों ने छेड़छाड़ की। शनिवार सुबह 10 बजे पुलिस टीम गांव पहुंची। तब छात्राएं स्कूल गईं। वहीं थानाध्यक्ष को लाइन हाजिर कर दिया गया है। अंतू के पूरे भरत तारडीह गांव में स्कूल से चंद्रयान -3 की लैंडिंग देखकर वापस आ रही छात्राओं से छेड़खानी के प्रकरण की एएसपी पूर्वी विद्यासागर मिश्र, सीओ सिटी करिश्मा गुप्ता के नेतृत्व में एसओ अंतू समेत पुलिस अधिकारी जांच कर रहे हैं। अज्ञात आरोपितों व उनके परिवार से पूछताछ की जाएगी। जबकि नामजद किए गए तीनों आरोपित समेत अन्य भी अधिकांश अपने घर से भाग गए हैं। पुलिस ने प्राथमिक सूचना को गंभीरता से नहीं लिया। तहरीर मिलने पर भी वह टालमटोल करती रही। डरी छात्राएं और 8 अन्य छात्र स्कूल आने को तैयार नहीं हो रहे हैं। परिजन भी आक्रोशित हैं। लड़कियों के परिवार के लोगों की ओर से गांव के प्रधान कुंवर बहादुर सामने आए। इस मामले में ग्राम प्रधान की तहरीर पर शुक्रवार देर रात आरोपित बंटी के पुत्र, अनीश खान के पुत्र, असलम के पुत्र और 17 अज्ञात लड़कों के नाम छेड़छाड़, धमकी, गाली- गलौज, एससी-एसटी एक्ट का मुकदमा दर्ज किया गया है। अब तक आरोपितों के नाम का पता नहीं चला है। तहरीर में बताया गया है कि आरोपितों ने सरेराह लड़कियों का दुपट्टा खींचा था और धमकी दी थी कि इधर से गुजरना है, तो उनकी बात माननी होगी। जाति सूचक गाली भी दी। वहीं शनिवार को पुलिस की निगरानी में छात्राएं स्कूल पहुंची।

प्रतापगढ़ में सपाइयों ने निकाली साइकिल यात्रा

देश बचाओ देश बनाओ का लगाया नारा, केंद्र व प्रदेश सरकार के गिनाई कमियां

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़, प्रतापगढ़ में समाजवादी पार्टी कार्यालय मीरा भवन से पूर्व एमएलसी एसपी सिंह पटेल ने साइकिल यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अंबेडकर चौराहा पर पहुंचकर बाबा साहेब के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर शहर का भ्रमण कर केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकार के सफलता को उजागर किया। कोषागार चौराहे पर डॉक्टर राम मनोहर लोहिया की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद साइकिल यात्रा कटरा मेदिनीगंज होते हुए रानीगंज विधानसभा में पहुंचे। वहां से उडेयाडीह होते हुए पट्टी विधानसभा में पहुंच कर रुकी। यात्रा की अगुवाई समाजवादी लोहिया वाणी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक यादव हुआ एसपी सिंह पटेल ने की। सपा कार्यकर्ता ने बताया कि पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव के निर्देश पर 9 अगस्त से लगातार साइकिल यात्रा चल रही है, जिसका उद्देश्य है देश बचाओ देश बनाओ। ये लोग रहे मौजूदसाइकिल यात्रा में रानीगंज विधायक डॉक्टर आरके वर्मा, जिला महासचिव अब्दुल कादिर, जिलानी गुलफाम खान, संतोष यादव, आशुतोष पांडे, वासिक खान, इरफान खान, मनीष पाल, मनीष सोनी, महिला सभा की जिलाध्यक्ष शांति सिंह, राजू यादव, साजिद अली सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

श्री कृपाराम जन जागृति विद्यालय के छात्र, छात्रों ने धूम-धाम से मनाया रक्षाबंधन

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। मंगलवार को 59वी वाहिनी एसएसबी नानपारा परिसर में कृपाराम जन जागृति विद्यालय के छात्र/छात्राओं के साथ धूम-धाम से रक्षाबंधन कार्यक्रम का आयोजन कराया गया जिसमे वाहिनी के बलकर्मियों के साथ स्कूल के छात्र/छात्राओं व शिक्षको ने बढ़-चढ़ के भाग लिया। इस कार्यक्रम का आयोजन शक्ति सिंह ठाकुर, कार्यवाहक कमांडेंट 59वी वाहिनी के तत्वाधान में किया गया। कार्यवाहक कमांडेंट 59वी वाहिनी ने रक्षाबंधन के इतिहास के बारे में संक्षिप्त प्रकाश डालते हुए बताया कि ये त्यौहार हर साल सावन महीने के पूर्णिमा को मनाया जाता है इस दिन बहने अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती हैं और मिठाई खिलाती है और उसके सुखी जीवन की प्रार्थना करती है, इसके साथ ही बहन भाई से सुरक्षा का वचन लेती हैं। इस कार्यक्रम के दौरान शेखर बजाज उप-कमांडेंट, हिमाशु दुबे उप कमांडेंट, डा. विकास कुमार सिंह (पशु-चिकित्सा), मनोज कुमार गुप्ता प्रबंधक, शिक्षकगण, अधीनस्थ अधिकारी व अन्य बल कार्मिक समेत काफी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

संक्षेप

पांडेयहाता बाजार के कपड़ा मार्केट में लगी भीषण आग

दमकल की कई गाड़ियां आग बुझाने के लिए मौके पर पहुंची

गोरखपुर। राजघाट थाना क्षेत्र के पांडे हाता बाजार में कपड़ा मार्केट मे करीब 2:00 बजे आसपास अचानक आग लग गई।जिस कारण वहा अफरा तफरी मच गया।वहीं मौके पर दमकल की कई गाड़ियां आग बुझाने के लिए मौजूद है।राजघाट थाना प्रभारी पुलिसबल के संख्या मौके पर मौजूद है।इस आगजनी में लगभग कई लाख की संपत्ति जलकर खाक होने का अनुमान लगाया जा रहा है। वही फायर ब्रिगेड के जवान आग बुझाने में लगे हुए हैं बताते चले कि आज मंगलवार का दिन था ऐसे में आज पांडेयहाता मार्केट बंद रहता है इसलिए आज आसानी से फायर ब्रिगेड की गाड़ी यहां पहुंच पाई है नहीं तो यहां जाम की स्थिति ऐसी होती है।कि यहा पर पैदल आना मुश्किल रहता है।

बुद्ध अंबेडकर सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता 2023 का आयोजन 1 से 30 सितंबर तक

- 6 से 8 और 9 से 12 वर्ग के बच्चों का होगा प्रतियोगिता
- 19 नवंबर 2023 को होगी परीक्षा

गोरखपुर। दी बुद्धिस्ट सोसाइटी ऑफ इंडिया शाखा उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित बुद्ध अंबेडकर सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता 2023 का आयोजन इंजीनियर एस डी भास्कर साहब के मार्गदर्शन में किया जा रहा है । यह प्रतियोगिता दो वर्गों जूनियर वर्ग कक्षा 6 से 8 तक तथा सीनियर वर्ग कक्षा 9 से 12 तक आयोजित की जाएगी। दी बुद्धिस्ट सोसाइटी ऑफ इंडिया शाखा उत्तर प्रदेश के पूर्व तथा पश्चिम दोनों भागों के जिला अध्यक्ष तथा महासचिव इस प्रतियोगिता को अपने-अपने जिले में आयोजित कराएं । आवेदन की प्रारंभ तिथि 1 सितंबर 2023 है तथा अंतिम तिथि 30 सितंबर 2023 है। परीक्षा की तिथि 19 नवंबर 2023 है। सभी जिलाध्यक्ष तथा महासचिव यह भी सुनिश्चित करें कि प्रत्येक जिले से कम से कम 200 छात्र इस परीक्षा में सम्मिलित हो । आवेदन पत्र का प्रारूप तथा अन्य जानकारियां अति शीघ्र ग्रुप मै भेज दी जाएगी। यह जानकारी मुख्य परीक्षा नियंत्रक महावीर प्रसाद बौद्ध ने दी।

बैंक अधिकारी का बेटा भी चंद्रयान मिशन- 3 में रहा शामिल

सुलतानपुर, बैंक ऑफ बड़ौदा सुलतानपुर शाखा के पूर्व सहायक महाप्रबंधक आलोक सिंघल का बेटा तन्मय सिंघल भी चंद्रयान मिशन 3 में शामिल रहा। तन्मय की सफलता से स्थानीय बैंक कर्मियों ने भी खुशी जाहिर की है। पूर्व में बैंक ऑफ बड़ौदा के सहायक महाप्रबंधक के पद पर आलोक सिंघल करीब तीन वर्ष तक तैनात रहे। सिंघल के बेटे तन्मय का चयन करीब आठ साल पहले इसरो में हुआ था। तभी से तन्मय वहीं काम कर रहे हैं। चंद्रयान 3 मिशन में तन्मय फिर से कार्यक्रम से जुड़ गए। चन्द्रयान 3 के सफल प्रक्षेपण के बाद तन्मय के पिता आलोक सिंघल को बधाइयां मिलनी शुरू हो गई।

निशुल्क चिकित्सा आपके द्वार : एस.के.शुक्ल

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर सहजनवां तहसील अंतर्गत गीडा थाना क्षेत्र स्थित के आईजीएल के बिजनेस हेड एस के शुक्ल ने जुड़ियाँन में निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन कराया।इंडिया ग्लाईकॉल्स लिमिटेड के बिजनेस हेड एस के शुक्ल ने निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन इंग्लिश प्राइमरी स्कूल जुड़ियाँन में कराया गया। वरिष्ठ प्रबंधक प्रशासन एवं जनसम्पर्क डॉ सुनील कुमार मिश्रा ने बताया की निःशुल्क चिकित्सा आपके द्वार की थीम लेकर बिजनेस हेड एस के शुक्ल ने गोरखपुर शहर के प्रशिद्ध आई मित्तल केयर हॉस्पिटल एवं सिनर्जी कैंसर इंस्टिट्यूट के सहयोग से जनसेवा हेतु आयोजित किया गया। यह शिविर विशेष रूप से जुड़ियाँन, भप्सा, तेनुहारी, अड़ीलापार, तथा खरैला के ग्रामवासियो हेतु कराया गया। इस शिविर में डॉ मित्तल स्वय अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे तथा शहर की प्रशिद्ध डॉ लिपिका श्रीवास्तव भी अपनी टीम के साथ मौजूद रही। बिजनेस हेड एस के शुक्ल द्वारा सभी ग्रामवासियो को रक्षाबंधन की शुभकामना दिया गया और कहा की आप सभी लोगो को स्वस्थ समर्थ बनाने का पूरा प्रयास कंपनी द्वारा किया जा रहा है। सभासद जुडियानं ने कहा की पूरा गांव सदैव आईजीएल के साथ है और रहेगा आपके द्वारा क्षेत्र के विकास में अतुलनीय योगदान दिया जा रहा है। डॉ मित्तल ने कहा की आँखों के बिना जीवन अर्थहीन बन जाता है इसलिए आप सभी के आँखों को स्वस्थ्य एवं आपके जीवन में खुशहाली देना ही हमारा मकसद है। डॉ लिपिका श्रीवास्तव ने सभी ग्रामवासियो को कहा की समाज के स्वस्थ्य हेतु हम सदैव तत्पर है, और सभी से आह्वान किया की आप चाहे तो आई मित्तल हॉस्पिटल एवं सिनर्जी हॉस्पिटल में भी आकर अपने स्वस्थ्य का चेकअप करा सकते है। इस शिविर में कुल मित्तल आई हॉस्पिटल द्वारा साठ से अधिक मरीजों को देखा गया एवं सिनर्जी हॉस्पिटल को तरफ से सत्तर से अधिक मरीजों का जांच कर उन्हें दवाएं दी गई। कैंप में आए ग्रामीणों का चेकअप किया गया और उनके बीमारियों से सबंधित एक सप्ताह की दवा निःशुल्क प्रदान किया। कम्पनी के डॉ कमलेश सिंह पूरे समय ग्रामीणों की सेवा में उपस्थित रहे। डॉ सुनील कुमार मिश्र ने सभी के प्रति आभार जताया। सहायक प्रबंधक प्रशासन अखिलेश शुक्ल ने शिविर हेतु समस्त तैयारियां कराइ और प्रशासनिक अधिकारी सब्बीर अहमद ने ग्रामीणों को सूचित किया।

शारीरिक शिक्षा विभाग में मनाया गया राष्ट्रीय खेल दिवस

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। राष्ट्रीय खेल दिवस, 29 अगस्त (मेजर ध्यानचंद जी के जन्म दिवस) के अवसर पर शारीरिक शिक्षा विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस अवसर पर विभाग में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ देवेंद्र कुमार, स्वामी देवानंद पीजी कॉलेज मठलार एवं विशिष्ट अतिथि डॉ महेश यादव, महात्मा गांधी पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज गोरखपुर उपस्थित रहे कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा मेजर ध्यानचंद जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पार्चन किया गया, साथ ही विभाग के शिक्षकों और छात्रों ने भी मेजर ध्यानचंद जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किये इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ देवेंद्र कुमार ने मेजर ध्यानचंद जी के जीवन पर प्रकाश डाला और साथ ही उनकी उपलब्धियां और उनके महान व्यक्तित्व के बारे में बताया विशिष्ट अतिथि डॉ महेश यादव ने उनके द्वारा खेल में किए गए योगदान और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत को हॉकी खेल के माध्यम से विशिष्ट पहिचान दिलाने मैं किए गए सराहनीय कार्य के विषय में बताया इस अवसर पर शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रोफेसर विजय चहल द्वारा मेजर ध्यानचंद जी के जीवन पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म प्रदर्शित की गई। राष्ट्रीय खेल दिवस के इस कार्यक्रम में पुनीत कुमार श्रीवास्तव, अनुज कुमार, रूबी मौर्य, सत्य प्रकाश सहित सभी शिक्षक छात्र कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ राज वीर सिंह ने किया।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर विद्यालय में प्रतियोगिता आयोजित

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। सहजनवां तहसील अंतर्गत विकासखंड पिपरौली क्षेत्र स्थित के कंपोजिट विद्यालय बरहुआ में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। साथ ही हाकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर खेल प्रतियोगिता का विधिवित शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में परियोजना समन्वयक बृजेश त्रिपाठी और पिपरौली ब्लॉक के सहायक विकास अधिकारी अरविंद सिंह रहे। विद्यालय में फार्ग, रेस, स्पून, म्यूजिकल रेस आदि खेलों की प्रतियोगिता हुई। कार्यक्रम के अंत में बतौर मुख्य अतिथि अरविंद सिंह ने सफल प्रतिभागियों को मेडल प्रदान किया। उन्होंने मेजर ध्यानचंद की जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अपने अदम्य साहस और स्फूर्ति के बल पर हाकी के क्षेत्र में पूरे विश्व में भारत का परचम लहराया और भारत को ओलंपिक में स्वर्ण पदक दिलाया। उनके जन्म दिवस को ही राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर प्रधानाचार्य मंजुला सिंह, रविकांत दूबे, रविंद्र निषाद समेत सभी शिक्षक एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहें।

रामलला के लिए आईटीएम के छात्रों द्वारा एक ऐसी राखी बनाई है जो रामलला की सुरक्षा करेगा

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। सहजनवां तहसील अंतर्गत गीडा थाना क्षेत्र स्थित के इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट गीडा, गोरखपुर के बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन के छात्र अमित श्रीवास्तव, मुश्कान शेख, अपूर्वा राय ने भाई बहन के प्रेम व रक्षा का प्रतीक रक्षाबंधन के इस पावन त्यौहार पर भगवान श्री रामलला के लिये एक ऐसी राखी बनाई है जो रामलला की सुरक्षा करेगो छात्रों ने बताया इस राखी के दो भाग है पहला कवच राखी जो मंदिर में भगवान श्री राम के पास होगा और राखी का दूसरा पार्ट जो वायरलैस टेक्नोलॉजी से लैस एक ऑब्जेक्ट सेंसर के रुप में है, ये ऑब्जेकट सेंसर मंदिर के प्रतिबंधित क्षेत्रो में लगाया जा सकता है ह्न राखी व ऑब्जेकट सेंसर वायरलैस टेक्नोलॉजी की सहायता से एक दूसरे से जुड़े होते है, जैसे हीं मंदिर परिसर के प्रतिबंधित क्षेत्र में कोई कहीं से भी अंदर आने का प्रयास करेगा तो ऑब्जेक्ट सेंसर के रेंज में आते ही भगवान राम के पास रखें गये कवच राखी में तेज अलार्म बज उठेगा जिससे वहाँ मौजूद मंदिर के पुजारी व सुरक्षा कर्मी समय रहते सतर्क हों जायेंगे और किसी अप्रिय घटना होने से बचाया जा सकेगो कवच राखी को बनाने में लगभग 1500 सौ रुपये का खर्च आया है और इसको बनाने में छात्रों ने अलार्म, वाइब्रेटर मोटर, ऑब्जेक्ट सेंसर, रेशमी धागा, बॉक्स, बटन सेल 3 वोल्ट, रिले 5 वोल्ट, इत्यादि का इस्तेमाल किया है संस्थान के निदेशक डॉ0 एन.के. सिंह ने बताया कि संस्थान मे छात्रों के नए - नए विचारों को हकीकत मे परिवर्तित करने के लिए नवाचार प्रयोगशाला का स्थापना किया गया हैं ह्न छात्रो की द्वारा बनाये जा रहे उपकरण देश एवं समाज के लिए हितकारी साबित होंगे ह्न छात्रों के द्वारा नियमित रूप से किया जा रहा प्रयास अत्यंत सराहनीय हैं। छात्रों के द्वारा बनाये गये इस उपकरण को देख के संस्थान के अध्यक्ष नीरज मातनहेलिया, सचिव श्याम बिहारी अग्रवाल, कोषाध्यक्ष निकुंज मातनहेलिया, संयुक्त सचिव अनुज अग्रवाल आदि लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त किया और छात्रों को बधाई दिये।

कैंसर से जूझ रही आशा बहू की मौत, सभी ने जताया शोक

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। सहजनवां तहसील अंतर्गत विकासखंड पाली क्षेत्र स्थित के नगर पंचायत घघसरा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ठरार्पार की आशा बहू संध्या तिवारी की मंगलवार की भोर में मौत हो गई। वह पिछले दो वर्षों से कैंसर से जूझ रही थी। उनकी अकास्मिक निधन पर स्वास्थ्य आशा बहुओं ने संवेदना व्यक्त की। विकास खंड के ग्राम हड़हा उर्फ सोनवरसा निवासी संध्या को जब अपनी बीमारी का पता चला, तो वह मेडिकल कॉलेज से लेकर पीजीआई एवं केजीएमसी तक दवा कराने गई परंतु कोई फायदा नहीं मिला। पिछले दो वर्षों से वह काफी कमजोर हो गई थी। घर की माली हालत भी काफी खराब होने के कारण मदद के लिए वह स्वास्थ्य विभाग से लेकर स्वयंसेवी संस्थाओं से मदद की गुहार लगाई परंतु कोई आगे नहीं आया और नहीं कोई मदद की । दवा में रही-सही घर की सारी पूंजी लग गयी । इसके बावजूद भी आखिरकार मंगलवार को वह अपनी जिंदगी की जंग हार गई। सुविधा के नाम पर आशा बहू को एक आयुष्मान कार्ड तक नहीं था। मजे की बात यह है कि संवेदना व्यक्त करने कोई भी जिम्मेदार डाक्टर, अधीक्षक नहीं गया। मृतका के दो बच्चे हैं-जिसमे बेटा नाबालिग और बेटी बालिग है।

गणित किट के प्रशिक्षण में प्रशिक्षित हुए शिक्षक

तीन दिवसीय प्रशिक्षण में देवमई के जगदीशपुर प्राथमिक विद्यालय की शिक्षिका ने प्रस्तुत किया प्रतिवेदना

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर जनपद के शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान केंद्र सभागार में तीन दिवसीय गणित किट का प्रशिक्षण प्रारंभ हुआ कल द्वितीय दिवस में कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य नसरुद्दीन अंसारी के साथ गणित के नोडल प्रशिक्षक संजीव सिंह सेवारत प्रशिक्षण प्रभारी विनय कुमार मिश्रा आदि ने प्रशिक्षण में मौजूद जनपद के सभी शिक्षकों को गणित किट की सामग्रियों के बारे में विस्तृत प्रशिक्षण दिया बेसिक शिक्षा अधिकारी पंकज यादव के निर्देशन पर मौजूदा उच्च अधिकारियों ने गणित किट की 11 प्रकार की सामग्रियों के बारे में शिक्षकों को समझाया वही कार्यक्रम में मौजूद देवमई विकासखंड के प्राथमिक विद्यालय जगदीशपुर की सहायक अध्यापिका कल्पना गौतम ने उच्च अधिकारियों के समक्ष मंच से प्रतिवेदन प्रस्तुत किया इस मौके पर संदर्भ दाता विपिन त्रिपाठी राजेंद्र कुमार पटेल अजय कुमार मिश्रा शीरज दीक्षित समेत देवमई विकासखंड के लगभग आधा सैकड़ा शिक्षकों ने प्रतिभाग कियो

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में उत्साह से मनाया गया राष्ट्रीय खेल दिवस

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव श्रृंखला के क्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की विभिन्न इकाइयों की तरफ से हॉकी के जादूगर के नाम से प्रसिद्ध मेजर ध्यानचंद की जयंती पर उत्साहपूर्वक राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन किया गया। महायोगी आदिनाथ इकाई के तत्वावधान में कृषि विज्ञान एवं संबद्ध उद्योग संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में कृषि स्नातक के छात्र अनिकेत मल्ल ने राष्ट्रीय खेल दिवस की प्रासंगिकता पर वक्तव्य दिया। अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दूबे ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि खेल जीवनशैली व व्यक्तित्व को बेहतर बनाता है एवं एक उन्नत राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी उदयनाथ इकाई के तत्वावधान में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित खेल दिवस कार्यक्रम में सहायक आचार्य डॉ. अमित कुमार दुबे ने राष्ट्रीय खेल दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला तथा विद्यार्थियों को खेल में भी अच्छा प्रदर्शन करने को प्रेरित किया। छात्र शिवम पांडेय, शगुन एवं नीरज ने मेजर ध्यानचंद के जीवन परिचय तथा राष्ट्रीय खेल में उनके योगदान पे विस्तार से चर्चा की। गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) में महायोगी मत्स्येन्द्रनाथ इकाई द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया गया। मुख्य वक्ता रोग निदान एवं विकृति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. गोपीकृष्णन ने कहा कि खेल से हमारे जीवन में व्यवहारिक परिवर्तन एवं व्यक्तित्व का निर्माण होता है। इस अवसर पर आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय द्वारा फिट इण्डिया प्रतिज्ञा दिलाई गई। कार्यक्रम में आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, डॉ. नवीन के., डॉ विनम्र शर्मा, डॉ. अनामिका और सभी शिक्षक एव विद्यार्थी उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन बीएएमएस द्वितीय वर्ष के छात्र शुभाकंर एव आभार ज्ञापन डॉ. जशोबन्त डनसना ने किया। खेल दिवस के उपलक्ष्य में वॉलीबॉल प्रतियोगता का आयोजन किया गया। जिसमे राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी आदिनाथ इकाई, महायोगी उदयनाथ इकाई, महायोगी मत्स्येन्द्रनाथ इकाई के स्वंयसेवको ने प्रतिभाग किया। महायोगी मत्स्येन्द्रनाथ इकाई ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। आयोजनों में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विकास कुमार यादव, धनंजय पांडेय एवं समस्त शिक्षकों ने सराहनीय भूमिका निभाई।

सौगात शानदार रोड इंफ्रास्ट्रक्चर की लगातार सौगात दे रही है योगी सरकार

साल अंत तक आवागमन को तैयार मिलेगा गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे

- गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे का अब तक 79 प्रतिशत से अधिक कार्य पूरा
- पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से कनेक्ट होगा लिंक एक्सप्रेसवे

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश में रोड कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने पर लगातार काम कर रही योगी सरकार इस साल के अंत तक गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे पर आवागमन सुविधा शुरू करने की तैयारी में है। अगस्त के तीसरे सप्ताह तक इस एक्सप्रेसवे का तीन चौथाई से अधिक काम पूरा हो चुका है। इस एक्सप्रेसवे के शुरू होने से गोरखपुर क्षेत्र, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के माध्यम से लखनऊ, आगरा एवं दिल्ली तक त्वरित एवं सुगम यातायात कॉरिडोर से जुड़ जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्राथमिकता वाली परियोजनाओं में से एक गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे गोरखपुर बाईपास एनएच- 27 ग्राम जैतपुर के पास से प्रारंभ होकर पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर जनपद आजमगढ़ के सालारपुर में समाप्त होगा। 5876.67 करोड़ की लागत से बन रहा 91 किमी का लिंक एक्सप्रेसवे 91.352 किमी लंबे इस एक्सप्रेसवे की कुल लागत 5876.67 करोड़ रुपये है। इससे जनपद गोरखपुर, अम्बेडकरनगर, संतकबीरनगर, आजमगढ़ सीधे तौर पर लाभान्वित होंगे। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे तीव्र संपर्क तथा बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करेगा। साथ ही साथ संबन्धित क्षेत्र के जनमानस को भी एक दूसरे के और निकट लाने में मदद करेगा। यूपी एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी के ऑफिशियल ट्विटर हैंडल पर 25 अगस्त तक अद्यतन जानकारी के अनुसार के अनुसार गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे का 79 फीसद निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। क्लियरिंग एंड ग्रबिंग का काम 100 फीसद, मिट्टी का 96 फीसद पूरा कराया गया है। एक्सप्रेसवे पर कुल प्रस्तावित 341 संरचनाओं में से 331 बन चुके हैं। अन्य के निर्माण का कार्य तेजी से कराया जा रहा है। दिसम्बर 2023 तक होगा आवागमन योग्य गत दिनों गोरखपुर के कमिश्नर अनिल ढींगरा ने बड़ी परियोजनाओं की समीक्षा बैठक में निर्माण कार्य मे तेजी लाते हुए दिसम्बर 2023 तक एक्सप्रेस वे को आवागमन योग्य बनाने का निर्देश दिया था। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे पर आवागमन शुरू होने के बाद पूर्वांचल के एक बड़े क्षेत्र के लोगों को लखनऊ पहुंचने में बस साढ़े तीन घंटे का समय लगेगा। इसके अलावा दिल्ली से लेकर आगरा तक के शानदार सफर का आनंद लोग ले सकेंगे। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के निर्माण से गोरखपुर क्षेत्र के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। एक्सप्रेसवे के प्रवेश नियंत्रित होने से वाहनों के ईंधन खपत में महत्वपूर्ण बचत, समय की बचत एवं पर्यावरणीय प्रदूषण का नियंत्रण भी संभव हो सकेगा। इस एक्सप्रेसवे से अच्छादित क्षेत्रों के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के साथ ही कृषि, वाणिज्य, पर्यटन तथा उद्योगों की आय को बढ़ावा मिलेगा। एक्सप्रेसवे से अच्छादित क्षेत्रों में स्थित विभिन्न उत्पादन इकाइयों, विकास केंद्रों तथा कृषि उत्पादन क्षेत्रों को राष्ट्रीय राजधानी से जोड़ने हेतु एक इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के रूप में सहायक होगा। एक्सप्रेसवे के दोनों तरफ इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के निर्माण के लिए योगी सरकार ने बजट में 200 करोड़ रुपये का आवंटन भी कर रखा है। इससे औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही रियल एस्टेट मार्केट में भी उछाल आने की उम्मीद की जा रही है। एक्सप्रेसवे के निकट इण्डस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान, मेडिकल संस्थान आदि की स्थापना हेतु भी अवसर सुलभ होंगे। एक्सप्रेसवे खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों, भंडारण गृह मण्डी तथा दुग्ध आधारित उद्योगों की स्थापना हेतु एक उत्प्रेरक के रूप में काम करेगा।

बहन को बचाने में भाई भी नहर में डूबा, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

अमन लेखनी समाचार

बकेवर, फतेहपुर। जनपद के बकेवर थाना क्षेत्र से निकली निचली नहर रामगंगा में थाना क्षेत्र के दुबेपुर गांव निवासी 20 वर्षीय युवती रानी पुत्री रणजीत सिंह कूद गई दूर खड़ा देख रहा दिव्यांग भाई दीपक ने शोर मचाया तथा बहन को बचाने के लिए वह भी नहर में कूद गया यह घटना दोनों बहन भाई की सगी मां ने देखा जो अनवरत शोर मचाती रही काफी देर शोर मचाने के पश्चात नजदीकी चौराहा बैठका में खडी पुलिस प्रशासन की आपातकालीन टीम को सूचना दी गई जहां 112 प्रशासन ने नजदीकी थाना बकेवर को सूचना देते हुए स्वयं मौके पर पहुंचा दोनों भाई-बहन को ढूंढने का प्रयास किया गया परंतु प्रशासन को सफलता नहीं मिली वहीं कुछ समय पस्चात नजदीकी तहसील बिंदकी से फायर ब्रिगेड की टीम भी नहर पहुंची जहां जाल डालकर मछुआरों गोताखोर के साथ ढूंढने का प्रयास किया गया परंतु शाम ढलने तक किसी का पता नहीं चला सूचना मिलने पर पहुंचे थाना अध्यक्ष बकेवर ने स्टीमर को आमंत्रण देकर पीएससी टीम बुलाई परंतु उसके भी अथक प्रयास के बाद असफलता ही हाथ लगी देर शाम होने के पश्चात थाना अध्यक्ष राजेंद्र त्रिपाठी ने मायूस होकर प्रयागराज की एक एनडीआरएफ टीम को आमंत्रण दिया थाना अध्यक्ष ने बताया जल्द ही खोज करने का प्रयास किया जाएगो

खास समाचार

शैल्य जगन्नाथ धाम में भंडारे के पश्चात संपन्न हुआ विशाल जागरण

हर हर बम बम तथा झांकियों से मंत्र मुग्ध भक्तों ने लगाऐ जयकारे

अमन लेखनी समाचार

अमौली, फतेहपुर। भगवान भोलेनाथ के पावन सावन मास के अंतिम पड़ाव में भी श्री गूढेश्वर धाम मल्लिकार्जुन धाम बैजनाथ धाम सैल्य जगन्नाथ धाम समेत भगवान भोलेनाथ के विभिन्न दरबारों में पूजा अर्चना करने के लिए भक्तों की अपार भीड़ देखने को मिली वहीं भक्तों ने मंदिर परिसरों में विशाल भंडारे आयोजित कर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया इस दौरान मुख्यालय कस्बे में स्थित सैल्य जगन्नाथ धाम में पूजा अर्चना एवं विशाल भंडारे के समाप्ति के पश्चात कस्बे के प्रमुख व्यवसायी अनिल ओमर दिनेश चंद्र ओमर रमेश चंद्र ओमर के द्वारा विशाल जागरण का आयोजन किया गया जिसमें देश के प्रख्यात कलाकारों ने भगवान भोलेनाथ भगवान श्री कृष्णा बजरंगबली माता शक्ति समेत विभिन्न देवी देवताओं की मनोहर झांकियां प्रस्तुत करते हुए उपस्थित जन समुदाय का मनमोह लिया इस दौरान हजारों की संख्या में मौजूद भक्तों ने रात्रि भर खूब जयकारे लगाए इस मौके परप्रमिला ओमर माला ओमर सुदामा अपूर्वा शीला संजोली आकांक्षा नैनी उमा अंजू प्राची श्रेया दिनेश चंद्र पप्पू ओमर अनिल ओमर हनी शिवम विष्णु शिखर शुभम शिवदत्त शुक्ला कुलदीप तिवारी अनन्तराम रामदास शीतल प्रसाद किशन दुबे समेत सैकड़ों की संख्या में महिलाओं एवं भक्तों ने पूजा अर्चना कर प्रसाद ग्रहण कियो सभी ऐतिहासिक स्थलों में स्थानीय थाना चांदपुर प्रभारी अखिलेश कुमार चौकी प्रभारी अमौली संदीप कुमार तिवारी का पुलिस बल सुरक्षा व्यवस्था प्रदान करता रहा

अन्ना गोवंश के मामले में तीन पर दर्ज हुआ मुकदमा

अमन लेखनी समाचार

बकेवर, फतेहपुर। जनपद के बकेवर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत जलाला निवासी सतीश पुत्र बाबूराम पाल ने बकेवर थाना पहुंचकर लिखित तहरीर देते हुए बताया कि गांव के मुस्लिम समुदाय के युवा के अफसर तथा सरवर पुत्रगण सनवर खान तथा ग्रामीण वारिश पुत्र अफसर खान अन्ना गौवंश को लेकर अनवरत गाली गलौज कर रहे हैं आवारा घूम रहे गोवंश को जबरन बाधने के लिए विवश करने का प्रयास उक्त लोगों ने किया इसी मामले को लेकर पीड़ित ने बताया कि विगत दिवस शुक्रवार को रात्रि समय उपरोक्त व्यक्ति अपने कुछ अज्ञात साथियों के साथ पीड़ित के घर की छत में चढ़कर गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी थाना अध्यक्ष राजेंद्र त्रिपाठी ने पीड़ित सतीश कुमार की तहरीर पर उपरोक्त तीन व्यक्तियों पर मुकदमा पंजीकृत किया वहीं थाना अध्यक्ष ने बताया की जांच चल रही है जांच के उपरांत कार्रवाई की जाएगी

मानसिक रूप से बीमार वृद्ध ने अपने ऊपर मिट्टी का तेल डालकर लगाई आग, मौत

अमन लेखनी समाचार

शुक्लागंज, उन्नाव। कंचन नगर निवासी रामआसरे चौरसिया 73 वर्ष ने रात करीब एक बजे कमरे में रखा मिट्टी तेल डालकर खुद को आग लगा ली। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। कुछ देर बाद उसका बेटा कमरे में पहुंचा। जहां पिता का जलता शव देख उसके होश उड़ गये और वह रोने लगा। रोने की आवाज सुन आस पास के लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। घटना की जानकारी गंगाघाट कोतवाली पुलिस को दी गई। जिस पर कोतवाली प्रभारी चंद्रकांत सिंह पुलिस कर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे। जहां पुलिस ने परिजनों से पूछताछ की। जिसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिये भेजा है। मृतक के तीन बेटे शिवकुमार, सुधीर, दिनेश, पत्नी रन्नों के अलावा परिवार के अन्य सदस्यों का रो रो कर बुरा हाल हो गया। बेटों ने बताया कि पिता काफी दिनों से मानसिक बीमार थे। उनका इलाज भी चल रहा था। उसी के चलते उन्होंने यह कदम उठाया है।

अवैध स्मैक के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

जगदीशपुर, अमेठी। अपराध की रोकथाम हेतु पुलिस द्वारा चलाई जा रही मुहिम के तहत पुलिस ने एक अभियुक्त को अवैध स्मैक के साथ धर दबोचा जिसे आवश्यक कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया। थानाक्षेत्र के अंतर्गत पुलिस द्वारा अपराध की रोकथाम व अपराधियों के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम के तहत पुलिस ने खैरातपुर गांव के निकट मुखबिर की सूचना पर एक अभियुक्त को धर दबोचा। पूछताछ में अभियुक्त ने अपना नाम अंसार निवासी पूरे गौहर बताया जिसकी तलाशी से पुलिस ने बारह ग्राम अवैध स्मैक बरामद करने का दावा किया तथा बरामद स्मैक की कीमत लगभग एक लाख तीस हजार बताया। इस सम्बन्ध में प्रभारी निरीक्षक जगदीशपुर राकेश सिंह ने बताया कि अभियुक्त के खिलाफ थाना हाजा पर आधा दर्जन मुकदमें दर्ज हैं जिसे एनडीपीएस एक्ट के तहत जेल भेज दिया गया है ।

सेवानिवृत्ति प्रधानाध्यापक का निधन

अमेठी। ब्लाक संसाधन केंद्र भादर के समन्वयक रहे अवकाश प्राप्त प्रधानाध्यापक गया प्रसाद कनौजिया (64) का बीती रात निधन हो गया। उनके निधन से बेसिक शिक्षा जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। दिवंगत शिक्षक की अंत्येष्टि मंगलवार को पैतृक गांव भादर की बाग में की गई। अंतिम संस्कार के पूर्व सैकड़ों की संख्या में शिक्षकों और पंचायत प्रतिनिधियों ने उनके शरीर पर पुष्प चढ़ाए और दिवंगत आत्मा की शांति को ईश्वर से प्रार्थना की।

हाकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती आयोजित

अमन लेखनी समाचार

अमेठी। राष्ट्रीय खेल दिवस पर ग्रामीण मिनी स्टेडियम घोरहा में हाकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती उत्साह से मनाई गई। जिला युवा कल्याण अधिकारी काशी नाथ ने मेजर ध्यानचंद के चित्र पर माल्यार्पण किया। खिलाड़ियों के साथ मेजर ध्यानचंद का जन्म दिन मनाया। वालीबाल और एथेलेटिक्स प्रतियोगिता का उद्घाटन और समापन किया। खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए। खेल दिवस के आयोजन में युवा कल्याण विभाग के कर्मियों, खिलाड़ियों के साथ कम्पोजिट विद्यालय भादर-1 के स्टूडेंट्स भी शामिल हुए।जिला युवा कल्याण अधिकारी काशी नाथ ने कहा कि मेजर ध्यानचंद का जीवन हर खिलाड़ी के लिए प्रेरणा स्रोत है,जब तक वे भारतीय हॉकी टीम के कप्तान रहे,हाकी में भारत विश्व विजेता रहा। वालीबाल प्रतियोगिता में भादर की टीम विजेता और घोरहा की टीम उपविजेता रही। एथेलेटिक्स प्रतियोगिता में बच्चों ने सुंदर प्रदर्शन किया। रेफरी की भूमिका विनोद कुमार सिंह, विजय प्रताप, अवनीश वर्मा और दिनेश यादव ने निभाई।कार्यक्रम में पूर्व मा शि संघ के जिला उपाध्यक्ष संजीव कुमार, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ कार्यकर्ता हरिमूर्ति सिंह,शिवरतन, सूर्य प्रकाश पाण्डेय, विनोद कश्यप, लालती देवी, संध्या गुप्ता, शिवकरन, आशा देवी आदि मौजूद रहे।

प्रतियोगिता परिणाम -एक नजर

पचास मीटर दौड़ -प्राथमिक

उजाला-प्रथम, रागिनी -द्वितीय, आराध्या--तृतीय

रिशू-प्रथम, अनादि-द्वितीय, हर्ष यादव -तृतीय

100मी दौड-अनन्या,प्रथम,पलक-द्वितीय, मुस्कान -तृतीय

अंश-प्रथम, बृजेन्द्र द्वितीय, जिगर -तृतीय

जूनियर संवर्ग 100मी दौड़ बालिका -सेजल प्रथम, बेबी द्वितीय,गुलब्सा-तृतीय

लम्बी कूद -शमशाद-प्रथम,अमन-, द्वितीय

कुश्ती -आजाद

जिला प्रशासन की निगरानी में हुआ था खेलो ब्रज 2023

अमन लेखनी समाचार

मथुरा । खेल निदेशालय उ0प्र0 लखनऊ एवं जिला प्रशासन मथुरा के द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस हाकी के जादूगर स्व0 मेजर ध्यानचन्दजी के जन्म दिवस 29 अगस्त खेल दिवस के उपलक्ष में 21 अगस्त से 29 अगस्त तक खेल सप्ताह का आयोजन किया गया है, जिसे खेलों ब्रज 2023 का नाम दिया गया है। जिसके अंतर्गत प्रातः 10.00 बजे जिला खेल कार्यालय स्व0 मोहन पहलवान स्पोर्ट्स स्टेडियम गणेशरा मथुरा में प्रतियोगिता के आठवें दिन जूनियर वर्ग जनपदीय टेनिस बाल क्रिकेट बालक, कबडडी बालक ,बालिका, कुश्ती बालक फेंसिग , बेसिक शिक्षा से प्राथमिक एवं जूनियर समस्त ब्लांक के बालक,बालिका खण्ड विकास स्तरीय खेल प्रतियोगिता के आयोजन समाप्ति पर मुख्य अतिथि जिलाधिकारी पुलकित खरे एवं विशिष्ट मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना के कर कमलों द्वारा स्व0 मेजर ध्यान चन्द्र जी के चित्र पर माल्यार्पण किया उक्त अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, क्रीडा अधिकारी, प्रेस मीडिया, सूचना अधिकारी, समस्त खेलों के खेल प्रशिक्षक ,खेल विभाग के कार्मिक आदि उपस्थित रहे।आज दिनांक 29 अगस्त 2023 को जिला स्तरीय ध्यान चन्द्र हाकी बालक खेल प्रतियोगिता का आयोजन श्री शैलेष मिश्रा सचिव जिला हाकी संघ की उपस्थित में शुभारम्भ किया गया। जिला स्तरीय हाकी बालक प्रतियोगिता में जनपद की 7 टीमों ने प्रतिभाग किया। जिसमें श्रीजी बाबा सरस्वती विद्या मन्दिर गोवर्धन रोड विजेता एवं श्री राधा कृष्ण इण्टर कालेज उस्फार मथुरा उपविजेता रही। आज खेले गये कबडडी बालिका जिला स्तर जूनियर वर्ग में फाइनल में विकास खण्ड नन्दगांव एवं विकास खण्ड छाता के मध्य मुकाबला हुआ जिसमें विकास खण्ड नन्दगॉव 21 अंक से विजयी रही। जनपदीय टेनिस बाल क्रिकेट बालक खेल प्रतियोगिता में विकास खण्ड राया बनाम विकास खण्ड बल्देव के मध्य खेला गया, जिसमें विकास खण्ड राया विजेता तथा बल्देव उपविजेता रही। बेसिक शिक्षा विभाग के खेलों में बैडमिन्टन, कबडडी, खो खो, चैस एवं कैरम की प्रतियोगिता में विजेता एवं उपविजेता खिलाडियों को पुरस्कार प्रदान किया गया तथा सभी को सम्मानित किया गया। जनपद के समस्त क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारियों द्वारा ब्लाक स्तर पर आयोजित करायी गयी उक्त खेलों के चयनित विजेता खिलाडियों को पुरस्कृत किया गया। जिलाधिकारी ने सभी को भविष्य हेतु शुभकामनाएं दी।

उमेश कुमार सिंह लेखपाल संघ शाखा कैसरगंज के अध्यक्ष निर्वाचित

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ शाखा जनपद बहराइच के तत्वाधान में मंगलवार को तहसील सभागार कैसरगंज में तहसील कैसरगंज लेखपाल संघ का चुनाव संपन्न हुआ। इस चुनाव मे अध्यक्ष पद के लिए उमेश कुमार सिंह निर्वाचित घोषित हुए। उन्होंने अपने प्रतिद्वंदी शाहनवाज आलम को 6 मतो से हराया। उमेश कुमार सिंह को 20 वोट मिले और शाहनवाज आलम को 14 वोट मिले। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर सरवर अली, कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर विमल कुमार साहू,मंत्री चंद्रकेश मौर्य, उप मंत्री सत्यपाल कोषाध्यक्ष महावीर राय, सम्प्रेक्षक सूरज कुमार विश्वास निर्विरोध चुने गए। चुनाव अधिकारी रोहित शुक्ला तहसील मंत्री लेखपाल संघ तहसील पयागपुर एवं धर्मवीर सिंह तहसील अध्यक्ष पयागपुर के दिशा निर्देशन में चुनाव प्रक्रिया संपन्न हुई। जिसमें अध्यक्ष पद को छोड़कर सभी पदाधिकारी निर्वाचित घोषित किये गये।

21 दिवसीय माली प्रशिक्षण में सिखाया ले आउट बनाना

अमन लेखनी समाचार

बहराइच।आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कुमारगंज, अयोध्या के अंतर्गत संचालित कृषि विज्ञान केंद्र, बहराइच प्रथम पर चल रहे 21 दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण विषय 'माली प्रशिक्षण' के अवसर पर केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डा. के. एम. सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण के बाद प्रशिक्षुओं की अधिगम क्षमता का मूल्यांकन के आधार पर इन्हें प्रमाणपत्र दिया जाएगा। यह प्रमाण पत्र संबंधित विषय के अंतर्गत रोजगार स्रजन में वित्तीय सहायोग में मददगार होगा। डा. सिंह ने प्रशिक्षुओं को बागवानी लगाने के लिए लेआउट बनाने के बारे में विस्तार से बताया। प्रशिक्षण समन्वयक उद्यान वैज्ञानिक डॉ. पी. के. सिंह ने नेट हाउस व पॉली हाउस के उपयोग, साधनियाँ, उसमे उगाये जाने वाली फसलों की विस्तृत जानकारी दी। पॉली हाउस के अंदर बीज अंकुरण हेतु के बारे मे बताया, खासतौर पर सर्दियों में अंकुरण हेतु प्रयोग में लाते हैं। सुनील कुमार ने बताया कि बागवानी के लिए हमेशा उपयोग होने वाले औजार और मशीने उत्तम क्वालिटी के होने चाहिए। कुमार ने नर्सरी प्रयुक्त होने वाले यंत्रों के बारे मे विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षुओं में ओमप्रकाश, संजीव, महेश, बलवंत, सचिन, मनोज, गुड्डू, राहुल कुमार निधि और जियाउल्हक शामिल रहे।

श्रीकृष्ण बलराम मन्दिर में धूमधाम से संपन्न हुआ श्रीपाद रूप गोस्वामी का तिरोभाव महोत्सव

अमन लेखनी समाचार

वृन्दावन।सेवाकुंज गली स्थित श्रीकृष्ण बलराम मन्दिर में श्रावण मास के अवसर पर चल रहे झूलन महोत्सव के अंतर्गत गौडीय सम्प्रदाय की बहुमूल्य विभूति रूप गोस्वामी महाराज का तिरोभाव महोत्सव अत्यंत श्रद्धा एवं धूमधाम के साथ सम्पन्न हुआ।सर्वप्रथम श्रीपाद रूप गोस्वामी महाराज के चित्रपट का वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य पूजन-अर्चन किया गया।तत्पश्चात संत-विद्वत सम्मेलन का आयोजन हुआ।जिसकी अध्यक्षता करते हुए चतुःसम्प्रदाय के श्रीमहंत फूलडोल बिहारीदास महाराज ने कहा कि श्रीपाद रूप गोस्वामी महाराज गौडीय सम्प्रदाय के षट गोस्वामियों में सर्वप्रमुख थे।कलयुग पावनावतार चैतन्य महाप्रभु से प्रेरित होकर उन्होंने अपना मंत्री पद का त्याग कर अपना समूचा जीवन ब्रज में रह कर श्रीकृष्ण भक्ति में समर्पित कर दिया। श्रीकृष्ण बलराम मन्दिर के सेवायत भक्ति वेदांत स्वामी मधुसूदन महाराज ने कहा कि श्रीपाद रूप गोस्वामी महाराज गौडीय सम्प्रदाय के संवर्धक व उन्नायक थे।उन्होंने ब्रजभूमि में साधमरत रहकर 17 ग्रंथों की रचना की।जिनमें उज्वल नीलमणि,भक्ति रसामृत सिंधु,विदग्ध माधव नाटक, ललित माधव नाटक, हंसदूत व उद्धव संदेश आदि प्रमुख हैं। वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. गोपाल चतुर्वेदी व पंडित बिहारी लाल वशिष्ठ ने कहा कि श्रीपाद रूप गोस्वामी ने असंख्य व्यक्तियों का कल्याण कर उन्हें ब्रज की विशुद्ध प्रेमा भक्ति व रागानुगा भक्ति की ओर प्रेरित कर सन्मार्ग पर चलना सिखाया। तिरोभाव महोत्सव में भक्ति वेदांत गोपानंद वन महाराज, भक्ति वेदांत दामोदर महाराज, भक्ति वेदांत साधु महाराज ध्रुव कुमार गोस्वामी, तमाल कृष्ण दास, युवा साहित्यकार डॉ. राधाकांत शर्मा, आचार्य ईश्वर चंद्र रावत, बालशुक पुंडरीक कृष्ण महाराज आदि के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के तमाम गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।संचालन व धन्यवाद ज्ञापन भक्ति वेदांत मधुसूदन महाराज ने किया।

कैंसर मरीजों को बांधा जाएगा रक्षा सूत्र

लखनऊ। रक्षाबंधन के अवसर पर श्रीमती रवि कैंसर सेवा संस्थान, कैंसर मरीजों को रक्षा सूत्र बांधकर उनके जल्द स्वस्थ होने व इलाज में हर संभव मदद का संकल्प करेगा। कैंसर सेवा संस्थान के संयोजक अमित कुमार चावला ने बताया कि कैंसर मरीज अपनी पीड़ा के चलते किसी भी पर्व की खुशियां नहीं मना पाते. उनके परिजन भी निराशा में रहते हैं इसलिए श्रीमती रवि कैंसर सेवा सहायता केंद्र, त्योहार की खुशियां मरीजों के साथ साझा करेगा। इसके अंतर्गत कुछ मरीजों को उनकी बीमारी की गंभीरता के आधार पर चयनित कर उन्हें रक्षाबंधन के अवसर पर रक्षा सूत्र बांधकर व चंदन का टीका लगाकर उनके दीर्घायु होने की प्रार्थना की जाएगी तथा संस्था द्वारा उनके इलाज में आर्थिक ही नहीं बल्कि उनके मानसिक मनोबल बढ़ाने का भी पूरा प्रयास किया जाएगा. संयोजक अमित कुमार चावला ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि खुशियां बांटने से बढ़ती है इसलिए रक्षाबंधन के अवसर पर कैंसर मरीजों के दीर्घायु व स्वस्थ होने की कामना करें व सेवा कार्यो में बढ़-चढ़कर भाग ले.

स्कूली छात्राओं ने सीमा पर तैनात एसएसबी जवानों के कलाई में बांधी राखी

नानपारा, बहराइच। 42वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल के प्रांगण में कार्यवाहक कमान्डेंट अनिल कुमार यादव के साथ उपस्थित सभी कार्मिकों के द्वारा रक्षाबंधन उत्सव बड़े हर्ष व उल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान कृपा राम जन जागृति हाई स्कूल अगैईया के छात्राओं के द्वारा फौजी भाईयो को बड़े प्यार से माथे पर तिलक लगाया और आरती उतारी मुंह मीठा कराया एवं फिर रंग बिरंगी रखिया कलाईयों पर बांधी गई । बदले में जवानों के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा तथा बहनों की सुरक्षा की भरोसा दिया , 42वीं वाहिनी, कार्यवाहक कमान्डेंट के द्वारा सभी बहनों को धन्यवाद वयक्त करते हुए बताया गया की यह आयोजन विश्वास दिलाता है कि हम अपने घरों से दूर जरूर हैं। लेकिन देश का हर व्यक्ति उनके साथ है, इस दौरान वाहिनी के सभी जवान अधीनस्थ अधिकारी,एवं अधिकारी गण तथा कृपा राम जन जागृति हाई स्कूल, के प्रधानाचार्य मनोज कुमार गुप्ता उपस्थित रहे ।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर मेधावी छात्रों का सम्मान

अमन लेखनी समाचार

मथुरा। आज कृष्ण चंद्र गांधी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज माधव कुंज मथुरा में मेजर ध्यानचंद जयन्ती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय खेल दिवस पर प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें हाईस्कूल व इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा 2023 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों एवं उनके अभिभावकों का सम्मान किया गया,तथा शिक्षा क्षेत्र में शिशु शिक्षा समिति के संभाग निरीक्षक हरवीर सिंह चाहर एवं शिशु मंदिरों के प्रधानाचार्यों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का उसका शुभारम्भ बीएसए महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ वीरेंद्र मिश्रा, पार्षद राजेश भाटिया एवं विद्यालय के अध्यक्ष डा के के अग्रवाल , प्रबंधक कीर्तिमोहन सर्राफ, प्रधानाचार्य हुकमचंद चौधरी द्वारा माँ सरस्वती, भारत माता तथा ॐ के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं पुष्प अर्चन कर किया गया। मुख्य वक्ता डा॰ वीरेंद्र मिश्रा के द्वारा छात्रों को प्रेरक प्रसंग के माध्यम से प्रोत्साहित करने का कार्य किया। पार्षद राकेश भाटिया जी ने सभी छात्रों के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाऐ दी। विद्यालय की प्रबंधक कीर्तिमोहन सर्राफ द्वारा गीत के माध्यम से विद्यालय में आये सभी अतिथियों व आगन्तुक का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान मुख्य रूप से विद्यालय की पूर्व प्रबंधक प्रदीप अग्रवाल, कोषाध्यक्ष समीर बंसल, प्रधानाचार्य हुकुमचंद चौधरी, राजीव पाठक ,विनय कुमार ,उमेश शर्मा, नरेंद्र कुमार , लोकेश अग्रवाल, सोम कुमार, महेश शर्मा, सीताराम ,सुरेश, जगबीर, विजय, रविंद्र ,मुनेश, निधिश, लोकेश, दिव्या, बलराम, हितेश आदि उपस्थित रहे।

रोजगार मेले में 152 अभ्यर्थियों का हुआ चयन

अमन लेखनी समाचार

अमेठी। सहायक जिला सेवायोजन अधिकारी अनुपमा रानी ने बताया कि आज राजकीय आईटीआई तिलोई में विधानसभा स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया। उक्त रोजगार मेले निजी क्षेत्र की 04 प्लेसमेंट कम्पनियों एल&टी गुजरात, सूर्या बल्ब लखनऊ, नेक्सस लखनऊ एवं पुखराज हेल्थ केयर प्राइवेट लिमिटेड ने प्रतिभाग किया, जिसमें 267 अभ्यर्थियों ने अपनी योग्यता के अनुसार कंपनियों में साक्षात्कार दिया जिसमें से विभिन्न कंपनियों द्वारा 152 अभ्यर्थियों का चयन कर उन्हें रोजगार प्रदान किया गया। कार्यक्रम में संजय प्रकाश श्रीवास्तव, सुरेंद्र पांडे, सुनील विश्वकर्मा, जैनेंद्र कुमार, शिव कुमार सहित अभ्यर्थी मौजूद रहे।

अरुणोदय पब्लिक स्कूल मसूदपुर के बच्चों ने देवा में वितरित किए हेलमेट

अमन लेखनी समाचार

बाराबंकी।जहां एक तरफ सरकार द्वारा सड़क सुरक्षा को सुधारने के लिए यातायात पुलिस एवं थाना स्तरीय पुलिस को जिम्मेदारी सौंपी गई है जिसका निर्वहन करते हुए संबंधित अधिकारियों द्वारा विद्यालयों व गांवों में चौपाल के माध्यम से लोगों को सड़क सुरक्षा नियमों के बारे में जागरूक किया जा रहा है।परंतु मंगलवार को देवा कोतवाली के मामापुर नहर पुल पर यातायात जागरूकता दृश्य कुछ अलग दिखा।जहांगीराबाद थाना क्षेत्र के अरुणोदय पब्लिक स्कूल मसूदपुर पलिया के नन्हे मुन्ने बच्चे अपने स्तर से चंदा लगाकर हेलमेट वितरण करने के साथ बिना हेलमेट लगाए मोटरसाइकिल चालकों को टॉफी खिलाकर सड़क सुरक्षा के बारे में जागरूक कर रहे थे।सड़क सुरक्षा संबंधी तमाम स्लोगन लिखी तख्तियां लोगों का मन मोह रहीं थीं। देवा कोतवाली के अपर प्रभारी निरीक्षक अवधेश सिंह,देवा यातायात प्रभारी राम यतन,अरुणोदय पब्लिक स्कूल के मैनेजर विजय सिंह व जनकल्याण किसान एसोसिएशन के चेयरमैन धर्म कुमार यादव के संयुक्त नेतृत्व में एक दर्जन मोटरसाइकिल चालकों को निःशुल्क हेलमेट वितरण किया गया।हेलमेट व्यवस्था में स्कूल की प्रधानाचार्या बुशरा किदवई, अध्यापिका शाजिया अल्वी आदि का विशेष मार्गदर्शन रहा।इस अवसर पर उप निरीक्षक उदय प्रताप सिंह,हेड कांस्टेबल राजेश सिंह, पी आर डी बबिता,भूपेंद्र कुमार यादव,राम सुंदर,राकेश ,विपिन कुमार, रामानंद, अभयराज यादव,जनकल्याण किसान एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश मिश्रा,प्रदेश महासचिव राज बहादुर यादव,जिला मीडिया प्रभारी अंजनी कुमार,ब्लॉक सचिव पुरुषोत्तम कुमार आदि उपस्थित रहे।

जलभराव व कीचड़ से विद्यालय का मार्ग अवरुद्ध

अमन लेखनी समाचार

रुपईडीहा बहराइच। डा0 बी0आर0अम्बेडकर सिटी मान्सटेरी जूनियर हाईस्कूल अम्बेडकर नगर चकिया रोड रुपईडीहा में स्थित है। इधर कुछ दिनों में हुई भारी बारिश के कारण विद्यालय का मार्ग वर्तमान समय जलभराव व कीचड़ के कारण अवरुद्ध हो गया है। जिससे कारण स्कूल के बच्चे, शिक्षक, शिक्षिकाये स्कूल के रास्ते पर निकलना मुश्किल हो गया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य डा0 मनमोहन शुक्ल (चेतन) ने बताया कि स्कूल के जलभराव व कीचड़ के सम्बन्ध में केवलपुर ग्राम पंचायत के पूर्व प्रधान मो0 जुबेर अहमद फारुकी व पूर्व प्रधान हाजी मो0 अब्दुल कलीम के कार्यकाल में ही मौखिक व लिखित रूप से सम्पर्क करके स्कूल की स्थिति से अवगत कराया था। परन्तु आज तक विद्यालय जाने वाली सड़क का निर्माण किसी भी प्रकार से नहीं हुआ। इस संबंध में उन्होंने 29 अगस्त 23 को एसडीएम नानपारा व रुपईडीहा नगर पंचायत अध्यक्ष को प्रार्थना पत्र देकर कहा है कि बाबा साहेब के जनहित के सपने तथा वर्तमान सरकार के जनहित के सपने, उद्देश्यो को पूरा नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि उपरोक्त विद्यालय का प्रकरण गम्भीर होने के कारण पुनः एसडीएम नानपारा व नगर पंचायत अध्यक्ष रुपईडीहा को प्रार्थना पत्र दिया है। उन्होंने प्रार्थना पत्र में कहा है कि अगर 10 सितम्बर 23 तक विद्यालय जाने वाली सड़क का निर्माण नहीं कराया गया तो पूरा विद्यालय परिवार अपने बांह में काली पट्टी बांधकर अपना आक्रोश ब्यक्त करेंगे।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)
स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक–
श्रीमती अखिलेश सिंह
समाचार सम्पादक –
रुद्र प्रताप सिंह
समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।
मो. - 9838159555, 9935457982
E-mail address
amanlekhaninews@gmail.com

सहेली

रक्षाबंधन विशेष

महत्ता / वीना गौतम

भारत में भाई-बहन के रिश्तों में जिस तरह की उदात्त भावनाएं होती हैं, अन्य किसी देश में नहीं दिखेंगी। इसीलिए हमारी संस्कृति में इस रिश्ते पर केंद्रित रक्षाबंधन जैसा पर्व मनाते हैं। भाई-बहन के बीच अंतर्निहित भावनाओं और रक्षाबंधन पर्व का एक विवेचन।

उदात्त भावनाओं से भरा भाई-बहन का प्यारा रिश्ता

कई पौराणिक और ऐतिहासिक कहानियों से सजा रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन के प्यार का प्रतीक है। दुनिया के कई पर्व अलग-अलग नामों और रीतियों से हर संस्कृति में मिल जाते हैं। लेकिन भाई-बहन के अनूठे रिश्ते से बना रक्षाबंधन का पर्व भारतीय संस्कृति के अलावा और कहीं नहीं मिलता। यह पर्व भारत के सभी प्रांतों में मनाया जाता है, लेकिन इसके अलग-अलग जगहों में अलग-अलग नाम हैं। उत्तराखंड और हिमाचल के कुछ हिस्सों में इसे श्रावणी कहते हैं। राजस्थान में इसे रामराखी कहते हैं। महाराष्ट्र में कई जगहों में इसे नारियल पूर्णिमा के नाम से भी जानते हैं, दक्षिण भारत में यह पर्व अवनि-अवित्तम के नाम से जाना जाता है।

सबसे दीर्घायु का रिश्ता : भाई और बहन के बीच जितने पवित्र और उदात्त रिश्ते भारत में होते हैं, उतने कहीं नहीं होते। यह रिश्ता कई मायने में सिर्फ अनोखा ही नहीं, बेहद कोमल और दीर्घायु वाला रिश्ता भी है। अगर बचपन से ही भाई-बहन एक-दूसरे के प्रति प्रेम, विश्वास और लगाव का रिश्ता रखते हैं, तो यह रिश्ता किसी भी पति-पत्नी की उम्र से लंबा होता है। मां-बाप और बच्चों के रिश्तों से तो लंबा होता ही है। जीवन में जब तक पत्नी या बच्चे आते हैं, तब तक भाई-बहन अपने रिश्तों के दो दशक पूरे कर चुके होते हैं। इसलिए दुनिया में इससे ज्यादा लंबा रिश्ता कोई और नहीं होता है।

क्या कहते हैं समाजशास्त्रीय अध्ययन : भारत में भले इस रिश्ते की समाजशास्त्रीयता पर कोई विशेष अध्ययन ना हुआ हो, लेकिन विदेशों में इस पर समाजशास्त्री और मनोवैज्ञानिक अध्ययन हुए हैं। अमेरिका स्थित ब्रिघम यंग यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन के मुताबिक जो लड़के अपने भाइयों के साथ बड़े होते हैं, वे बहनों के प्रति सहानुभूति रखते हैं, जबकि जो लड़के बहनों के साथ बड़े होते हैं, वे बेहद परोपकारी, बहनों के प्रति अत्यधिक प्रेम रखने वाले और जेंडर न्यूट्रल होने की कोशिश करने वाले होते हैं। बहनें आमतौर पर अपने भाइयों को जिम्मेदारियों का एहसास कराती हैं। दोनों की वाणी और व्यवहार में भी फर्क होता है। इसलिए साथ बड़े होने वाले भाई-बहनों में अकसर भाइयों को अपनी बहनों से मां जैसी आत्मीयता और प्यार का एहसास होता है और अगर भाई बड़े हैं, बहनें छोटी हैं तो उन्हें अपने भाई में पिता की तस्वीर दिखती है। ब्रिघम यूनिवर्सिटी के ही शोधकर्ताओं ने पाया है कि जो लड़के अपनी बहन के साथ अच्छे रिश्ते रखते हैं, उनके प्रति संवेदनशील होते हैं, वे दूसरी लड़कियों के साथ भी वैसा ही रिश्ता रखते हैं। एक अध्ययन में यह भी साबित हुआ है कि भाई जितना अपनी बहन से सीखते हैं, उतना किसी और से नहीं सीखते।

तनावमुक्त जीवन जीने में मददगार : डेवलपमेंटल साइकोलॉजी के एक अध्ययन के मुताबिक भाई- बहन का स्वस्थ रिश्ता तनावमुक्त जीवन जीने में बहुत मददगार होता है। अगर भाई-बहन का रिश्ता प्रेम और विश्वसनीयता से भरा होता है, तो वे एक-दूसरे के सबसे बड़े राजदार होते हैं। कई भाई-बहन घंटों-घंटों आपस में बातें करते रहते हैं और उनकी बातें ही नहीं खत्म होतीं, क्योंकि भाई-बहन के बीच जितने अनुभव साझा होते हैं, दूसरे रिश्ते में शायद ही ऐसा होता हो। शायद इसीलिए हमारे पुरखों ने रक्षाबंधन जैसा पर्व गढ़ा है। अगर इस पर्व को संवेदनाओं के साथ मनाया जाए तो इसके जरिए भाई-बहन के रिश्तों में ताउम्र मधुरता बनी रहती है।

भावानुभूति

माता-पिता का प्रतिरूप होता है भाई-बहन का रिश्ता

रमा पांडे, निर्माता-निर्देशक-लेखक

हम सात बहनों के बाद हमारे दो भाई हमें मिले, पीयूष पांडे और प्रसून पांडे। हम इनके आने के लिए खूब तरसे हैं। मेरे पिताजी के सात बेटियों के बाद ये दो लड़के हुए। इन्हें पाने के लिए मां ना जाने कितने ही मंदिरों, दरगाह, गुरुद्वारों में गईं, प्रार्थनाएं कीं। तब जाकर भगवान ने हमें दो भाई दिए। जब पीयूष की पहली राखी थी तो उसका छोटा सा एक फुट का हाथ पूरा का पूरा राखियों से भरा हुआ था। अब हम सब अपने-अपने काम में बिजी हैं। हमारी दो तिहाई फैमिली तो मुंबई चली गई है, इसलिए वो लोग आपस में मिलते रहते हैं। एक-दूसरे के घर डिनर पर जाते रहते हैं। त्योहार पर सब किसी एक के घर एकत्र हो जाते हैं। राखी प्रसून के घर मनाई जाती है। हम सात में से तीन बहनें मुंबई में नहीं रहतीं, इसलिए हर बार राखी पर नहीं जा पाते। कभी सब मिलकर तय कर लेते हैं कि इस बार राखी पर सब मिलते हैं तो हम सब मुंबई पहुंच जाते हैं। मैं भाई-बहन के रिश्ते को माता-पिता का प्रतिरूप मानती हूं। सुख-दुख की जो छाया है, वह भाई या बहन रूपी पेड़ के नीचे है, जहां आप निस्वार्थ रूप से एक-दूसरे से जुड़े होते हैं। एक-दूसरे के दुख-दर्द को समझते हैं। हमारी दो बहनें अब नहीं रहीं, लेकिन उनकी राखी का गिफ्ट अभी भी भाई, उनके बच्चों को देते हैं। उन दोनों बहनों की ओर से मेरी बहन राखी बांधती है। हमारे भाई हमेशा हमारे लिए तन, मन, धन से खड़े रहते हैं। इससे पता चलता है, भाई-बहन का रिश्ता कितना गहरा होता है।

भाई-बहन के आगाध प्रेम का प्रतीक है रक्षाबंधन का पर्व। यह पर्व दोनों को इस बात के लिए उत्प्रेरित करता है, वे जीवन-पर्यंत नेह के बंधन में बंधे रहें। बचपन में एक-दूसरे से स्नेह के धागे से बंधे भाई-बहन, कैसे आज भी बंधे हुए हैं? यह रिश्ता कैसे और मधुर हो? जीवन में क्या है इस रिश्ते का महत्व, **रेणु खंतवाल** को बता रही हैं अपने-अपने क्षेत्र की नामचीन महिलाएं।

नेह का बंधन

हम एक-दूसरे के साथ खड़े रहने का वादा निभाते हैं

हिमानी शिवपुरी, अभिनेत्री

मेरा भाई मुझसे छोटा है। जैसे एक आम भाई-बहन का प्यारा- सा रिश्ता होता है, वैसा ही हमारा भी है। जब मैं दिल्ली आई तो संयोग से उसकी भी जॉब दिल्ली में लग गई, वह मेरे साथ ही रहने लगा। अब मैं मुंबई में रहती हूं, वह रिटायर होकर देहरादून में। जैसे ही मुझे काम से थोड़ा-सा भी ब्रेक मिलता है, मैं देहरादून चली जाती हूं। भाई-बहन के रिश्ते में प्यार तो हमेशा रहता है। बचपन से जो यह खून का रिश्ता और प्यार है, यादें हैं, उन्हें आप कैसे भूल सकते हैं। बेशक शादी के बाद सबकी अपनी-अपनी लाइफ हो जाती है, इस बात को समझना भी चाहिए। लेकिन हम एक-दूसरे के परिवार को भी अपना परिवार समझें और जितना समय निकाल सकें, एक-दूसरे के लिए निकालें। मैं मुंबई में बहुत बिजी रहती हूं, लेकिन जैसे ही ब्रेक मिलता है, फौरन भाई के पास आ जाती हूं। मेरा काम ऐसा है कि कब ब्रेक मिलेगा, यह कहना मुश्किल है, इसलिए हमारे लिए तो जब हम मिलते हैं, वो खुशी ही रक्षाबंधन के समान होती है। लंबे समय बाद पिछले साल रक्षाबंधन हमने साथ में मनाया। इस साल भी साथ में रक्षाबंधन मनाएंगे। वैसे हम दोनों रोज ही फोन पर बात करते हैं, इसलिए भाई-बहन की एक-दूसरे के प्रति जो जिम्मेदारी और एक-दूसरे के साथ खड़े रहने का वादा है, वो तो रोज ही निभाते रहते हैं। बेशक मेरा भाई देहरादून और मैं मुंबई में रहती हूं, लेकिन हम दूर रहकर भी एक-दूसरे के बहुत क्लोज हैं। एक-दूसरे के दुख-सुख में बराबर के भागीदार हैं। मेरा मानना है, भाई-बहन के बीच जो सच्चा प्यार होता है, उसे कोई दूसरा नहीं समझ सकता।

सिर्फ भाई ही नहीं, भाभी से भी करें प्यार

डॉ. रेखा मेहरा, कथक नृत्यांगना

मेरे लिए रक्षाबंधन बहुत ज्यादा मायने रखता है। वजह यह है कि पांच बहनों के बाद हमारा यह भाई आया। बचपन में हमें इंतजार था कि जब हमारा भाई होगा, हम उसे राखी बांधेंगे। भाई के आने के बाद हम पांचों बहनों ने राखी का त्योहार मनाना शुरू किया। हमारा बचपन भी हर भाई-बहन की तरह बीता। अगर भाई हमेशा अपनी बहन की केयर करे और बहन भी भाई का ध्यान रखे तो वह रिश्ता बहुत प्यारा बना रहता है। यही राखी का बंधन है। मेरा भाई मेरे साथ रहता है। वह मेरी बहुत ज्यादा केयर करता है। वह सिर्फ मुझे ही नहीं बाकी सभी चार बहनों को भी बहुत ज्यादा प्यार करता है।

वो भाई-बहन जिनकी शादी हो चुकी है, अपनी-अपनी जिंदगी जी रहे हैं, उनमें बहनों से विशेष रूप से कहूंगी कि वे अपनी भाभियों से ऐसे रिश्ते बनाकर रखें कि भाभी आपको फोन करके कहें, 'घर आओ बहुत दिन हो गए, आई नहीं।' या आप अपनी भाभी को भाई के साथ अपने घर बुलाएं।

बीच-बीच में एक-दूसरे को अपने घर बुलाती रहें, मिलती रहें। एक-दूसरे से कुछ अच्छी बातें सीखें और कुछ सिखाएं। एक बात हर बहन को ध्यान रखनी चाहिए कि अगर भाभी आपके करीब होंगी तो भाई अपने आप आपके करीब रहेगा, क्योंकि शादी के बाद रिश्तों में फर्क तो आता ही है। इसलिए अगर आप अपने आपको केवल अपने भाई तक सीमित रखेंगी तो बात नहीं बनेगी। आपको अपने भाई की पत्नी के प्रति भी अपने प्यार को आगे बढ़ाना है। भाई के परिवार से भी ऐसे प्यार करें, जैसे भाई को करती हैं। इससे आपका प्यार हमेशा बना रहेगा।

ज्ञानवापी का सच...

ज्ञानवापी परिसर का सर्वे आरंभ हो चुका है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा सर्वे को न्यायहित में अनिवार्य माना है। सर्वे वैज्ञानिक होगा और किसी भी तरह की खुदाई नहीं की जाएगी। ग्राउंड पेनिट्रेटिंग रडार (जीपीआर) तकनीक का इस्तेमाल कर सर्वे किया जाएगा। फोटोग्राफी का भी इस्तेमाल किया जाएगा। सर्वोच्च अदालत की संविधान पीठ ने भी अयोध्या विवाद का फैसला एएसआई के सर्वे और खुदाई के आधार पर दिया था। एएसआई भारत सरकार की संस्था है और इसके पुरातात्विक निष्कर्षों को अधिकृत और विज्ञान-सम्मत माना जाता रहा है। इलाहाबाद अदालत ने मस्जिद कमेटी की दलीलों को खारिज कर दिया कि सर्वे से मस्जिद को नुकसान पहुंच सकता है। इन दावों को बेदम करार दिया गया।

ट्रेंड / मानसी

आप जरूर चाहेंगी कि रक्षाबंधन पर भाई की कलाई पर जो राखी आप बांधें, वो यूनीक और खूबसूरत हो। ऐसे ही कुछ ऑप्शंस के बारे में बता रहे हैं आपको।

भाई की कलाई पर बांधें यूनीक-अट्रैक्टिव राखी

इन दिनों बाजार में एक से बढ़कर एक खूबसूरत राखियां मिल रही हैं। राखियों से सजे बाजार मन को मोह लेते हैं। लेकिन इनको देखकर कई बार समझ में नहीं आता कि इनमें से कौन सी राखी अपने भाई के लिए खरीदी जाए? आपके कंफ्यूजन को दूर करने के लिए हम आपको बता रहे हैं कुछ यूनीक राखियों के बारे में। साथ ही इन दिनों किस तरह की राखियां ट्रेंड में हैं, इस बारे में भी बता रहे हैं।

चांदी की राखी: ऐसी राखी थोड़ी महंगी जरूर होती है लेकिन ये बहुत अच्छी और यूनीक लगती है। ये ऐसी राखियां होती हैं, जिन्हें आपके भाई राखी का त्योहार बीतने के बाद भी अपने पास संजोकर रखेंगे। इस रह जब भी आपके भाई इस राखी को देखेंगे, उन्हें आपकी याद जरूर आएगी।

कलावे वाली राखी : कई भाई चाहते हैं कि उनकी बहन की राखी लंबे समय तक उनके हाथ से नहीं उतरे। इसके लिए आप उन्हें पारंपरिक भारी आकार की राखी के बजाय कलावे वाली छोटी-प्यारी राखी बांध सकती हैं। ऐसी राखी सिंपल तो होती है लेकिन कई महीनों तक कलाई पर बंधी रह सकती है। कलावा जल्दी से नहीं खुलता है और इसे बांधे रखने में कोई असुविधा भी महसूस नहीं होती है। लेकिन जब आप ऐसी राखी खरीदें तो देख लें कि कलावा रेशमी की बजाय कॉटन का हो, तभी यह हाथ पर टिका रहेगा।

फोटो वाली राखी : क्या आपको पता है आजकल राखियों को भी कस्टमाइज्ड किया जाने लगा है? इसमें राखी के बीचों-बीच भाई-बहन की फोटो लगाई जा सकती है। ऐसी राखी लेकर उसमें आप ऐसी फोटो को लगवा सकती हैं, जो आप दोनों के बचपन की प्यारी याद को ताजा कर दें। ऐसी राखी भाई को जरूर पसंद आएगी।

कुंदन स्टाइल राखी : कुंदन वाली राखियों की भी आपको खूब सारी वैरायटीज मार्केट में मिल जाएंगी। आप अपनी रेंज के हिसाब से इनमें से कोई भी राखी खरीद सकती हैं। इनमें हैवी और लाइट दोनों तरह की राखियां मिलती हैं। कुंदन की एक लाइन से सजी राखी बेहद प्यारी लगती है। इससे एक सोबर लुक मिलता है। इसमें भाई और भाभी दोनों के पेयर वाली राखी भी मिलती है, आप चाहें तो उसे भी लेकर, भाई और भाभी की कलाई पर राखी बांध सकती हैं। इससे भाई ही नहीं भाभी से भी आपके रिश्ते और मधुर-प्रगाढ़ हो जाएंगे।

रुद्राक्ष राखी : राखी में रुद्राक्ष के मनके लगाकर उसे एक ट्रेडिशनल-स्प्रिचुअल लुक दिया जाता है। ऐसी राखी बिल्कुल अलग और आकर्षक नजर आती है। अगर आपके भाई धार्मिक प्रवृत्ति के हैं पूजा-पाठ ज्यादा करते हैं तो उनके लिए ऐसी राखी बेस्ट रहेगी।

ब्रेसलेट राखी और कड़ा : आपका भाई अगर यंग है या मॉडर्न लुक को पसंद करता है तो आप उसे ब्रेसलेट राखी पहना सकती हैं। इस मौके पर आप अपनी भाभी के लिए कड़े टाइप की राखी लेकर उन्हें भी पहना सकती हैं। ये दोनों ही राखियां, ट्रेडिशनल राखियों से बिल्कुल अलग दिखती हैं, इसलिए हर किसी को अट्रैक्ट करती हैं।

डॉ. कलाम का जीवन दर्शन भारत के युवाओं के लिए है प्रेरणास्रोत

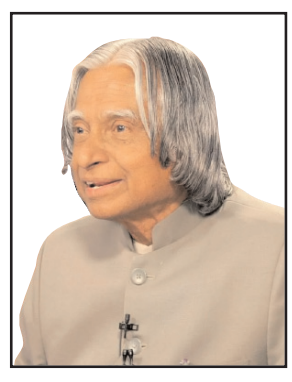

भारत माँ के सपूत, मिसाइल मैन, राष्ट्र पुरुष, राष्ट्र मार्गदर्शक, महान वैज्ञानिक, महान दार्शनिक, सच्चे देशभक्त ना जाने कितनी उपाधियों से पुकार जाता था भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को वो सही मायने में भारत रत्न थे। इन सबसे भी बढ़कर डॉ. अब्दुल कलाम एक अच्छे इंसान थे। जिन्होंने जमीन से जुड़े रहकर जनता के राष्ट्रपति के रूप में लोगों के दिलों में अपनी खास जगह बनायी थी। एक ऐसे इंसान जो बच्चे, युवाओं, बुजुर्गों सभी के बीच में लोकप्रिय थे। देश का हर युवा, बच्चा उन्हें अपना आदर्श मानता था, देश का हर युवा डॉ. कलाम बनना चाहता था। आज भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रत्येक वैज्ञानिक, इंजीनियर और तकनीशियन भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम जी को अपना आदर्श मानते है तभी वो डॉ. कलाम जैसे महान वैज्ञानिक के आदर्शों और पद-चिन्हों पर चलकर चंद्रयान-२ का सफल प्रक्षेपण कर पाए। डॉ. कलाम का जीवन हमेशा प्रेरणा देने वाला रहा है। डॉ. कलाम ने इसरो को नयी ऊंचाइयों तक पहुँचाया साथ ही साथ भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) को आधुनिक तकनीकों से भी परिचित कराया, तभी आज भारत का भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) दुनिया की प्रमुख अंतरिक्ष एजेंसिओं में अग्रणी भूमिका में खड़ा है। आज भारत देश कम खर्चे पर अच्छे-अच्छे अंतरिक्ष अभियानों को सफलतम अंजाम दे रहा है। आज भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की उपलब्धियां देखकर मिसाइल मैन डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम जी की पवित्र आत्मा स्वर्ग में बैठकर बहुत प्रसन्न हो रही होगी। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम जी का जन्म 15 अक्टूबर 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम के धनुषकोडी गाँव में एक मध्यमवर्ग मुस्लिम परिवार में हुआ। डॉ. कलाम की प्रसिद्धि, महानता, युवा सोच और आजीवन शिक्षक की भूमिका में रहने की वजह से संयुक्त राष्ट्र संघ ने उनके सम्मान में सन 2010 में उनके जन्मदिवस 15 अक्टूबर को विश्व विद्यार्थी दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। डॉ. कलाम बच्चों से बहुत प्यार करते थे। स्कूली बच्चों को उनके जीवन से प्रेरणा मिले, इसी उद्देश्य से उनके जन्मदिन को विश्व विद्यार्थी दिवस के रूप में संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा मनाने का निर्णय लिया गया था। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम जी के पिता का नाम जैनुलाब्दीन था। पिता जैनुलाब्दीन न तो ज्यादा पढ़े-लिखे थे, और उनकी आर्थिक हालत भी अच्छी नहीं थी। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम जी की माता का नाम अशिअम्मा जैनुलाब्दीन था। जो कि एक गृहणी थीं। माता-पिता के संस्कार और उनकी कठिन परिश्रम की आदत ने ही उन्हें इतना महान बनाया। डॉ. कलाम के पिता मछुआरों को नाव किराये पर दिया करते थे और एक स्थानीय मस्जिद के इमाम भी थे। अब्दुल कलाम संयुक्त परिवार में रहते थे। डॉ. अब्दुल कलाम जी पांच भाई बहनों में सबसे छोटे थे। डॉ. अब्दुल कलाम के जीवन पर इनके पिता का बहुत प्रभाव रहा। बेशक उनके पिता पढ़े-लिखे नहीं थे, लेकिन उनकी लग्न, परिश्रम और उनके दिए संस्कार अब्दुल कलाम के लिए जीवन में बहुत काम आए। डॉ. अब्दुल कलाम जी को अपनी फीस भरने के लिए बचपन में अखबार तक बेचना पड़ा था। डॉ. कलाम ने 1958 में मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से अंतरिक्ष विज्ञान में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। इसके बाद डॉ. कलाम ने हावरक्राफ्ट परियोजना पर काम करने के लिये भारतीय रक्षा अनुसंधान एवं विकास संस्थान (डीआरडीओ) में प्रवेश लिया। इसके बाद डॉ. अब्दुल कलाम 1962 में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में आये जहाँ उन्होंने अपनी कड़ी मेहनत, सूझबूझ और आसमान छू लेने वाली लग्न और स्वप्न ने सफलतापूर्वक कई उपग्रह प्रक्षेपण परियोजनाओं में अपनी महत्ती भूमिका निभाई। डॉ. कलाम के बतौर परियोजना निदेशक रहते देश का पहला स्वदेशी उपग्रह एसएलवी-3 जुलाई 1980 को लांच किया था। इस लांचर के माध्यम से रोहिणी उपग्रह को कक्षा में स्थापित किया गया। डॉ कलाम ने कई साल इसरो में परियोजना निदेशक के रूप में भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को काफी आगे बढ़ाया।

रेसिपी

डॉ. मालिनी सबा, शेफ

रक्षाबंधन हर भाई-बहन के लिए सबसे खास पर्व होता है। इस अवसर पर आप अपने भाई को राखी बांधने के बाद जरूर मुंह मीठा कराएंगी। ऐसे में आप चाहें तो घर में ही मिठाई या मीठा व्यंजन बना सकती हैं। इसीलिए हम आपको बता रहे हैं दो स्वीट डिशेज की रेसिपी।

भाई के लिए बनाएं मीठे-मीठे व्यंजन

पनीर बर्फी

सामग्री: पनीरः 250 ग्राम, मिल्क पावडरः एक कप, देसी घीः एक बड़ा चम्मच, इलायची पावडरः 1 बड़ा चम्मच, पिस्ताः आधा कप, चीनीः स्वादानुसार, कटे ड्राय फ्रूट्सः एक कप, गुलाब की पंखुड़ियांः थोड़े से, केसर के धागेः 2-4

विधि : सबसे पहले पनीर को अच्छी तरह हाथ से मसल कर चिकना बना लें। अब पैन में एक बड़ा चम्मच देसी घी गर्म करें। इसमें पनीर डालें और धीमी आंच पर 5-6 मिनट तक पकाएं। फिर इसमें चीनी और ड्राय फ्रूट्स डालकर 15 मिनट तक

मावा खीर

सामग्री : छोटे चावलः आधा कप, दूधः 1 लीटर, कटे काजूः 10-12, किशमिशः आधा कप, कटे बादामः 10-12, कटे मखानेः 5-7, कटी अखरोट गिरीः 2, पिस्ताः आधा कप, बारीक कटा सूखा नारियलः आधा कप, चीनीः स्वादानुसार

विधि : सबसे पहले भगोने में दूध को धीमी आंच पर गाढ़ा होने तक उबालें। अब इसमें छोटे चावल डालकर अच्छे से मिलाएं, फिर 20 मिनट तक